रांची, शनिवार
04.01.2025
वर्ष : 10, अंक : 35 पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
खबरे हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org bihanbharat@gmail.com @bihan_bharat Bihan Bharat RNI NO - JHAHIN/2015/73988

संक्षिप्त खबरें

प्रधानमंत्री आज दिल्ली में ग्रामीण भारत महोत्सव का करेंगे उद्घाटन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को सुबह करीब 10:30 बजे नई दिल्ली के भारत मंडपम में ग्रामीण भारत महोत्सव-2025 का उद्घाटन करेंगे। इस अवसर पर वे उपस्थित जनसमूह को संबोधित भी करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने शुक्रवार को एक बयान जारी कर उक्त जानकारी दी। इसमें कहा गया है कि ग्रामीण भारत की उद्यमशीलता की भावना और सांस्कृतिक विरासत का जश्न मनाते हुए, महोत्सव 4 से 9 जनवरी तक आयोजित किया जाएगा, जिसका विषय 'विकसित भारत 2047 के लिए एक लचीले ग्रामीण भारत का निर्माण' और आदर्श वाक्य होगा गांव बढ़े, तो देश बढ़े। महोत्सव का उद्देश्य विभिन्न चचाओं, कार्यशालाओं और मास्टरक्लास के माध्यम से ग्रामीण बुनियादी ढांचे को बढ़ाना, आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था बनाना और ग्रामीण समुदायों के भीतर नवाचार को बढ़ावा देना है। इसके उद्देश्यों में वित्तीय समावेशन को संबोधित करके और टिकाऊ कृषि प्रथाओं का समर्थन करके उत्तर-पूर्व भारत पर विशेष ध्यान देने के साथ ग्रामीण आबादी के बीच आर्थिक स्थिरता और वित्तीय सुरक्षा को बढ़ावा देना शामिल है।

डा. मनमोहन सिंह की अंतिम अरदास में हामिद, सोनिया और खरगे समेत कई शीर्ष नेता शामिल हुए

नई दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह की याद में आज अपराह्न यहां गुरुद्वारा रकाबगंज में प्रार्थना सभा (शबद कीर्तन और अंतिम अरदास) का आयोजन किया गया। इसमें कई शीर्ष नेताओं और गण्यमान्य लोग शामिल हुए और उन्होंने दिवंगत प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि दी। प्रार्थना सभा में शामिल होने वाले शीर्ष नेताओं में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत आदि थे। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) की पूर्व अध्यक्ष बीबी जागीर कौर, पंजाब विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष प्रताप बाजवा और तत्कालीन योजना आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष मोंटेक सिंह अहलूवालिया भी प्रार्थना में शामिल हुए।

कोहरे के कारण एनएच पर बस और ट्रक में टक्कर, दो की मौत

बिभा संवाददाता

पलामू। जिले के सतबरवा थाना क्षेत्र के बकोरिया के कसियाडीह मोड़ पर शुक्रवार सुबह 7.15 बजे घने कोहरे के कारण दर्दनाक घटना हो गई। जेपीएस यात्री बस और एक ट्रक में आमने-सामने की टक्कर हो गयी, जिससे ट्रक ड्राइवर और बस में सवार एक यात्री की मौत हो गई। गंभीर रूप से घायलों को नवजीवन हॉस्पिटल तुंबागड़ा में भर्ती कराया गया। बाद में वहां से छह यात्रियों की गंभीर स्थिति को देखते हुए रांची रिम्स बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया गया। 12 अन्य जख्मी यात्रियों का इलाज स्थानीय स्तर पर करने के बाद उन्हें छोड़ दिया गया। दुर्घटना की सूचना मिलने पर बीडीओ सह सीओ कृष्ण मुरारी तिर्की, प्रभारी थाना प्रभारी एसआई विश्वनाथ कुमार राणा, सुधीर सिंह, एसआई रामकुमार उपाध्याय,

एएसआई राजीव रंजन, योगेश चंद्र वोपाई, एएसआई गणेश मुंडा, बसंत महतो पुलिस जवानों के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस और ग्रामीणों के सहयोग से सभी यात्रियों को इलाज के लिए भेजा गया।

मृत ट्रक ड्राइवर की पहचान उतर प्रदेश के एटा जिले के कलुवा थाना अंतर्गत टोलो गांव निवासी पुष्पेंद्र कुमार (35) और सतबरवा थाना क्षेत्र के मुक्ता गांव के रियायत मियां (52) के रूप में हुई है। पुलिस ने दोनों शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया है।

बकोरिया के मो. अकबर, सुबोध कुमार, विपिन रवि ने बताया कि घटना की जानकारी के बाद एएसआई राजीव रंजन दल बल के साथ दुर्घटना स्थल पर पहुंचे और ग्रामीणों के साथ मिलकर बस चालक को बाहर निकाला। चालक स्टेयरिंग में बुरी तरह फंसा हुआ था, उसे सबल के सहयोग से निकाला गया। ट्रक खलासी अंकित कुमार का पैर कटकर अलग हो गया था। रियासत मियां अपनी पत्नी के साथ ताबर गांव से सवार होकर रांची इलाज कराने जा रहे थे।

पुलिस ने बताया कि बस मेदिनीनगर से रांची की ओर जा रही थी। एक वाहन से ओवरटेक करने के दौरान सामने से आ रहे ट्रक से जोरदार टक्कर हो गई। घटना के बाद मौके पर अफरातफरी का माहौल उत्पन्न हो गया। सवारियों में चीख पुकार मचने पर ग्रामीण दौड़कर घटनास्थल पर पहुंचे। एंबुलेंस के अभाव में टेंपो पर लादकर सभी घायलों को पुलिस की मदद से इलाज के लिए हॉस्पिटल भेजा गया। इस क्रम में दोनों ओर से करीब ढाई घंटे तक सड़क जाम रहा।

सीओ सह बीडीओ कृष्ण मुरारी तिर्की ने हॉस्पिटल पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और गंभीर रूप से घायलों को सरकारी एंबुलेंस से रांची तथा डालटनगंज इलाज के लिए भेजवाया। उन्होंने बताया कि घटना दुखद है। गंभीर रूप से घायल छह लोगों को अच्छे इलाज के लिए रांची रेफर किया गया है। इनमें रोजनी बीबी , फिरोज अंसारी, जेपीएस बस चालक शशि पांडेय , अंकित कुमार सहित अन्य दो शामिल हैं।

प्रभारी थाना प्रभारी विश्वनाथ कुमार राणा ने बताया कि अधिक कोहरा होने के कारण बस और ट्रक मे जोरदार टक्कर हुई। दुर्घटना के बाद दोनों वाहनों के परखच्चे उड़ गये। दोनों ड्राइवर वाहन में फंस गए थे, जिन्हे मुश्किल से बाहर निकाला गया। ट्रक ड्राइवर की मौके पर मौत हुई। एक बस यात्री ने भी इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

मानसिक स्वास्थ्य मुद्दे ले रहे हैं महामारी का रूप : राष्ट्रपति

बेंगलुरू : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को कहा कि दुनिया भर में विभिन्न प्रकार के मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित समस्याएं महामारी का रूप ले रही हैं पर उम्मीद की बात यह है कि मानसिक स्वास्थ्य के बारे में जागरूकता बढ़ने से पीड़ितों के लिए मदद लेना आसान हुआ है। श्रीमती मुर्मु ने कहा कि दिमाग के संतुलन को प्रभावित करने वाले जीवन के उतार-चढ़ावों को समझने के लिए हमारे ऋषि-मुनियों और द्रष्टाओं की सीख के आधार पर कोई आध्यात्मिक नियम या ढांचा विकसित किया जा सकता है। राष्ट्रपति बेंगलुरु में राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य और तंत्रिका विज्ञान संस्थान (निमहंस) के स्वर्ण जयंती समारोह को संबोधित कर रही थी। राष्ट्रपति ने कहा कि स्वस्थ मन ही स्वस्थ समाज की नींव है। उन्होंने मानसिक और शारीरिक कष्टों को कम करने के लिए स्वास्थ्य देखभाल की आधुनिक प्रणालियों के साथ योग जैसे पारंपरिक तरीकों को सफलतापूर्वक शामिल करने के लिए निमहंस की सराहना की।

झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के राज्यस्तरीय समारोह की तैयारियां जोरों पर

मुख्यमंत्री छह को लाभुकों के खाते में भेजेंगे सम्मान राशि

पूरे राज्य से 3-4 लाख महिलाएं होंगी कार्यक्रम में शामिल

लोक कलाकार नृत्य-गीत की देंगे प्रस्तुति

बिभा संवाददाता

रांची : झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के राज्यस्तरीय समारोह की तैयारियाँ जोरों पर हैं। आर्मी ग्राउंड, खोजाटोली, नामकुम में जिला प्रशासन द्वारा वृहत स्तर पर कार्यक्रम का आयोजन 06 जनवरी 2025 को किया जा रहा है, जिसमें राज्यभर से लाखों महिलाएं शामिल होंगी।

मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के राज्यस्तरीय समारोह में माननीय मुख्यमंत्री लाभुकों के खाते में योजना की बढ़ी हुई सम्मान राशि 2500 रुपये भेजेंगे। कई लाभुकों

के खाते में योजना अंतर्गत बढ़ी हुई सम्मान राशि भेजी जा चुकी है, बचे हुए सभी लाभुकों के खाते में 06 जनवरी को डीबीटी के माध्यम से सम्मान राशि ट्रांसफर की जाएगी।

झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के राज्यस्तरीय समारोह में पूरे राज्य से तीन से चार लाख महिलाएं शामिल होंगी। दूसरे जिलों से आने वाले लाभुकों के आवागमन, अल्पाहार, वाहनों की पार्किंग आदि व्यवस्था के लिए की जा रही तैयारियों पर उपायुक्त श्री मंजूनाथ भजन्त्री द्वारा बारीकी से नजर रखी जा रही है। उन्होंने संबंधित पदाधिकारी को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं कि कार्यक्रम में शामिल होने वाली महिलाओं को किसी तरह की परेशानी ना हो।

तैयारियों की लगातार मॉनिटरिंग कर रहे हैं उपायुक्त

उपायुक्त, रांची मंजूनाथ भजंत्री लगातार कार्यक्रम स्थल पर चल रही तैयारियों की मॉनिटरिंग कर रहे हैं । आयोजन स्थल पर की गई तैयारी का निरीक्षण करते हुए उन्होंने सफल आयोजन के लिए सभी तैयारियां तय समय में पूरी करने के निर्देश दिए हैं।

लोक कलाकार नृत्य-संगीत की देंगे प्रस्तुति

झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के राज्यस्तरीय समारोह में लोक कलाकार अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे। कलाकारों द्वारा गीत-नृत्य प्रस्तुत किया जाएगा। एक ओर जहां आधुनिक नागपुरी गायक पवन राय, कुड़ुख गायक सुरेंद्र कुजूर और सादरी गायक इग्नेश कुमार अपनी गायकी का प्रदर्शन करेंगे तो वहीं दूसरी ओर झारखंड के पारंपरिक नृत्यों जैसे पाइका, छऊ आदि का भी कलाकारों द्वारा प्रदर्शन किया जाएगा।

झारखंड में लगातार चल रही हवा से बढ़ी कंपकंपी, छाया रहेगा कोहरा

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड में लगातार चल रही हवा ने कंपकंपी बढ़ा दी है। पहाड़ों पर हो रही बर्फबारी का असर झारखंड में भी दिख रहा है। हवाओं ने झारखंड में ठंड बढ़ा दी है। राजधानी रांची के कांके में पारा लुढ़क कर 3.3 डिग्री सेंटीग्रेड तक पहुंच गया है।

मौसम विभाग के अनुसार, चार, पांच और छह जनवरी को सुबह कोहरा छाया रहेगा। साथ ही आंशिक रूप से बादल छाये रहने की भी संभावना है। राजधानी रांची में शुक्रवार को सुबह में हल्के दर्जे का कोहरा छाया रहा लेकिन बाद में धीरे-धीरे आसमान साफ हो गया। हालांकि, चल रही हवाओं की वजह से लोगों को काफी ठंड का सामना करना पड़ रहा है।

मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, पिछले 24 घंटे में रांची का अधिकतम तापमान 20.8 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 08.0 डिग्री सेल्सियस रहा। इसी तरह जमशेदपुर का अधिकतम तापमान 23.5 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 09.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। डाल्टेनगंज का अधिकतम तापमान 22.2 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 7.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। बोकारो का अधिकतम तापमान 21.2 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 8.1 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

इस संबंध में रांची मौसम केंद्र के वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने शुक्रवार को बताया कि पिछले 24 घंटे में सबसे कम न्यूनतम तापमान 5.3 डिग्री सेंटीग्रेड खूंटी में दर्ज किया गया। सबसे अधिक उच्चतम तापमान 26.8 डिग्री सेंटीग्रेड सिमडेगा में रहा। पिछले 24 घंटे में राज्य में मौसम शुष्क रहा।

चीन में एचएमपीवी वायरस के तेजी से फैलने पर भारतीय स्वास्थ्य एजेंसी ने कहा, चिंता की कोई बात नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली : भारत में स्वास्थ्य सेवा के विशेषज्ञों ने चीन में फैल रहे मानव मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) के बारे में चिंता व्यक्त करने से इनकार किया है। स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस) के वरिष्ठ अधिकारी डॉ. अतुल गोयल ने यह स्पष्ट किया कि इस वायरस के प्रसार से घबराने की कोई आवश्यकता नहीं है। डॉ. गोयल ने कहा, यह वायरस किसी भी अन्य सामान्य श्वसन वायरस की तरह है, जो सर्दी-जुकाम के कारण होता है और केवल बहुत बूढ़े लोगों और छोटे बच्चों में फ्लू जैसे लक्षण पैदा कर सकता है।

चीन में हाल ही में एचएमपीवी के प्रकोप की खबरों के बीच, डॉ. गोयल ने यह भी बताया कि भारत में इस समय कोई असामान्य स्थिति नहीं है। उन्होंने कहा, हमने दिसंबर 2024 के आंकड़ों का विश्लेषण किया है और इसमें कोई उल्लेखनीय वृद्धि

नहीं पाई गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सर्दियों के मौसम में श्वसन वायरस संक्रमण का प्रकोप स्वाभाविक है, और इस समय अस्पतालों को इसके लिए तैयार किया गया है।

डॉ. गोयल ने आम जनता से आग्रह किया कि वे श्वसन संक्रमणों के प्रति सामान्य सावधानी बरतें। उनका कहना था कि खांसी और जुकाम से पीड़ित व्यक्तियों को दूसरों से संपर्क करने से बचना चाहिए और उन्हें खांसने या छींकने के लिए अलग रूमाल या तौलिया का इस्तेमाल करना चाहिए। सामान्य सर्दी या बुखार के लक्षणों के लिए वह सामान्य दवाएं लेने की सलाह देते हैं।

यह भी उल्लेखनीय है कि एचएमपीवी के लिए कोई विशिष्ट एंटीवायरल उपचार उपलब्ध नहीं है, और इसके प्रसार को रोकने के लिए सुरक्षा उपायों का पालन करना महत्वपूर्ण है। डॉ. गोयल ने कहा, इस स्थिति को लेकर चिंता करने की कोई आवश्यकता नहीं है, बशर्ते लोग सही सावधानियां बरतें।

इसके अतिरिक्त, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी) श्वसन और मौसमी इन्फ्लूएंजा के मामलों की बारीकी से निगरानी कर रहा है। वे अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य एजेंसियों के साथ इस स्थिति पर लगातार संपर्क में हैं।

चीन में एचएमपीवी के बढ़ते प्रसार के बीच, वैश्विक समुदाय के बीच कोविड-19 जैसी महामारी की संभावना पर चिंता भी व्यक्त की जा रही है। हालांकि, चीन ने अपनी पारदर्शिता का बचाव करते हुए कहा कि उसने कोविड-19 के उत्पत्ति पर सबसे अधिक डेटा और शोध साझा किया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (हल्ड) ने चीन से इस बीमारी की उत्पत्ति को लेकर और अधिक डेटा और जानकारी साझा करने का आग्रह किया है, ताकि वैश्विक स्तर पर बेहतर समझ बनाई जा सके।

चीन में फिर एक बार नए वायरस का संक्रमण

नई दिल्ली : चीन में कोरोना जैसा नया वायरस फैला है जो छोटे बच्चों पर ज्यादा असर कर रहा है। कोविड-19 के 5 साल बाद चीन में फिर एक बार नए वायरस का संक्रमण फैल रहा है। इसके लक्षण भी कोरोना वायरस की तरह ही है। इस नए वायरस का नाम ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (HMPV) है, जो कि एक RNA वायरस है।वायरस से संक्रमित होने पर मरीजों में सर्दी और कोविड-19 जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। इसका सबसे ज्यादा असर छोटे बच्चों पर देखा जा रहा है। इनमें 2 साल से कम उम्र के बच्चे सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। चीन के रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र (CDC) के मुताबिक इसके लक्षणों में खांसी, बुखार, नाक बंद होना और गले में घरघराहट शामिल हैं। HMPV के अलावा इन्फ्लुएंजा ए, माइकोप्लाज्मा निमोनिया और कोविड-19 के केस भी सामने आ रहे हैं। इससे मरीजों की संख्या लगातार बढ़ी है।

प्रधानमंत्री ने दिल्ली को 4500 करोड़ रुपये की विभिन्न परियोजनाओं का दिया तोहफा

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को दिल्ली के अशोक विहार में आयोजित एक कार्यक्रम में रिमोट का बटन दबाकर राष्ट्रीय राजधानी के निवासियों को 4500 करोड़ रुपये की विभिन्न परियोजनाओं का तोहफा दिया। इसमें जेजे क्लस्टर के निवासियों के लिए 1,675 फ्लैट, स्कूल और कॉलेजों से जुड़े प्रोजेक्ट हैं।

प्रधानमंत्री ने इस मौके पर कहा कि आज जिन परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया है, वे दिल्ली के लोगों को सशक्त बनाने की हमारी प्रतिबद्धता को दशार्ती हैं।

प्रधानमंत्री ने सभी के लिए आवास की अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप आज अशोक विहार में झुग्गी-झोपड़ी वालों के लिए बनवाए गए स्वाभिमान अपार्टमेंट में 1,675 फ्लैट का उद्घाटन किया। इनका निर्माण इन-सीटू स्लम पुनर्वास परियोजना के अंतर्गत किया गया है। प्रधानमंत्री मोदी इन फ्लैटों का उद्घाटन कर पात्र लाभार्थियों को स्वाभिमान अपार्टमेंट की चाबियां भी सौंपी।

प्रधानमंत्री ने दो शहरी पुनर्विकास परियोजनाओं का भी उद्घाटन किया। यह परियोजनाएं नौरोजी नगर और सरोजिनी नगर में पूर्ण की गई हैं। नौरोजी नगर में वर्ल्ड ट्रेड सेंटर ने 600 से अधिक जीर्ण-शीर्ण क्वार्टरों को अत्याधुनिक वाणिज्यिक टावरों से बदलकर इस क्षेत्र का कायाकल्प कर दिया है। इससे उन्नत सुविधाओं के साथ लगभग 34 लाख वर्ग फीट प्रीमियम वाणिज्यिक स्थल उपलब्ध हुआ है। सरोजिनी नगर में जीपीआरए टाइप-क्क क्वार्टर में 28 टावर शामिल हैं। इनमें 2,500 से अधिक आवासीय इकाइयां हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने द्वारका में सीबीएसई के एकीकृत कार्यालय परिसर का भी उद्घाटन किया। इस पर करीब 300 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। इसमें कार्यालय, ऑडिटोरियम, उन्नत डेटा सेंटर, व्यापक जल प्रबंधन प्रणाली आदि शामिल हैं।

प्रधानमंत्री ने दिल्ली विश्वविद्यालय में 600 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली तीन नई परियोजनाओं की आधारशिला रखी। इसमें पूर्वी दिल्ली के सूरजमल विहार के पूर्वी परिसर में एक अकादमिक ब्लॉक और द्वारका के पश्चिमी परिसर में एक अकादमिक ब्लॉक शामिल है। इसमें नजफगढ़ के रोशनपुरा में वीर सावरकर कॉलेज का भवन भी शामिल है।

संक्षिप्त खबरें

चैंबर का संवाद-2 कार्यक्रम जल्द, राज्य के वित्त मंत्री राधाकृष्ण लेंगे भाग

रांची(बिभा): फेडरेशन ऑफ झारखण्ड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के द्वारा संवाद कार्यक्रम की अगली कडी का आयोजन जल्द ही होगा। कार्यक्रम संयोजक अमित शर्मा, शैलेष अग्रवाल और रोहित पोद्दार ने संयुक्त रूप से इस हेतु आज वित्त एवं वाणिज्यकर मंत्री राधा कृष्ण किशोर से मुलाकात कर कार्यक्रम में शामिल होने के लिए निमंत्रित किया। प्रतिनिधिमंडल ने राज्य के वित्त मंत्रालय का प्रभार ग्रहण करने पर मंत्री को बधाई देते हुए राज्य की समसामयिक विषयों पर भी चर्चा की। सकारात्मक रूप से संपन्न हुई वार्ता के क्रम में माननीय मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने चैंबर द्वारा आहूत संवाद-2 कार्यक्रम में शामिल होने की सहमति दी। कार्यक्रम संयोजक अमित शर्मा ने कहा कि जल्द ही संवाद-2 कार्यक्रम की तिथि का निर्धारण किया जायेगा। राज्य में नई सरकार के गठन उपरांत सरकार की भावी योजनाओं पर सकारात्मक चर्चा के साथ ही राज्य के विकासात्मक मुद्दों पर सरकार और स्टेकहोल्डर्स का संयुक्त प्रयास प्रारंभ करने की दिशा में हमारा यह प्रयास सफल साबित होगा। बताते चलें कि झारखण्ड विधानसभा चुनाव से पूर्व चैंबर द्वारा जनप्रतिनिधियों के साथ संवाद की पहली कडी का आयोजन किया गया था। इसी कडी को आगे बढाते हुए संवाद 2 का आयोजन किया जा रहा है। उक्त जानकारी प्रवक्ता सुनिल सरावगी ने दी।

महाधर्माध्यक्ष विंसेंट आईंद आर्चबिशप हाऊस में नव निर्मित बैडमिंटन कोर्ट का किया उदघाटन

रांची(बिभा): रांची महाधर्मप्रांत के महाधर्माध्यक्ष विंसेंट आईंद ने आर्चबिशप हाऊस में पुरोहितों के बन नव निर्मित बैडमिंटन कोर्ट का आशीष एवं उद्घाटन किया । इस अवसर पर महाधर्माध्यक्ष विंसेंट आईंद ने खेलने वाले सभी पुरोहितों के स्वस्थ के लिए विशेष प्रार्थना की एवं आशीर्वाद दिया। बेडमिंटन कोर्ट के उद्घाटन के अवसर पर महाधर्माध्यक्ष विंसेंट आईंद, फा सुशील बेक, फा विनय केरकेट्टा, फाअसीम मिंज महाधर्माध्यक्ष के सचिव एवं आर्चबिशप हाऊस के कर्मचारी मौजूद रहे।

पीएलएफआई नक्सली मार्टिन, दुर्गा और अमृत के विरुद्ध ढोल नगाड़ा तथा पब्लिक एड्रेस सिस्टम के माध्यम से किया गया प्रचार-प्रसार

रांची(बिभा): ग्रामीण एसपी सुमित कुमार अग्रवाल के निदेर्शानुसार लापुंग थाना कांड संख्या -36/2023, दिनांक- 30.09.2023, धारा -302/307/341/34 IPC &27 आर्म्स एक्ट के अभियुक्त ढछत्रक्कनक्सली संगठन के मार्टिन केरकेट्टा, दुर्गा सिंह और सेमरटोली दोनों थाना लापुंग जिला रांची तथा लापुंग थाना कांड संख्या -42/2023, दिनांक- 20.11.2023, धारा - 384/385/387/34 IPC & 17 उछअ एक्ट के अभियुक्त अमृत होरो के विरूद्ध माननीय न्यायालय रांची द्वारा निर्गत इश्तेहार का तमिला आज शुक्रवार 03 जनवरी को ढोल नगाड़ा तथा पब्लिक एड्रेस सिस्टम के माध्यम से प्रचार- प्रसार कर किया गया.

संगठित अपराधी गिरोह से संबंधित कांडों का समीक्षा किया गया

रांची(बिभा) : सुमित कुमार अग्रवाल, पुलिस अधीक्षक ग्रामीण, राँची के द्वारा संगठित अपराधी गिरोह अमन साहू एवं अन्य के विरुद्ध भारतमाला प्रोजेक्ट में अंकित कांडो का समीक्षा अपने कार्यालय कक्ष में किया गया, समीक्षा के क्रम में कांड के अनुसंधान में तेजी लाने हेतु निर्देश दिया गया। समीक्षा के दौरान अशोक राम, पुलिस उपाधीक्षक बेड़ो, अनिल कुमार तिवारी, पुलिस निरीक्षक -सह-थाना प्रभारी औरमांझी एवं अन्य पुलिस पदाधिकारी उपस्थित हुए।

दशमफॉल थाना क्षेत्र में अवैध रूप से किए जा रहे अफीम की खेती को ट्रैक्टर चला कर विनिष्ट

रांची(बिभा) : सुमित कुमार अग्रवाल ग्रामीण पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में दशम फॉल थाना क्षेत्र के ग्राम पानसकाम मैं अफीम की खेती लगभग 4.5 एकड़ को ट्रैक्टर चला कर विनिष्टीकरण किया गया। खेती के स्थल पर पाए गए मोटर, पाइप एवं बिजली के तार को विधिवत जप्त किया गया है। साथ ही साथ थाना प्रभारी को निर्देश दिया गया है की अफीम की खेती के विनष्टीकरण में और भी तेजी लाएं एवं जल्द से जल्द पूरे एरिया में जितने भी अफीम की खेती की गई है सभी को विनष्ट करना सुनिश्चित करें। जो भी व्यक्ति अफीम की खेती में संलिप्त है उसको चिन्हित करते हुए गिरफ्तार कर जेल भेजे।

30 दिनों से अधिक लंबित म्यूटेशन का जल्द निष्पादित करें, रिजेक्ट आवेदनों का कारण बताएं: अंजनी कुमार

बिभा संवाददाता

रांची : प्रमंडलीय आयुक्त अंजनी कुमार मिश्र की अध्यक्षता में राजस्व विभाग के कार्यों से संबंधित समीक्षा बैठक हुई। बैठक में दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल अंतर्गत सभी जिलों के अपर समाहताओं ,भूमि सुधार उप समाहर्ता व जिला भू-अर्जन पदाधिकारियों के साथ राजस्व सहित अन्य बिंदुओं पर चर्चा की गई और अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

दाखिल खारिज की समीक्षा के क्रम में अकारण 90 दिनों तथा 30 दिनों से ज्यादा म्यूटेशन के लंबित मामलों को तीव्र गति से समय पर निष्पादित करने का निर्देश दिए साथ ही रिजेक्ट आवेदनों का आधार क्या है कारण स्पष्ट करें।

उन्होंने सभी अपर समाहर्ता को निर्देश दिया कि दाखिल खारिज के अत्यधिक लंबित वाले प्रखंडों को चिन्हित कर उनकी समय समय पर समीक्षा बैठक करें। और शिकायत मिलने पर कार्रवाई करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि सीओ कार्यालय में लंबे समय से एक ही जगह पर कार्य करने वाले कंप्यूटर ऑपरेटरों का स्थानांतरण करना सुनिश्चित करें।

आयुक्त ने कहा कि अंचल में बैठने वाले पदाधिकारी और कर्मी लोगों से अच्छी तरह से बात करें एवं उनके समस्याओ का समाधान करने में सहायता करें। हम पब्लिक सर्वेंट हैं लोगो की परेशानी दूर करना हमारा दायित्व है।

उन्होंने कहा कि सी.एन.टी. एक्ट पूरी तरह से इंप्लीमेंट हो। बैठक में उन्होंने कहा जमीन नकल संबंधित आवेदनों का अच्छी तरह से सत्यापन करना सुनिश्चित करें। बैठक में उन्होंने कहा कि अपने स्तर से सभी सीओ को निर्देश दे कि अपने अपने क्षेत्र के गैर मजरूआ, खास भूमि का भौतिक निरीक्षण कर अतिक्रमण भूमि पर वाद चलाए। सीओ सभी जमीन का ब्यौरा तैयार कर प्रतिवेदन समर्पित करें। रांची के खास महाल जमीन की खरीद बिक्री पर रोक रहे।

सरकारी परियोजनाओं के लिए भूमि हस्तांतरण, मुआवजा संबंधी मामलों की भी समीक्षा की गई।

केंद्र और राज्य सरकार की परियोजनाओं के लिए जमीन हस्तांतरण की अद्यतन स्थिति की जानकारी आयुक्त ने ली। जिन जिलों में भूमि हस्तांतरण के कार्य लंबित हैं, वहां जल्द से जल्द भूमि चिन्हित कर शीघ्र प्रस्ताव भेजने का निर्देश दिया गया।

बैठक में आयुक्त के सचिव आलोक कुमार,अवर सचिव एवं अन्य उपस्थित थे।

अपने वादे के अनुरूप 3200 रुपए प्रति क्विंटल धान खरीदे हेमंत सरकार :मरांडी

बिभा संवाददाता

रांची : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवम पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने राज्य सरकार द्वारा धान खरीदी में किसानों को इंसाफ देने की मांग की। श्री मरांडी आज प्रदेश कार्यालय में प्रेसवार्ता को संबोधित कर रहे थे। श्री मरांडी ने कहा कि पिछले दो वर्षों के सुखाड़ के बाद राज्य में इस वर्ष धान की अच्छी फसल हुई है।किसानों को अपने मेहनत का अच्छा लाभ मिलने की उम्मीद राज्य सरकार से थी। हेमंत सरकार में शामिल दलों ने चुनाव से पूर्व ?3200/क्विंटल धान खरीद करने का आश्वासन दिया था।लेकिन राज्य सरकार अपने वादे से उलट गई। आज राज्य में 2300रुपए प्रति क्विंटल धान खरीद और 100रुपए बोनस के साथ 2400रुपए प्रति क्विंटल से खरीद हो रही।राज्य सरकार ने 60लाख क्विंटल धान खरीद का लक्ष्य रखा है लेकिन स्थिति ऐसी है कि अभी तक पूरी तरह जिलों में धान क्रय केंद्र ही नहीं खोले गए हैं।ऑफिसरशाही इतनी हावी है कि वित्त मंत्री अपने क्षेत्र से धान क्रय केंद्र का बिना उद्घाटन किए ही बैरंग वापस लौटने को मजबूर हैं।राज्य में जहां केंद्र खुले भी हैं उसमें में कई स्थानों पर ताले लटके मिल रहे। राज्य सरकार लक्ष्य का 15% धान भी अबतक नहीं खरीद सकी है।

राज्य सरकार की उदासीनता के कारण किसान दलाल और बिचौलियों के चंगुल में आने को मजबूर हैं। किसान अपनी मेहनत से उपजाई फसल को 1800-1900रुपए प्रति क्विंटल बेचने को मजबूर हैं।

इधर बंगाल,उड़ीसा,छत्तीसगढ़ के दलाल,बिचौलिए धान खरीद केलिए बाइक से गांव, गांव घूम रहे। दलाल, बिचौलिए सीधे ट्रक लेकर गांव तक पहुंच जा रहे ।और किसानों से कम कीमत पर धान खरीद ले रहे।

राज्य सरकार का दायित्व है किसानों को आत्मनिर्भर बनाने का ।किसानों को मजबूती प्रदान करने का ताकि वे अपने पैरों पर खड़ा हो सकें। झारखंड के किसान खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर नहीं है।यहां केवल एक फसल धान ही है जिसे एमएसपी पर बेचकर किसान कुछ रुपए कमाते है बाकी दलहन आदि का उत्पादन यहां बड़े पैमाने पर नहीं होता है। ऐसे में किसानों को प्रोत्साहित किए जाने की आवश्यकता है लेकिन राज्य सरकार लगातार किसानों को निराश करने में लगी है। किसानों के साथ फजीर्वाड़ा किया जा रहा।

भाजपा शासित प्रदेशों में अपने घोषित दर पर राज्य सरकार धान की खरीद कर रही जबकि हेमंत सरकार फिर से धोखा देने में जुट गई है।

श्री मरांडी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार किसानों के सर्वांगीण विकास केलिए समर्पित है। आज प्रतिवर्ष किसानों के खाते में 6000रुपए तीन किस्तों में भेजा जा रहा जो किसानों केलिए काफी सहायक हो रहा। लगातार फसलों पर केंद्र सरकार एमएसपी बढ़ा रही।अभी हाल में ही यूरिया के दामों में सब्सिडी बढ़ाई गई है।

राज्य सरकार अपने वादे पर अमल करते हुए 3200रुपए प्रति क्विंटल धान की खरीद करे, कटौती बंद करे और किसानों को इंसाफ दे। प्रेसवार्ता में किसान मोर्चा अध्यक्ष पवन साहू और सह मीडिया प्रभारी योगेन्द्र प्रताप सिंह उपस्थित थे।

दन्त चिकित्सको का सम्मेलन 11 को, मुख्यमंत्री होंगे शामिल

बिभा संवाददाता

रांची : झारखंड राज्य स्वास्थ्य सेवा संघ(झासा) के दन्त संवर्ग द्वारा राज्य में पहली बार दन्त चिकित्सको का सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। झासा दन्त संवर्ग के राज्य उपाध्यक्ष सह दन्त सम्मेलन आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ शरद कुमार ने बताया कि झारखंड राज्य के सभी सरकारी संस्थानों में नियमित अथवा अनुबंध रूप से कार्यरत सभी लगभग दो सौ पचास दन्त चिकित्सा पदाधिकारियों को इस सम्मेलन में बुलाया जा रहा है। यह दन्त सम्मेलन 11 जनवरी 2025 को रांची स्थित आईएमए हॉल करमटोली में सुबह 11 बजे से आरम्भ होगा। इस सम्मेलन के मुख्य अतिथि के रूप में राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन एवं स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी होंगे जबकि विभागीय अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह एवं राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अभियान निदेशक अबू इमरान विशिष्ट अतिथि वहीं विभागीय संयुक्त सचिव विद्यानंद शर्मा और ललित मोहन शुक्ला निदेशक प्रमुख स्वास्थ्य सेवाएं चंद्र किशोर शाही सम्मानित अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

झासा के अध्यक्ष डॉ पी पी साह,सचिव डॉ ठाकुर मृत्युंजय सिंह,उपाध्यक्ष डॉ शरद कुमार द्वारा संयुक्त रूप से हस्ताक्षर कर सभी गणमान्य को आमंत्रण पत्र दे दिया है। झासा के सचिव डॉ ठाकुर मृत्युंजय सिंह ने कहा कि यह सम्मेलन संगठन के लिए गौरवपूर्ण है और हम सभी मिल कर इसके सफल और भव्य आयोजन के लिए कार्य कर रहे है।वही संगठन के अध्यक्ष डॉ पी पी साह ने कहा कि इस तरह का यह पहला आयोजन है और ऐसे आयोजन से सामंजस्य स्थापित कर कार्य करने का अवसर प्राप्त होता है। झासा उपाध्यक्ष डॉ शरद कुमार ने कहा कि इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य है कि सरकार की नीतियों,उच्चाधिकारियों के निर्देश को हमलोग अपने माध्यम से किस तरह जन जन तक पहुंचा सके,इसके लिए सामंजस्य स्थापित हो। दन्त संवर्ग की कुछ महत्वपूर्ण सुझाव एवं मांगे है जिसे हमलोग सरकार और विभाग के समक्ष रखना चाहते है ताकि हम और भी बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करा सकें।इस सम्मेलन में संयुक्त रूप से झासा और आई एम ए के राज्य प्रतिनिधि भी मौजूद रहेंगे।

ऑपरेशन रेल प्रहरी के तहत आरपीएफ ने दो अपराधियों को किया गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

रांची : 1 जनवरी की रात करीब 21:30 बजे जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र के रहने वाले साहिल लकड़ा ने आरपीएफ के ड्यूटी पर तैनात स्टाफ को सूचित किया कि जब वह रांची रेलवे स्टेशन से अपने परिवार को विदा कर लौट रहा थे, तभी तीन अज्ञात व्यक्तियों ने उसे घेर लिया और धमका कर उसका मोबाइल फोन और पैसे छीनने की कोशिश की। जब उसने विरोध किया, तो उन्होंने उसके साथ मारपीट की और उसका मोबाइल फोन छीनकर भाग गए। कुछ समय बाद, उसने देखा कि वही अपराधी एक दूसरे यात्री, जियाउल हक जो मुंबई जाने के लिए ट्रेन पकड़ने वाले थे, उनका मोबाइल फोन और पैसे भी छीनकर स्कूटी (जिसका आंशिक नंबर 7427 था) से फरार हो गए।

इस घटना की सूचना मंडल सुरक्षा आयुक्त पवन कुमार को मिलने पर उन्होंने आरपीएफ रांची की एक टीम गठित की और चुटिया थाना पुलिस को सूचना दी। दक्षिण रेलवे कॉलोनी क्षेत्र मंथ गहन जांच की गई, लेकिन आरोपी नहीं पकड़े जा सके। पीड़ित साहिल लकड़ा को एफआईआर दर्ज कराने में आरपीएफ ने सहायता की। साहिल लकड़ा द्वारा दर्ज एफआईआर पर चुटिया थाना में केस नंबर 01/25 दिनांक 02/01/2025 को धारा 309(4) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया।

मारंग गोमके जयपाल सिंह मुंडा की 122 वी जयंती मनाई गई

बिभा संवाददाता

रांची : झारखंड अलग राज्य की मांग करने वाले प्रथम आंदोलनकारी, शिक्षाविद राजनीतिज्ञ, पत्रकार, लेखक, महान हॉकी खिलाड़ी मारंग गोमके जयपाल सिंह मुंडा की 122 वी जयंती के शुभ अवसर पर केंद्रीय सरना समिति के तत्वाधान में बबलू मुंडा की अगुवाई में जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम कचहरी रोड रांची में फूल माला पहनकर जयंती मनाई गई साथ ही साथ मारंग गोमके जयपाल सिंह मुंडा की जीवनी पर प्रकाश डाला गया। इस क्रम में केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष बबलू मुंडा ने कहा कि मारंग गोमके जयपाल सिंह मुंडा झारखंड अलग राज्य की मांग करने वाले महान प्रथम आंदोलनकारी थे और उन्ही का सपना था कि झारखंड अलग राज्य बने और झारखंड के आदिवासी और मूलवासी का जीवन अस्त्र ऊंचा उठे जल जंगल जमीन भाषा संस्कृति एवं खनिज संपदा की रक्षा हो उनके सपने का अलग झारखंड राज्य बन गया लेकिन उनके किऐ हुए कार्यों को सत्ता के लोभी नेता गण धूमिल करने का कार्य कर रहे हैं और नहीं चाहते हैं की झारखंड के इस महान आंदोलनकारी के विषय में झारखंड के लोग जाने इसलिए उनकी जयंती के पर किसी भी तरह के राज्य सरकार द्वारा वृत्त कार्यक्रम नहीं किया जाता है।

बबलू मुंडा ने कहा कि आने वाले दिनों में राज्य सरकार एवं जिला प्रशासक के विरुद्ध केन्द्रीय सरना समिति द्वारा जोरदार आंदोलन किया जाएगा और गैलरी हटने के बाद फुटबॉल प्रतियोगिता कराया जाएगा।

मुख्य पहान जगलाल पहान ने कहा कि राज्य सरकार एवं रांची नगर निगम हमारी मांगे पुरी नही करती है तो इसे पूरे झारखंड पर आंदोलन करेंगे। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से केन्द्रीय सरना समिति अध्यक्ष बबलू मुंडा, मुख्य पहान जगलाल पहान, झारखंड आंदोलनकारी कुमोद कुमार वर्मा, मुन्ना हेमरोम, विशाल मुंडा, आशीष मुंडा, राजू पहान, प्रेम लिंडा, आर्यन छतरी, चिकू लिंडा, शुभम मुंडा, विकास सांगा, आशीष लिंडा, भोला केसरी आदि उपस्थित थे।

गुरु नानक सत्संग सभा के 130 श्रद्धालु पटना साहिब में प्रकाश पर्व में शामिल होने के लिए रवाना

बिभा संवाददाता

रांची : पटना साहब में प्रकाश पर्व में शामिल होने के लिए गुरु नानक सत्संग सभा के 130 श्रद्धालुओं का पहला जत्था इंदर मिढ़ा,रमेश पपनेजा के नेतृत्व में आज तीन जनवरी को हटिया रेलवे स्टेशन से हटिया पटना सुपरफास्ट एक्सप्रेस द्वारा रवाना हुआ.इससे पहले सभी श्रद्धालु गुरुद्वारा साहिब में शाम पांच बजे एकत्रित हुए और बोले सो निहाल सत श्री अकाल के जयकारे लगाते हुए यहां से ऑटो रिक्शा से हटिया रेलवे स्टेशन के लिए रवाना हुए.सत्संग सभा के सचिव अर्जुन देव मिढ़ा एवं मीडिया प्रभारी नरेश पपनेजा ने सभी श्रद्धालुओं को माला पहनाकर विदा किया और सफल यात्रा की शुभकामनाएं दी.इस जत्थे में बुजुर्ग,महिला एवं युवा श्रद्धालु शामिल हैं.यह जत्था पटना साहिब में श्री गुरु गोविंद सिंह जी के प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में आयोजित प्रभात फेरी,नगर कीर्तन,कवि दरबार एवं प्रकाश पर्व की रात सजाए जाने वाले विशेष दीवान में शामिल होगा.इस बार कुल 350 श्रद्धालु पटना साहिब में प्रकाश पर्व में शामिल होंगे.गुरुघर के सेवक मनीष मिढ़ा ने तख्त श्री हरमंदिर साहिब जी,पटना की सेंट्रल कमिटी से बात कर सभी श्रद्धालुओं के ठहरने के लिए वहां गुरुद्वारा परिसर स्थित एकेडमिक स्कूल के हॉल एवं गुरुद्वारा श्री बाल लीला साहिब में कमरों की व्यवस्था कराई है.सभी आयोजनो में शामिल होने के बाद सभी श्रद्धालुओं का जत्था 8 जनवरी को वापस रांची पहुंचेगा.

सत्संग सभा के मीडिया प्रभारी नरेश पपनेजा ने बताया कि श्रद्धालुओं के जत्थे के रांची वापस पहुंचने के बाद 11 एवं 12 जनवरी को सत्संग सभा द्वारा श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में दो दिवसीय भव्य विशेष दीवान सजाया जाएगा, जिसमें 11 जनवरी,शनिवार को सुबह 8:00 से 10:00 बजे तक तथा रात आठ बजे से ग्यारह बजे तक एवं 12 जनवरी,रविवार को सुबह दस बजे से दोपहर ढाई बजे तक विशेष दीवान सजाया जाएगा. इन सभी दीवानों में विशेष रूप से शिरकत करने पहुंच रहे सिख पंथ के महान कीर्तनी जत्था भाई गुरमन प्रीत सिंह जी,दिल्ली वाले शबद गायन कर राची की साध संगत को निहाल करेंगे. सभी दीवानों की समाप्ति के उपरांत सभा द्वारा गुरु का अटूट लंगर चलाया जाएगा.

झारखंड की बेटियों ने रजत पदक जीत बढ़ाया राज्य की शान, वहीं बेटो ने भी जीता कांस्य पदक

बिभा संवाददाता

रांची : उत्तर प्रदेश के जमानियां, गाजीपुर के सेंट्रल पब्लिक स्कूल में आयोजित 26वीं राष्ट्रीय सब जूनियर एवं जूनियर टेनिस वॉलीबॉल प्रतियोगिता में झारखंड की सब जूनियर बालिका टीम ने अपने क्वार्टर फाइनल मैच में छत्तीसगढ़ को 2-0 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। फिर सेमीफाइनल मैच में जीत की प्रबल दावेदार मानी जा रही तेलंगाना टीम को 2-0 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया।

फिर संघर्षों एवं रोमांच से भरे फाइनल मैच में महाराष्ट्र से 2-1 से हार कर रजत पदक अपने नाम किया।

वहीं झारखंड सब जूनियर बॉयज टीम ने अपने पहले लीग मैच में आंध्र प्रदेश को सीधे सेटों में 2-0 से हराया। वहीं दूसरे मैच में मध्य प्रदेश को 2-0 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। अपने क्वार्टर फाइनल मैच में उत्तराखंड को 2-0 से हरा कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

फिर सेमीफाइनल के अपने कांस्य पदक मैच में जीत की प्रबल दावेदार मानी जानी जा रही महाराष्ट्र की टीम को 2-0 से हराकर कांस्य पदक अपने नाम किया। वहीं झारखंड की जुनियर बॉयज और गर्ल्स टीम ने भी क्वार्टर फाइनल तक अपना सफर तय किया। टीम को जीत की दहलीज तक ले जाने में मुख्य कोच दीपक कुमार की महत्वपूर्ण भूमिका रही। झारखंड टीम की जीत पर समाजसेवी जगदीश सिंह जग्गू, पूर्वी सिंहभूम के सचिव अरशद अली, रांची जिला के दीपक वर्मा, अंश वर्मा एवं टेनिस वॉलीबॉल के सभी जिला सचिव ने जीत की हार्दिक बधाई एवं शुभाकामनाएं दी। उक्त जानकारी टेनिस वॉलीबॉल असोसिएशन ऑफ झारखंड के महासचिव सचिव ब्रजेश गुप्ता ने दी।

संक्षिप्त खबरें

अब सीएससी में नहीं भरा जायेगा मंईयां योजना का फॉर्म, आदेश जारी

रांची(बिभा): मंईयां सम्मान योजना का फॉर्म अब सीएससी (कॉमन सर्विस सेंटर) में नहीं भरा जा सकेगा. राज्य सरकार ने सीएससी के साथ समझौता रद्द कर दिया है. ऐसे में महिलाओं के बीच ऊहापोह की स्थिति बन गयी है. महिला बाल विकास विभाग की निदेशक समीरा एस के हस्ताक्षर से जारी आदेश में कहा गया है कि 31 दिसंबर 2024 के बाद सीएससी के जरिये आवेदन लेने और उनके डिजिटलीकरण का काम बंद कर दिया गया है. अब सीएससी की सेवा की जरुरत नहीं है. नयी व्यवस्था के बारे में अब तक सरकार की ओर से कोई जानकारी नहीं दी गयी है. बताते चलें कि छह जनवरी को नामकुम के खोजा टोली में मंईयां सम्मान योजना का कार्यक्रम होना है. इसमें सीएम करीब 56 लाख महिलाओं के खाते में 2500 रुपये ट्रांसफर करेंगे.

चन्द्र मौली सिंह ने प्रधान महालेखाकार झारखण्ड के रूप में पदभार ग्रहण किया

रांची(बिभा) : 1994 बैच के भारतीय लेखापरीक्षा एवं लेखा सेवा के अधिकारी चन्द्र मौली सिंह ने प्रधान महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) झारखण्ड, राँची के रूप में 3 जनवरी 2025 को पदभार ग्रहण किया है। उन्होनें श्री राज कुमार अग्रवाल प्रधान महालेखाकार का स्थान लिया है, जिन्हें पूर्व मध्य रेलवे, हाजीपुर बिहार में महानिदेशक लेखापरीक्षा के रूप में स्थानान्तरित किया गया है। राँची से पूर्व श्री सिंह प्रधान महेखाकार (लेखा एवं हकदारी) आन्ध्रप्रदेश, विजयवाड़ा के रूप में जुलाई 2022 से तैनात थे। पूर्व में इन्होंने नागपुर, पटना, राजकोट, नई दिल्ली, राँची इत्यादि कार्यालयों में विभिन्न पदों (सहायक महालेखाकार, उप महालेखाकार, प्रधान महालेखाकार) पर अपना योगदान दिया है। इसके अलावा वें डेनमार्क, न्यूयार्क, केन्या, इथियोपिया, यमन, जुबा, और सिंगापुर में संयुक्त राष्ट्र लेखापरीक्षा/दूताबास लेखापरीक्षा इत्यादि का हिस्सा रहे है। साथ ही, सुडान में भी इन्होंने 1 वर्ष तक अपनी सेवा दिया हैं।

नगर आयुक्त के निर्देश पर रांची के 7 वार्डों में गरीबों के बीच कंबल का वितरण

रांची(बिभा) : नगर आयुक्त के द्वारा रांची नगर निगम क्षेत्रांतर्गत बढ़ते ठंड से बचाव के लिए वार्डवार गरीबी रेखा से नीचे जीवन बसर कर रहे व्यक्तियों को निःशुल्क कंबल उपलब्ध कराना निर्देशित है। इस क्रम में सभी वार्ड सुपरवाइजर, सामुदायिक संगठनकताओं, नगर प्रबंधक, नगर अभियान प्रबंधक एवं सहायक प्रशासकों को इस कार्य में लगाया गया है। जिसमें प्रतिदिन वितरण का कार्य किया जा रहा है। इस क्रम में शुक्रवार को वार्ड नंबर 45, 40, 11, 15, 30, 29, 37 इत्यादि के अंतर्गत कंबल का वितरण किया गया। इसके अलावा नगर आयुक्त के निदेर्शानुसार सभी पदाधिकारियों को रात्रि में मुख्य मार्गों पर भ्रमण कर शहर में गुजर बसर कर रहे लोगों को कंबल उपलब्ध कराते हुए निकटतम आश्रय गृह में स्थानांतरित कराने का कार्य करेंगे।

स्वास्थ्य मंत्री को राजेश सिन्हा ने नववर्ष की दी बधाई

रांची(बिभा) : युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव एवं प्रदेश प्रवक्ता राजेश सिन्हा ने झारखण्ड सचिवालय के राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ0 इरफान अंसारी से मिलकर नव वर्ष की ढेर सारी शुभकामनाएं एवं बधाई दिया। साथ ही राज्य में चल रही स्वास्थ्य एवं चिकित्सा में हो रहे अच्छे कार्यों की सराहना की। इस मौक पर स्वास्थ्य मंत्री डॉ0 इरफान अंसारी जी ने भी आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मैं स्वास्थ्य एवं चिकित्सा के लिए हमेशा मुस्तैदी से खड़े हूँ।

ठंड को देखते हुए देर रात उपायुक्त ने किया शहर का भ्रमण, जरूरतमंदों के बीच बांटे कंबल

रांची(बिभा) : रांची डीसी मंजूनाथ भजंत्री 02 जनवरी को देर रात ठंड को देखते हुए रांची शहरी क्षेत्र का भ्रमण करने निकले। इस दौरान उन्होंने खादगढ़ा बस स्टैंड स्थित आश्रय गृह का निरीक्षण करते हुए आश्रय गृह में उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। बढ़ते ठंड को देखते हुए निगम के सभी आश्रय गृहों में बेड, कंबल, पेयजल इत्यादि की बेहतर इंतजाम के साथ तमाम व्यवस्था सुनिश्चित रखने का निर्देश दिया। रांची डीसी मंजूनाथ भजंत्री ने सड़को पर रात में गुजर बसर कर रहे व्यक्तियों को चिन्हित करते हुए रेस्क्यू ऑपरेशन वृहद स्तर पर चलाते हुए नजदीक आश्रय गृह में शिफ्ट करने का भी निर्देश दिया। ताकि ठंड में सड़कों पर रात में गुजर बसर कर रहे व्यक्तियों को कोई परेशानी न हो। साथ में उन्होंने जरूरतमंदों के बीच कंबल का वितरण भी किया गया। इस दौरान अपर प्रशासक रांची नगर निगम संजय कुमार एवं संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

सीएम से मिले कई आइएएस व आइपीएस अफसर

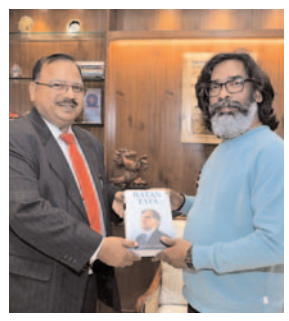

बिभा संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से आज मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में प्रधान सचिव सुनील कुमार, अपर पुलिस महानिदेशक आरके मलिक, सचिव मनीष रंजन, सचिव अबु बकर सिद्दीक, आईजी पंकज कंबोज , श्रम आयुक्त संजीव कुमार बेसरा, निदेशक रेवेन्यू भोर सिंह यादव, निदेशक उच्च शिक्षा रामनिवास यादव, निदेशक पर्यटन अंजली यादव एवं निदेशक उद्योग सुशांत गौरव ने मुलाकात कर नव वर्ष - 2025 की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री ने भी सभी को नूतन वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं दी।

मंत्रियों और सांसदों ने मुख्यमंत्री को नूतन वर्ष की दी बधाई

बिभा संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से आज मंत्री दीपक बिरुवा, मंत्री श्रीमती दीपिका पांडेय, मंत्री श्रीमती शिल्पी नेहा तिर्की, राजमहल सांसद विजय हांसदा, लोहरदगा सांसद सुखदेव भगत, खूंटी सांसद कालीचरण मुंडा, बेरमो विधायक जयमंगल सिंह, चंदनकियारी विधायक उमाकांत रजक , कांके विधायक सुरेश बैठा , पूर्व मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर एवं कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने मुलाकात की। इस अवसर पर उन्होंने मुख्यमंत्री को नव वर्ष - 2025 की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री ने भी सभी को नूतन वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं दी।

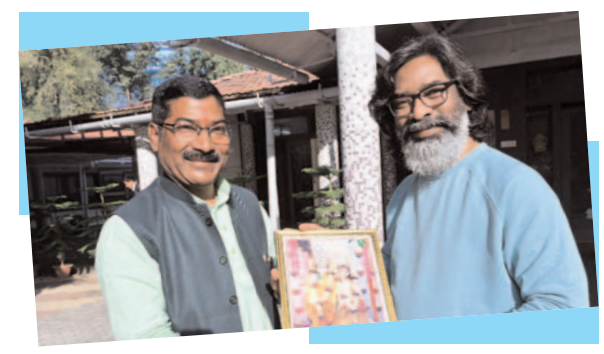

शिक्षा मंत्री कल 68वीं राष्ट्रीय स्कूली खेल प्रतियोगिता का करेंगे उदघाटन

राज्य शिक्षा परियोजना निदेशक श्री शशि रंजन ने आयोजन में मीडिया की भूमिका को बताया अतुलनीय

5 जनवरी को शाम 4 बजे विभागीय मंत्री द्वारा होगा प्रतियोगिता का उद्घाटन

नेशनल स्कूल गेम्स का थीम सॉन्ग खेलेगा इंडिया-जीतेगा इंडिया लॉन्च, दिखेगी अबतक हुए खेलो की झलक

रांची पहुंची टीमें, टीमों का हुआ परंपरागत स्वागत

थीम गीत हुआ लांच

राज्य शिक्षा परियोजना निदेशक शशि रंजन ने रांची में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय स्कूल खेल प्रतियोगिता का थीम सॉन्ग खेलेगा इंडिया-जीतेगा इंडिया को लॉन्च किया। राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी के निदेर्शानुसार बने थीम सॉन्ग के बोल एम मोदस्सर ने लिखा है, वहीं इस गीत को संगीतकार रोहन देव पाठक ने अपने सुरों से सजाया है। थीम सॉन्ग के विजुअल में अब तक राज्य में आयोजित हुए राज्य स्तरीय खेलो झारखंड प्रतियोगिता एवं राष्ट्रीय स्कूली खेल के दृश्य दिखाई देंगे।

बिभा संवाददाता

रांची : 68वी राष्ट्रीय स्कूल खेल प्रतियोगिता की मेजबानी को लेकर आज झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद के प्रेक्षागृह में राज्य शिक्षा परियोजना निदेशक शशि रंजन ने प्रेस वार्ता की। इस दौरान जेईपीसी के प्रशासनिक पदाधिकारी सच्चिदानंद दि. तिग्गा, राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी धीरसेन सोरेंग, झारखंड ओलिंपिक संघ के कोषाध्यक्ष शिवेन्द्रनाथ दुबे उपस्थित थे। इस दौरान पत्रकारों को खेल आयोजन के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गयी। राज्य शिक्षा परियोजना निदेशक शशि रंजन ने आयोजन की सफलता में पत्रकारों की भूमिका को अतुलनीय बताया। उन्होंने कहा कि दिनांक 5 जनवरी को शाम 4 बजे मोरहाबादी स्थित भगवान बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम में शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन द्वारा खेल प्रतियोगिता का उद्घाटन किया जाएगा। उद्घाटन समारोह में मंत्री के अलावा विभागीय सचिव उमाशंकर सिंह, खेल निदेशक संदीप कुमार समेत शिक्षा एवं खेल विभाग के अन्य पदाधिकारी और खेल संघो के पदाधिकारी शामिल होंगे। इस आयोजन को लेकर टीमों का रांची आना शुरू हो गया है आज और कल देश की 35 टीमें रांची आ रही है। उनके लिए आवासन और चिकित्सा सेवाओं की व्यवस्था पूरी कर ली गयी है। उन्होंने कहा कि व्यवस्था संभालने के लिए 17 समितियों को जिम्मेदारी दी गयी है। इन समितियों के कार्यो को लगातार मॉनिटर किया जाएगा। आज जिन टीमों का आगमन हुआ उनमे तेलंगाना, लक्ष्यद्वीप, आंध्र प्रदेश, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली, उत्तराउए, राजस्थान, विद्याभारती, डीएवी, हरियाणा, उत्तराखंड, छत्तीसगढ़, जम्मू कश्मीर, त्रिपुरा, केरल, दादर एंड नगर हवेली दमन, बिहार, पंजाब, ओडिशा की टीम शामिल है। रांची पहुंची देश की अन्य टीमों का परंपरागत स्वागत किया गया। लोटा पानी और झारखंड के ट्राइबल गमछे के साथ टीमों का अभिनंदन किया गया। टीम में शामिल खिलाड़ियों को पुष्प माला पहनाकर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

डीजीपी ने आईपीएस चंदन सिन्हा को बैज लगाकर किया सम्मानित

बिभा संवाददाता

रांची : डीजीपी अनुराग गुप्ता ने आईपीएस चंदन कुमार सिन्हा को बैच लगाकर सम्मानित किया है। आईपीएस चन्दन कुमार सिन्हा को पुलिस उप-महानिरीक्षक कोटि में प्रोन्नति प्रदान किया गया है। इस संबंध अधिसूचना 31 दिसम्बर को जारी की गई थी। वरीय पुलिस अधीक्षक, राँची के पद को पुलिस उप- महानिरीक्षक कोटि में उत्क्रमित करते हुए उन्हें उक्त पद पर पदस्थापित किया गया है। इस अवसर पर अनुराग गुप्ता, महानिदेशक एवं पुलिस महानिरीक्षक झारखण्ड, अमोल विनुकांत होमकर, पुलिस महानिरीक्षक (अभियान), ऋषभ कुमार झा पुलिस अधीक्षक (ए०टी०एस०) तथा अन्य पुलिस पदाधिकारी उपस्थित थे।

सरला बिरला में चौथा झारखंड स्टेट रैपिड शतरंज प्रतियोगिता का शुभारंभ

रांची (बिभा): सरला बिरला यूनिवर्सिटी के प्रांगण में चौथा झारखंड स्टेट रैपिड शतरंज प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि सरला बिरला यूनिवर्सिटी के डायरेक्टर जनरल प्रो डॉ गोपाल पाठक, विशेष अतिथि वाइस चांसलर एस बी डांडिल एवं रजिस्ट्रार विजय कुमार सिंह के द्वारा किया गया। समारोह में ऑल झारखंड चेस एसोसिएशन के उपाध्यक्ष विजय कुमार सिंह, रांची जिला शतरंज संघ के सचिव नवजोत अलंग, कोषाध्यक्ष सतीश कुमार, संयुक्त सचिव एवं टुनार्मेन्ट के मुख्य निर्णायक दीपक कुमार, टाटा स्टील के खेल प्रमुख विभूति अद्रेसा, सिन्गो मुर्मू, को-ऑर्डिनेटर प्रभात रंजन कुमार उपस्थित थे। यह टूनार्मेंट 8 चक्रों में खेला जाएगा। इसके बाद आठ चक्रों का ब्लिट्ज टूनार्मेंट खेला जाएगा जो दिनांक 4 से 5 जनवरी तक चलेगा। इस टूनार्मेंट में झारखंड के 17 जिलों के 231 प्लेयर भाग ले रहे हैं।

डीएसपीएमयू के दूसरे दीक्षांत समारोह को लेकर बैठक का आयोजन

बिभा संवाददाता

रांची : डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, रांची में कुलपति डॉ तपन कुमार शांडिल्य की अध्यक्षता में आगामी 7 फरवरी 2025 को विश्वविद्यालय के दूसरे दीक्षांत समारोह के आयोजन से संबंधित परीक्षा बोर्ड की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में आगामी 7 फरवरी को दूसरे दीक्षांत समरोह से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों पर कुलपति डॉ तपन कुमार शांडिल्य और परीक्षा बोर्ड के सदस्यों के साथ विचार विमर्श किया गया। इन विषयों में आयोजन की रूपरेखा, विद्यार्थियों लिए पंजीकरण शुल्क और एक स्मारिका के प्रकाशन पर सदस्यों के साथ विचार विमर्श किया गया। कुलपति डॉ तपन कुमार शांडिल्य ने इस बैठक में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णयों पर कहा कि, इस बैठक में यह तय किया गया कि इस आगामी 7 फरवरी को दूसरे दीक्षांत समारोह में स्नातक के सत्र 2021 से 2024 और सत्र 2020 से 2023 के विद्यार्थियों के लिए और स्नातकोत्तर सत्र 2021 से 2023 और सत्र 2022 से सत्र 2024 के विद्यार्थियों लिए उपाधि वितरण समारोह का आयोजन किया जाना है। उन्होंने कहा कि इस प्रथम बैठक में सबसे महत्वपूर्ण निर्णय यह लिया गया कि विद्यार्थियों के हित को ध्यान में रखते हुए पिछले वर्ष 2024 में आयोजित प्रथम दीक्षांत समारोह के लिए जो पंजीकरण शुल्क 800 रुपया निर्धारित किया गया था, वहीं पंजीकरण शुल्क इस बार भी निर्धारित रहेगा। उन्होंने कहा कि न सिर्फ विश्वविद्यालय विद्यार्थियों के आर्थिक हितों को ध्यान में रखता है बल्कि उनकी भावनाओं को प्राथमिकता में रखते हुए उसी पंजीकरण शुल्क के अंतर्गत प्रत्येक विद्यार्थी को दूसरे दीक्षांत समारोह से संबंधित स्मारिका को भी उपलब्ध कराएगा ताकि विद्यार्थी उसे एक स्मरण के तौर पर संजो कर रख सकें। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष 2024 और अब वर्ष 2025 में लगातार दूसरे दीक्षांत समारोह का आयोजन कर विश्वविद्यालय उपाधि वितरण में अद्यतन स्थिति को प्राप्त कर लेगा। मौके पर परीक्षा नियंत्रक ने बताया कि इस दूसरे दीक्षांत समारोह के लिए पंजीकरण की तिथि 8 जनवरी 2025 से 15 जनवरी 2025 निर्धारित की गई है। उन्होंने कहा कि जल्द ही इस पंजीकरण से संबंधित सारे चरणों से संबंधित सूचनाएं विश्वविद्यालय के पोर्टल पर आधिकारिक सूचना के द्वारा समय पर जारी कर दिया जाएगा। निर्धारित अवधि के अंदर ही विद्यार्थियों के लिए पंजीकरण करना अनिवार्य होगा। दूसरे दीक्षांत समरोह से संबंधित इस बैठक में कुलपति डॉ तपन कुमार शांडिल्य के अलावा डीएसडब्ल्यू डॉ सर्वोत्तम कुमार, मानविकी डीन डॉ अयूब, साइंस डीन डॉ आई पी गुप्ता, परीक्षा नियंत्रक डॉ आशीष गुप्ता, वित्त अधिकारी आनंद कुमार मिश्रा, डॉ धनंजय द्विवेदी, डॉ राजीव रंजन, डॉ रेखा झा, डॉ शुचि संतोष बरवार और पीआरओ प्रो राजेश कुमार सिंह उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

मानसिक स्वास्थ्य के लिए जरूरी है पूरा नींद लेना: डॉ प्रशांत कुमार मिश्रा

बोकारो/बिभा संवाददाता। बिरसा नर्सिंग कॉलेज चास बोकारो में तम्बाकू के दुष्परिणाम विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल के निर्देशक श्री शैलेश कुमार के द्वारा की गई। जिला परामर्शी मो0 असलम द्वारा सभी बच्चों को तम्बाकू के दुष्परिणाम, तम्बाकू में पाये जाने वाले जहरीले तत्व के बारे में बताया गया। जिला परामर्शी ने बच्चों को अपने चर्चा के दौरान बताया कि तम्बाकू में पाया जाने वाला नशीला पदार्थ निकोटीन से बच्चों में चिन्ता, नींद न आना, चिडचिडापन एवं अवसाद जैसे गम्भी समस्यायें हो सकती हैं। जिला परामर्शी ने बच्चों को बताया कि यदि आप तम्बाकू का सेवन करते है या आपके आसपास कोई सेवन करता है और वह तम्बाकू के लत को छोडना चाहता है और कई बार प्रयास करने पर भी नही छोड पाता है तो उसे तम्बाकू नशा मुक्ति केन्द्र सदर अस्पताल के 13 नं0 ओ0पी0डी0 में भेजें ताकि उन्हें तम्बाकू छुडाने में मदद की जा सके। स्कूल के प्राचार्य ने सभी बच्चों को बताया तम्बाकू को एक लाईन में परिभाषित करें तो तम्बाकू का मतलब बीमारियों का भण्डारा। चाहे आप इसे धुएं के शकल में लें या चबाकर खाये। यह मानव शरीर में जाकर विभिन्न प्रकार के बीमारियों को उत्पन्न करता है और फिर उस बीमारी से लोगों की मौत हो जाती है। इस लिये तम्बाकू मानव शरीर को धीरे धीरे खोखला करता है। हम सभी से अनुरोध करना चाहते है कि इस लत से बचें और एक जिम्मेदार नागरिक के नाते अपने आसपास के लोगों को भी इसके दुष्प्रभाव से अवगत कराये। कार्यक्रम में स्कूल के निदेशक शैलेश कुमार, जिला परामर्शी मो असलम तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम, आरती कुमारी मिश्रा जिला कार्यक्रम सहायक सोशल वर्कर छोटेलाल दास, विद्यालय के शिक्षक, स्टाफ व बच्चे उपस्थित थे।

अंतर्राष्ट्रीय जल रंग कार्यशाला में देश विदेश के कलाकारों का हुआ संगम

बोकारो/बिभा संवाददाता। 26 और 27 दिसंबर 2024 को देहरादून देहरादून के सुभारती विश्वविद्यालय में फाइन आर्ट्स विद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय जल रंग के कार्यशाला का आयोजन किया गया यहां कलाकारों ने अपने अनुभव साझा करते हुए विद्यार्थियों को जल रंग की बारीकियां को समझाया, इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तराखंड सरकार के कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल,प्रताप राउत संस्थापक पूर्वोदय आर्ट फाउंडेशन, काशीका आर्टिस्ट ग्रुप के अध्यक्ष डॉ.ओम प्रकाश गुप्ता एवं कार्यशाला के संयोजक संतोष कुमार और मनोज सिंह ने किया। कलाकारों को अपने कार्यशैली और तकनीक के अच्छे जानकार होने के कारण सभी राज्यों तथा देश-विदेश से आमंत्रित किया गया था, सरोज मिश्रा को भी आमंत्रित किया गया बनारस में अपने पठन-पाठन के समय से ही जल रंग शैली में सुंदर चित्रों के निर्माण करने के लिए दर्जनों से ज्यादा पुरस्कार पहले भी अलग-अलग राज्यों से प्राप्त हुआ हैं वर्तमान में श्री अय्यप्पा पब्लिक स्कूल के कला शिक्षक होने के साथ- साथ समकालीन चित्रकला में भी अपनी पकड़ बनाए हुए हैं इनके बनाए हुए चित्रों को देश विदेश के आर्ट गैलरी में देखा जा सकता है।

पारिवारिक सहायता केंद्र ने सावित्रीबाई फुले की 195वीं जयंती मनाई

बोकारो/बिभा संवाददाता। विदित हो कि पारिवारिक सहायता केंद्र के तत्वाधान में विस्थापित चौक सेक्टर 8 सी बोकारो इस्पात नगर में माता सावित्रीबाई फुले की 195 वां जयंती समारोह मदन मोहन महतो के अध्यक्षता एवं जयप्रकाश महतो के संचालन में संपन्न हुए कार्यक्रम में सर्वप्रथम माता सावित्रीबाई फुले के तस्वीर में पुष्प अर्पित कर नमन की गई तथा कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मदन मोहन महतो ने कहा पितृ सत्तात्मक समाज में बालिकाओं महिलाओं के सामाजिक उत्थान हेतु संघर्ष के साथ शिक्षा का अलख जगाने वाली रूढ़िवादी अंधविश्वास पाखंडवाद ऊंच -नीच और भेदभाव के खिलाफ महिलाओं को जागरुक करते हुए शिक्षा हेतु विद्यालय का निर्माण कर समाज में एक सामाजिक क्रांति का आगाज माता सावित्रीबाई फुले ने किया गुलाम भारत के प्रथम महिला शिक्षिका बनने का गौरव तथा मुस्लिम महिलाओं में प्रथम शिक्षिका फातिमा शेख का नाम भारत के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों से लिखा जाना चाहिए वर्तमान दौर में महिलाओं द्वारा हर क्षेत्र में क्रांति के साथ शीर्ष पदों पर आसीन होने का श्रेय माता सावित्रीबाई फुले एवं फातिमा शेख जी को जाता है पारिवारिक सहायता केंद्र, केंद्र सरकार से मांग करती है माता सावित्रीबाई फुले एवं फातिमा शेख को भारत के सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न से सम्मानित करें कार्यक्रम में प्रमुख रूप से संतोष कुमार महतोसमरेश कुमार महतो उमेश प्रसाद महतो देवरंजन कुमार धनेश्वर महतो जेपी कुमार मनोज कुमार जयप्रकाश कुमार शंकर कुमार अजीत कुमार सुधीर कुमार रिजवान अंसारी केशव नाथ प्रसाद केपी यादव एस डी प्रसाद परशुराम सिंह आकाश कुमार सिंह गोलक सिंह नारायण ठाकुर सुरेश प्रसाद महतो उपस्थित थे ।

खनन विभाग ने चलाया सघन जांच अभियान, 3 ट्रैक्टर को किया जब्त

बोकारो। गुरूवार को बेरमो थानांतर्गत बेरमो-अंगवाली दामोदर नदी घाट क्षेत्र में खनन विभाग द्वारा छापामारी अभियान चलाया गया। जिसमें अवैध रूप से बालू खनिज उत्खनन कर उठाव करते हुए 3 ट्रैक्टरों को पकड़ा गया। जिसे जप्त कर थाना लाने के क्रम में कदमाडीह ग्राम के समीप ग्रामीण महिलाओं द्वारा रोका गया एवं अपराधिक षडयंत्र रचकर उक्त ट्रैक्टरों को जबरन छुड़ा लिया गया एवं सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाई गई। जिसके आलोक में ट्रैक्टर, ट्रैक्टर के मालिक, चालक एवं अन्य संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध बेरमो थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है।

राज्यपाल ने धनबाद में आयोजित अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के रजत जयंती प्रांतीय अधिवेशन को किया संबोधित

देश और झारखंड के विकास में एबीवीपी के योगदान की राज्यपाल ने सराहना की

बिभा संवाददाता

धनबाद। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने आज धनबाद में आयोजित अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) झारखंड के रजत जयंती प्रदेश अधिवेशन में युवाओं को संबोधित करते हुए देश और झारखंड के विकास में उनके योगदान की सराहना की और प्रेरणादायी संदेश दिए।

राज्यपाल ने इस अवसर पर कहा कि अधिवेशन का यह आयोजन कई ऐतिहासिक संदर्भों से प्रेरणादायी है। भगवान धरती आबा बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती, लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती तथा एबीवीपी के शिल्पकार प्राध्यापक यशवंत राव केलकर के शताब्दी वर्ष के दौरान यह अधिवेशन झारखंड के युवाओं को नई ऊर्जा और संकल्प का संदेश देता है।

राज्यपाल ने झारखंड की स्थापना के रजत वर्ष का उल्लेख करते हुए भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी के झारखंड राज्य निर्माण में योगदान को स्मरण किया। उन्होंने कहा कि राज्य गठन संबंधी विधेयक संसद में लाया गया था तो वे आदरणीय अटल जी की सरकार में मंत्रिपरिषद के सदस्य थे और लोकसभा सांसद के रूप में उन्होंने राज्य के गठन के पक्ष में मत दिया था।

राज्यपाल ने झारखंड के 82 हजार से अधिक युवाओं के एबीवीपी से जुड़ाव का उल्लेख करते हुए कहा कि यह संख्या मात्र आंकड़ा नहीं, बल्कि राज्य के युवाओं की ऊर्जा और समर्पण का प्रतीक है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन और झारखंड को शिक्षा, रोजगार, खेल, नवाचार तथा सांस्कृतिक विकास के क्षेत्र में अग्रणी बनाने के लिए अपना योगदान दें।

राज्यपाल महोदय ने स्वामी विवेकानंद जी के विचार 'उठो, जागो और तब तक न रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए' का उल्लेख करते हुए युवाओं को निरंतर प्रयास और समर्पण का महत्व समझाया।

राज्यपाल ने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की 75 वर्षों की गौरवशाली यात्रा की सराहना करते हुए कहा कि यह संगठन न केवल राष्ट्रभक्ति का संदेश देता है, बल्कि युवाओं को उनकी सकारात्मक ऊर्जा के लिए एक दिशा प्रदान करता है।

राज्यपाल ने सभी युवाओं से आह्वान किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'आत्मनिर्भर भारत' और 'विकसित भारत @2047' के विजन को साकार करने में अपनी भूमिका निभाएं।

अमर शहीद रणधीर प्रसाद वर्मा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की

धनबाद। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने धनबाद स्थित भारतीय पुलिस सेवा के वीर अधिकारी अमर शहीद रणधीर प्रसाद वर्मा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। राज्यपाल ने कहा कि रणधीर वर्मा ने बैंक ऑफ इंडिया, हीरापुर शाखा डकैती को विफल करते हुए अपने कर्तव्य और देशप्रेम का सर्वोच्च उदाहरण प्रस्तुत किया। राज्यपालने कहा कि रणधीर प्रसाद वर्मा ने अपनी जान की परवाह किए बिना देश की सेवा के लिए जो बलिदान दिया, वह आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उनका जीवन हमें यह सिखाता है कि कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्रप्रेम किसी भी परिस्थिति में सर्वोपरि है। राज्यपाल ने कहा कि शहीद रणधीर प्रसाद वर्मा की वीरता और बलिदान धनबाद ही नहीं, पूरे देश के लिए गर्व का विषय है। उनकी पत्नी प्रो. रीता वर्मा ने भी समाज सेवा के माध्यम से उनके आदर्शों को आगे बढ़ाया है। उन्होंने लोकसभा में अपने दायित्वों का निर्वहन किया है और आदरणीय अटल जी के मंत्रिपरिषद में साथ कार्य किया है। राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री ने हमेशा बलिदानियों को राष्ट्र का गौरव बताया है। सभी को शहीद रणधीर वर्मा जी के जीवन से प्रेरणा लेकर राष्ट्रहित में अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना चाहिए। इस अवसर पर राज्यपाल ने युवाओं से आह्वान किया कि वे शहीद रणधीर वर्मा के जीवन मूल्यों को आत्मसात करें और राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाएं।

धनबाद। राज्यपाल-सह-झारखंड राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति संतोष कुमार गंगवार से आज बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय, धनबाद के कुलपति डॉ. राम कुमार सिंह ने धनबाद परिसदन में शिष्टाचार भेंट की। राज्यपाल को कुलपति ने नूतन वर्ष 2025 की हार्दिक शुभकामनाएं दीं और विश्वविद्यालय के विभिन्न शैक्षणिक व प्रशासनिक गतिविधियों से अवगत कराया।

धनबाद। राज्यपाल ने धनबाद स्थित पहला कदम स्कूल का अवलोकन किया। उन्होंने वहाँ की गतिविधियों व व्याप्त सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने इसके संचालन हेतु बधाई दी। राज्यपाल ने कहा यह संस्था अपने कार्यों से न केवल धनबाद जिले, बल्कि पूरे राज्य के लिए एक आदर्श व अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करें।

सुकन्या फाउंडेशन ने मनाया सावित्री बाई फुले की जयंती

बोकारो। आधी आबादी, आधी हक, के आवाज को बुलंद करने एवं महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के दिशा में लगातार काम कर रही सामाजिक संस्था सुकन्या सामाजिक जन सहयोग फाउंडेशन ट्रस्ट कमेटी के प्रधान कार्यालय चास में आज देश की प्रथम महिला शिक्षिका माता सावित्री बाई फुले के जयंती संस्था के संस्थापक सह सचिव अमल दास जी ने उनके छाया चित्र पर दीप प्रज्वलित एवं पुष्प अर्पित कर मनाया गया,संस्था के संस्थापक ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि माता सावित्री बाई ने अपने मेहनत एवं उनके पति के सहयोग से महिलाओं के लिए देश में पहला स्कूल खोले थे इसी लिए उनको शिक्षा के माता कहा जाता है।मौके पर जिला प्रभारी अशोक दास,उप जिला प्रभारी श्रीकांत दास,ममता देवी,रेणुका बाउरी,डिम्पल देवी,लक्ष्मी कुमारी,पविता देवी,जमुना कुमारी,के अलावे दर्जनों उपस्थित थे।

जिला स्तरीय रबी कार्यशाला सह शून्य बजट प्राकृतिक खेती का हुआ आयोजन

बिभा संवाददाता

बोकारो। जिला कृषि कार्यालय बोकारो के सभागार में जिला स्तरीय रबी कार्यशाला का माननीय जिला परिषद अध्यक्षा सुनीता देवी एवं जिला परिषद सदस्य उत्तम दास द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलित कर शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर उपस्थित सभी माननीय एवं पदाधिकारीगण का स्वागत मो. शाहिद, जिला कृषि पदाधिकारी द्वारा किया गया। इस अवसर पर जिला कृषि पदाधिकारी, बोकारो द्वारा विभाग में संचालित योजनाएं जैसेः- किसान समृद्धि योजना, मिट्टी नमूना संग्रह, बिरसा फसल विस्तार योजना, बीज विनिमय एवं वितरण योजना, झारखण्ड कृषि ऋण माफी योजना, किसान क्रेडिट कार्ड योजना, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, पी0 एम0 किसान योजना, लीफ कलर चार्ट योजना, बीज परीक्षण आदि योजनाओं के बारे में किसानों को जानकारी दी गई। केवीके के कृषि वैज्ञानिक डॉ.अनिल कुमार सिंह द्वारा पावर प्वांइट प्रजेंटेशन के द्वारा शून्य बजट प्राकृतिक खेती के बारे में किसानों को अवगत कराया गया। मुख्य अतिथि द्वारा अधिक-से-अधिक किसानों को सरकार की योजनाओं से जोड़ने का निर्देश दिया गया। सभी किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना का लाभ देने हेतु मिट्टी नमूना संग्रह करने पर जोर दिया गया। साथ ही धान अधिप्राप्ति योजना अन्तर्गत 15000 नये किसानों का निबंधन ई-उर्पाजन पोर्टल पर कराने पर बल दिया गया। इस कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में सुनिता देवी अध्यक्षा जिला परिषद, बोकारो, उतम दास सदस्य जिला परिषद चनदनकियारी, जिला कृषि पदाधिकारी बोकारो मो शाहिद, जिला उधान पदाधिकारी अमर लकडा सहित सैकडो लोगो ने भाग लिया।

डीएवी- 6 में विद्यार्थियों को सीखने की विधियाँ बताई गई

बिभा संवाददाता

बोकारो। डी ए वी पब्लिक स्कूल सेक्टर 6 में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड दशवी के छात्रों को विद्यालय की प्राचार्य महोदया ने सफलता पाने के विभिन्न विधियों को बताया। स्पेस्ड लर्निंग पढ़ना व अभ्यास करना, फेमेन तकनीक स्वयं पढ़ो और पढ़ाओ, पर्किनसन्स लॉ व समय प्रबन्धन आदि विषयों पर ध्यान देने के लिए कहा। कक्षा दसवीं के विद्यार्थियों को बोर्ड परीक्षा में उत्तम परीक्षा परिणाम प्राप्त करने हेतु अनेक टिप्स दिए गए। विद्यार्थी वार्षिक परीक्षा के दरम्यान छोटे-छोटे नोट्स बनाकर खुद तैयारी करें ,पठित विषय वस्तु को बार-बार अभ्यास करें , समय नियंत्रण पर विशेष ध्यान रखें , समय सीमा के अनुसार सभी विषयों की पढ़ाई करें और बार-बार सैंपल पेपर पर आधारित प्रश्नाभ्यास आवृत्ति करें। अधिकतम अंक पाने के लिए परिश्रम करना आवश्यक है तथा अपने खान-पान पर भी विशेष ध्यान रखना जरूरी में पूर्ण नींद ले। विद्यालय की प्राचार्या महोदया अनुराधा सिंह ने तनाव से दूर रहकर कठिन परिश्रम करने के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित किया। इस कार्यक्रम में दसवीं कक्षा के विद्यार्थी मौजूद थे।

मिनी संत जेवियर स्कूल में मनाई गई सावित्री बाई फुले की जयंती

बिभा संवाददाता

बोकारो। देश की प्रथम महिला शिक्षक सावित्री बाई फूलों जी की जयंती सेक्टर 12 मिनी संन जेवियर स्कूल मैं मनाई गई जहां स्कूल की संस्थापिका धर्मशिला त्रिपाठी ने उनके तैल चित्र पर पुष्पांजलि कर कहां की आज के समाज में सावित्रीबाई फुले जैसी समाज सुधारक महिला की जरूरत है वही बोकारो विकास फोरम के अध्यक्ष अनिल सिंह ने कहा कि सावित्रीबाई फुले जिनकी जयंती मनाने हम लोग आए हैं पहली महिला शिक्षक जिन्होंने भारत में पहली बार महिलाओं का स्कूल अंग्रेजी हुकूमत में खोलकर महिला सशक्तिकरण महिला सम्मान अधिकार की लड़ाई लड़ इस देश की सभी महिलाओं को शिक्षित करने का काम किया ऐसी महान वीरांगनाओं को हम सच्ची श्रद्धांजलि तभी दे पाएंगे जब हम समझ में महिलाओं के ऊपर हो रहे अत्याचार और जुल्म के खिलाफ लड़ाई लड़ने के लिए आगे आएंगे मैं देश के शिक्षा मंत्री से मांग करता हूं कि सीबीएसई बोर्ड एवं राज्य सरकार बोर्ड के सभी इतिहास के सिलेबसों में सावित्रीबाई फूलों की जीवनी पढ़ना अनिवार्य करें ताकि हमारी नई जनरेशन उनके सिद्धांत और विचारों पर अमल कर नए समाज का निर्माण कर सके कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित थे नितेश मिश्रा, विनय कुमार सिन्हा, बबीता, आशा, रशिय, सुशीला, राखी, प्रीती, प्रतिभा, सुमन, सुषमा, शिशिर, जयशंकर, पूजा, सुमन, प्रतिभा, अमरनाथ लाल दास मौजूद रहे।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत एक घायल

बोकारो। पेटरवार थाना क्षेत्र के सदमा कला पंचायत के ग्राम पोरदाग में एन एच 23 स्तिथ छोटा नागपुर कोल्ड स्टोर के निकट बृहस्पतिवार के देर रात 9 बजे अज्ञात वाहन के चपेट में आने से बाइक पर सवार केवट टोला निवासी नीतीश साव 18 वर्ष की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। वहीं परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल हो गया। जबकि अन्य दो युवक न्यू बस स्टैंड निवासी दीपक साव 24 वर्ष एवं विक्की साव 21 वर्ष गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना का अंजाम देकर अज्ञात वाहन भाग ने में सफल रहा। घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने एन एच 23 को लगभग दो घंटे जाम कर दिया। जिसके कारण वाहनों की लंबी कतार लग गया। वही अधिकारियों जनप्रतिनिधियों एवं समाजसेवी रितेश कुमार सिन्हा के बीच परिजनों से वार्ता के बाद जाम को हटाया गया।

बोकारो सेल हाफ मैराथन 2025: 2 फरवरी को होगी दौड़, 4 हजार प्रतिभागियों का लक्ष्य

बिभा संवाददाता

बोकारो। बोकारो सेल के तत्वाधान मे आगामी दो फरवरी को हाफ मैराथन दौड़ आयोजित किया जायेगा. इसकी जानकारी सेक्टर 4 स्थित कुमार मंगलम स्टेडियम मे आयोजित प्रेस कांफ्रेस को सम्बोधित करते हुए सेल अधिकारीयों ने बताया की एक्टिव बोकारो हैल्थी बोकारो के नियत से यह कार्यक्रम सेल द्वारा आयोजित किया जा रहा है. इसमें 21 किलोमीटर तक का मैराथन दौड़ शामिल है. उन्होंने कहा की रजिस्ट्रेशन शुरू है, अबतक 600 से अधिक प्रतिभागियों ने रजिस्ट्रेशन करवाया है. इस बार 4 हजार प्रतिभागियों का लक्ष्य निर्धारित किया है. 21 दिसंबर से रजिस्ट्रेशन शुरू है जो 20 जनवरी तक होगा. उन्होंने बताया कि राज्य से बाहर के लोग भी मैराथन मे भाग लेंगे, पिछले बार भी कई राज्यों के प्रतिभागी भाग लिए थे. इसमें 2 किमी, 5किमी, 10किमी, और 21 किमी का मैराथन शामिल है. मैराथन मे भाग लेने के लिए रजिस्ट्रेशन फीस 100 रूपये निर्धारित किये गए है. उन्होंने कहा कि भारत का एकमात्र ग्लोबल एक्टिव पार्टनर सिटी बोकारो है,AIMS सर्टिफाइड रन है,बोकारोवासियो को स्वस्थ रखने मे भी यह सहायक होगा. प्रतिभागियों को पुरसस्कृत किया जायेगा.सभी प्रतिभागियों के लिए सभी तैयारियां पूरी की जा चुकी है, रास्ते मे पेयजल, मेडिकल टीम, वोलेटियर आदि भी तैनात रहेंगे. मौके पे कुंदन कुमार सीजेएम नगर सेवा, मणिकांत धान संचार प्रमुख सेल, कृष्ण चंद्र जीएम, सुभाष रजक मौजूद रहे।

रोजगार के मुद्दों पर विधायक श्वेता सिंह ने सेल चेयरमैन से की वार्ता

बिभा संवाददाता

बोकारो। बोकारो विधायक श्वेता सिंह और किमश नेता संग्राम सिंह ने सेल के चेयरमैन अमरेंदु प्रकाश से विधानसभा क्षेत्र में व्याप्त जनसमस्याओं को लेकर वार्ता की। इस अवसर पर श्वेता सिंह एवं संग्राम सिंह ने सर्व प्रथम बोकारो वासियों के तरफ से नए वर्ष की शुभकामना दी साथ ही जनहित में लंबित अहम 20 सूत्री बिंदुओं पर चर्चा किया। वर्तमान समय में बोकारो स्टील प्लांट के विस्तारीकरण की प्रक्रिया में सक्रियता बढ़ाने के संदर्भ में बात हुई और बोकारो की जनता के हित में आवाज उठाते हुए श्रीमती सिंह ने कहा कि प्रबंधन को जनता के रोजगार हित में कब से कार्य शुरू होगा। सेल बोकारो स्टील प्लांट की ग्रीन फील्ड परियोजना जिससे कि प्लांट का उत्पादन 12 मिलियन टन पहुंचेगा जिसके कारण राज्य सरकार और केंद्र सरकार के साथ साथ क्षेत्र की जनता के लिए भी रोजगार और विकास का लाभ सुनिश्चित होगा यह कार्य कब तक शुरू होगा और कब तक यह कार्य धरातल पर उतरेगा।इस कार्य को धरातल पर उतारने के लिए अभी तक क्या प्रतिक्रिया हुई है इसे जनता के बीच में साझा करे।

बोकारो स्टील प्लांट प्रबंधन का बोकारो एयरपोर्ट कब से शुरू होगा अगर विलंब है तो क्या कारण है।बोकारो सेल प्रबंधन जल्द से जल्द एयरपोर्ट ऑथोरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड को एयरपोर्ट के संचालन हेतु जो राशि का भुगतान करना है इसे कब तक किया जाएगा ज्ञात हो कि राउरकेटा सेल प्रबंधन द्वारा वहा निर्मित एयरपोर्ट का राशि एयरपोर्ट ऑथोरिटी ऑफ इंडिया को भुगतान कर दिया गया है जहां जनता के लिए विमान सेवा अब शुरू होने जा रही है। इन सभी मामलों को जनता के बीच पहुंचाने का कार्य करे और जल्द से जल्द जनहित में एयरपोर्ट को शुरू करवाए।

बोकारो स्टील प्रबंधन एवं झारखंड प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के सांझा पहल पर इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम बनाने की बात थी लेकिन वर्तमान समय तक यह कार्य धरातल पर नहीं उतर पाया है अगर यह कार्य करने के लिए झारखंड प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन तैयार नहीं है तो यह जमीन राज्य सरकार को दिया जाए राज्य सरकार इसको प्राथमिकता में रखते हुए यह कार्य जल्द से जल्द जनता के हित में धरातल पर उतारने के लिए सकारात्मक पहल सुनिश्चित करेगी।

श्रीमती सिंह ने कहा कि एक तरफ जहां राज्य की महागठबंधन की सरकार पुनः बोकारो को एक विकसित मानचित्र पर लाने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं जहां राज्य सरकार ने बोकारो को एक मेडिकल कॉलेज और इंजीनियरिंग कॉलेज बनवा रही हैं ऐसे सकारात्मक पहल बोकारो स्टील प्रबंधन भी यहां के रैय्यत और विस्थापित लोगों के हितों में पहल कर सकती है जैसे यहां शहर के अंतर्गत खाली पड़ी जमीनें यहां के विस्थापित और व्यावसायिको को आवंटित किया जाए। श्रीमती सिंह ने कहा कि बोकारो सेल प्रबंधन बोकारो के इंडस्ट्रियल एरिया को सुदृढ़ करने के लिए एक आनुषंगिक इकाई का गठन करे जिससे कि सेल के द्वारा कलर कोटेड शीट एवं अन्य फिनिश्ड प्रोडक्ट का उत्पादन करने में यहां की इंडस्ट्री को प्राथमिकता दे जिससे कि व्यापार और रोजगार दोनों में वृद्धि होगी और मजदूर वर्ग सम्पन्न बनेगा। श्रीमती श्वेता सिंह ने कहा कि सेल प्रबंधन यहां की जनता के जनभावना को समझे और बोकारो के विकास में राज्य सरकार का हृदय खोल कर साथ दे ताकि बोकारो का परचम भारत ही नहीं पूरे विश्व में लहराएगा।

बिजुलिया में निशुल्क नेत्र जाँच शिविर का आयोजन

बिभा संवाददाता

बोकारो। चास प्रखण्ड पंचायत बेलुंजा स्थित अमर शक्ति मेमोरियल स्कूल उसरडीह बिजुलिया में लोकेश्वरानंद आई फाउंडेशन पाड़ा पुरुलिया के द्वारा निशुल्क नेत्र जाँच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सह विधालय के चैयरमेन अंबिका खावास ने किया। कहा शरीर में आंख एक महत्वपूर्ण अंग है। आंख के बिना संसार अंधकार है। आंख की सुरक्षा के लिए समय समय पर जांच करना अतिआवश्यक है। शिविर में 30 महिला-पुरुष की जांच कर निशुल्क चश्मा व दवा दिया गया। वहीं 10 लोगों को आई अस्पताल में मोतीयाविंद के अपरेशन के ले जाया गया। जांच डा०अर्मीता साहा, जीएन एम चंदा महतो, निलिमा महतो, चिनमय प्रमाणिक ने किया। शिविर की सफलता केलिए समाज सेवी रणजीत खावास, डा० प्रबीर खावास, अभिजित खावास, अशौक कुमार, अनुराग खावास, हिलीप राय, राजेश राजवार, एच के राय आदि लोग का सराहनीय योगदान रहा।

संक्षिप्त खबरें

सोनाहातु क्षेत्र में हाथियों के झुंड ने घर गिराया एवं फसलों को बर्बाद किया

सोनाहातु/बिभा संवाददाता। प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न गांव में बीती रात 50 की संख्या में आये जंगली हाथियों के झुंड ने जमकर उत्पाद मचाया है कहीं घर को गिराया तो कहीं किसानों के कई एकड़ में लगे मौसमी सब्जी लौकी, आलू को मन भर खाया फिर पैरों तले रौंदकर बर्बाद कर दिया तो कहीं किसी के खलियान में रखें धान को पूरी तरह खाया। बिरदीडीह के देवेंद्र नाथ महतो के घर को गिराया एवं दुबरू हजाम के घर के चाली को गिराया एवं घर में रखे धान को खाया। घरवालों का कहना है कि किसी तरह जान बचाने में सफल रहे। काफी मशक्कत के बाद घर से दूर भगाने में सफल रहे। वहीं सुरेंद्र नाथ महतो, सहदर महतो के धान को जी भर खाया एवं नष्ट किया। डिबाडीह गांव के सृस्टिधर प्रजापति, गणेश कुम्हार, राधाकृष्ण महतो, केशव महतो, नरेन महतो, रशो कुम्हार के के लौकी एवं आलू के सब्जी को पूरी तरह बर्बाद किया। बनडीह के अजीत महतो, दीनबंधु महतो, सुरेश महतो, खिरोधर महतो, तेजू मुंडा, शंभू नाथ सिंह मुंडा, निर्मल प्रमाणिक, वीरेन महतो, इंद्रदेव महतो, साहेब प्रमाणिक, ब्रजेश महतो आदि के लौकी आलू एवं धान के फसल को मनभर खाया एवं बर्बाद किया। वहीं जाड़ेया के सुबल महतो के आलू को पैरों तले कुचलकर पूरी तरह बर्बाद कर दिया। बता दें कि बहुत दिनों से जंगली हाथियों के झुंड क्षेत्र में नहीं प्रवेश करने के कारण गांव का माहौल पूरी तरह शांत था लेकिन फिर से जंगली हाथियों का झुंड गांव की ओर रुक कर चुका है। वन विभाग के अधिकारी रातभर जंगली हाथियों के झुंड को एक सुरक्षित स्थान पहचाने में लगे रहे, लेकिन असफल रहे। किसानों का कहना है कि हमारे जितने भी मौसमी सब्जी लौकी, आलू एवं धान के फसल बर्बाद हुए हैं सभी का एक उचित मूल्यांकन कर तत्काल मुआवजा देने का कोशिश करें।

मुरहू में सड़क सुरक्षा माह अंतर्गत चलाया गया वाहन परिचालन जागरूकता

खूँटी/बिभा संवाददाता। जिले में हो रही लगातार सड़क दुर्घटना को देखते हुए शुक्रवार को सड़क सुरक्षा प्रबंधक निशांत रौशन ने मुरहू थाना क्षेत्र में स्थानीय थाना प्रभारी के साथ मिलकर सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम चलाया। इस दौरान सड़क सुरक्षा प्रबंधक निशांत रौशन ने बताया कि सड़क सुरक्षा माह अंतर्गत यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले चालकों को यातायात नियमों की जानकारी दी गई। वहीं सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य से जिला के सभी थाना अंतर्गत वाहन जाँच एवं जागरूकता अभियान का आयोजन किया जा रहा है। इस क्रम में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले लोगों को गुलाब दे कर यातायात नियमों का पालन करने हेतु प्रेरित किया गया। लोगों को बताया गया कि वाहन से संबंधित सभी कागज दुरुस्त रखे तथा वैध लाइसेंस के साथ ही वाहन का परिचालन करें। सड़क दुर्घटना की जानकारी मिलने पर पीड़ित की मदद करें। इस दौरान मुरहू थाना प्रभारी, जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक निशांत रौशन एवं अन्य कर्मी उपस्थित थे।

करोड़ों की अफीम फसल नष्ट, वन विभाग की कारवाई से खेती करने वालों में दहशत

चंदवा/बिभा संवाददाता। वन विभाग ने दस से बारह एकड़ में लगी करोड़ों रुपए की फसल को दो ट्रैक्टर की मदद से नष्ट कर दिया, चंदवा के वनपाल लव कुमार झा को गुप्त सूचना मिली कि आमझरिया घाटी के नीचे हुटाप पंचायत के तोड़ार टोला में वन विभाग की जमीन पर अवैध तरीके से अफीम की खेती किए जाने की खबर मिली,वनपाल ने इस खबर को अपने आला अधिकारियों से साझा कर फसल को नष्ट करने को लेकर आदेश मांगा,आदेश मिलते ही सुरक्षा के मद्देनजर चंदवा थानेदार रणधीर सिंह से पुलिस मदद लेकर अफीम की खेत में जाकर उसे नष्ट करने का अभियान शुरू किया,पुलिस के जवान और वन विभाग के लोगों ने दो ट्रैक्टर की मदद से अफीम की लगी फसल को जोत कर नष्ट कर दिया, इस क्षेत्र में विगत वर्ष भी थोड़ी बहुत खेती की गई थी,लेकिन इस बार भारी पैमाने पर इसकी खेती की गई,लेकिन वन और पुलिस ने दो नंबरी लोगों के मंसूबे पर पानी फेर दिया, लातेहार जिला के बालूमाथ,हेरहंज,बारियातू और चंदवा थाना क्षेत्र में अनुमानित लगभग तीन से चार हजार करोड़ का अफीम की खेती होती है,इसके तार दूसरे राज्यों से भी जुड़े है,कई बार पुलिस की तफ्तीश से ही पता चला है, इस अभियान में चंदवा थानेदार रणधीर सिंह और पुलिस बल,वन विभाग के अनिल कुमार,उमेश रजक,राजू भगत समेत कई लोग मौजूद थे।

विधायक के उपस्थिति में बुजुर्ग महिलाओं ने किया कई विकास योजनाओं का शिलान्यास

सिल्ली/बिभा संवाददाता। विधायक अमित महतो के उपस्थिति में जिला अनाबद्ध योजना अंतर्गत राहे प्रखंड के महेशपुर शिवटंगरा में खुला शेड व शौचालय का शिलान्यास मो0 पैदो वाला देवी, गोमदा में गार्डवाल निर्माण का मो0 सुतवा देवी व बुढ़ाडीह में जिला परिषद मद से पीसीसी पथ निर्माण कार्य का शिलान्यास मो0 रोहिणी देवी ने किया। इस अवसर पर विधायक ने कहा जनता कामों का सूची बनाये निश्चित रूप प्राथमिकता के आधार पर उन कार्यों पूरा करने का प्रयास करूंगा। श्री महतो ने आगे कहा की कई बड़ी योजनाएं है जो मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मिलकर धरातल पर उतारने का प्रयास कर रहा हूं। राहे जिप सदस्य बादल महतो ने कहा बुढ़ाडीह गांव में आजादी के इतने बर्षो बाद पहली बार पीसीसी पथ का निर्माण किया जा है। वही गांव में पहली बार पीसीसी पथ का निर्माण होने से गांव के लोगों में काफी ख़ुशी देखी गई।

उपायुक्त की अध्यक्षता में एनसीओआरडी की बैठक सम्पन्न

नारकोटिक ड्रग्स पर कार्यशाला का आयोजन, दी गई विशेष जानकारी

बिभा संवाददाता

खूंटी। समाहरणालय स्थित सभागार में उपायुक्त लोकेश मिश्रा की अध्यक्षता में नार्को समन्वय केंद्र की बैठक की गई। बैठक में उपायुक्त द्वारा मादक द्रव्य पदार्थों के नियंत्रण हेतु विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गई। बैठक में पुलिस विभाग एवं एनसीओआरडी से संबंधित अधिकारियों द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदनों के सभी बिंदुओं की समीक्षा की गयी। साथ ही संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये गये। बैठक में थाना प्रभारी व अंचल अधिकारी द्वारा आपसी समन्वय के साथ अपने संबंधित क्षेत्र में हो रही अवैध अफीम की खेती एवं मादक द्रव्य पदार्थों को चिह्नित कर उसे नष्ट करने हेतु विशेष अभियान चलाने का निर्देश दिया गया। साथ ही जिले की सीमाओं एवं विद्यालयों के आस पास के क्षेत्रों में विशेष निगरानी को लेकर निर्देशित किया गया। अवैध अफीम की खेती के विरुद्ध अभियान चलाने के क्रम में वैकल्पिक कृषि को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सभी अंचल अधिकारी को लोगों को जागरूक करने के निर्देश दिया गया। बैठक में उपायुक्त ने छापेमारी एवं अन्य कार्रवाई सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि हमे नशा मुक्ति अभियान प्राथमिकता के आधार पर चलाते हुए निरंतर कार्रवाई जारी रखने की आवश्यकता है। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि इस दिशा में आवश्यक रूप से छापामारी अभियान चलाया जाए, साथ ही दोषियों के विरुद्ध त्वरित एवं विधि-सम्मत कार्रवाई सुनिश्चित की जाय। वैकल्पिक खेती हेतु लोगों को प्रेरित करें। जन प्रतिनिधियों से भी सहयोग करने का अपील किया गया। जिला कृषि पदाधिकारी को वैकल्पिक खेती हेतु मिट्टी एवं क्षेत्र के अनुसार स्थानीय लोगों की रूचि को ध्यान में रखकर योजना तैयार करने का निर्देश दिया गया। इस दौरान एक कार्यशाला का भी आयोजन कर नारकोटिक ड्रग्स और साइकोट्रोपिक सब्सटेंस अधिनियम से संबंधित मामलों पर विशेष जानकारी दी गई। कार्यशाला का संचालन जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश संजय कुमार के मार्गदर्शन में किया गया। इस अवसर पर न्यायाधीश संजय कुमार ने अधिकारियों को एनडीपीएस मामलों से संबंधित कानूनी प्रावधानों, साक्ष्य संकलन, और केस प्रबंधन में सुधार हेतु महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने एनडीपीएस अधिनियम के तहत जांच और अभियोजन प्रक्रिया को प्रभावी बनाने के लिए दिशा निर्देश साझा किए। सभी ने न्यायाधीश की बातों को ध्यानपूर्वक सुना और अपने अनुभव साझा किए। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक, डीएफओ, अपर समाहर्ता, एसडीओ, एसडीपीओ, एनसीओआरडी के पदाधिकारी, कार्यपालक दंडाधिकारी, सभी थाना प्रभारी, सभी अंचल अधिकारी एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

कालीचरण मुण्डा ने हेमंत सोरेन को नये वर्ष की दी बधाई

बिभा संवाददाता

खूँटी। नव ईशा वर्ष की शुभकामना देने खूँटी सांसद कालीचरण मुंडा ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के राँची स्थित उनके आवास पहुँचे। मौके पर उन्होंने गुलदस्ता सौंपते हुए नववर्ष की शुभकामनाएँ दी। कालीचरण मुंडा ने हेमंत सोरेन पर विश्वास जताते हुए कहा कि मुझे पूरा भरोसा है कि आपके नेतृत्व में झारखंड तरक्की की बुलंदियों को छू लेगा। राज्य के विकास और सफलता के कई आयाम सरकार के पाँच वर्षों के कार्यकाल में लिखे जाएंगे।
सांसद ने मुख्यमंत्री से खूँटी लोकसभा क्षेत्र अंतर्गत तमाड़ और खरसावां विधानसभा क्षेत्र के पिछड़े इलाकों की समस्याओं को लेकर चर्चा की। सांसद ने सीएम से कहा कि इन दोनों विधानसभा क्षेत्रों के पिछड़े इलाकों का विकास पर अत्यंत जरूरी है। सीएम ने सांसद को भरोसा दिया कि पिछड़े इलाकों के विकास को प्राथमिकता दी जाएगी।
सांसद कालीचरण मुंडा ने सीएम से मुलाकात के दौरान खूंटी लोकसभा क्षेत्र की योजनाओं को स्वीकृति देने के लिए एक पत्र सौंपा। जिसमें रांची-सिमडेगा पथ पर स्थित उरमी से गोविंदपुर रेलवे स्टेशन भाया गोविंदपुर 15 किमी लंबी सड़क और कारो नदी पर पुल का निर्माण, एनएच 33 (राँची-जमशेदपुर सड़क) पर स्थित सलगाडीह से जामड़ी तक 16.2 किमी लंबी सड़क और राजा बाजार से लेबेद के बीच करकरी नदी पर उच्च स्तरीय पुल निर्माण की योजनाएँ शामिल हैं।

सदर अस्पताल रामगढ़ में हुआ डायलिसिस सेन्टर का शुभारंभ

बिभा संवाददाता

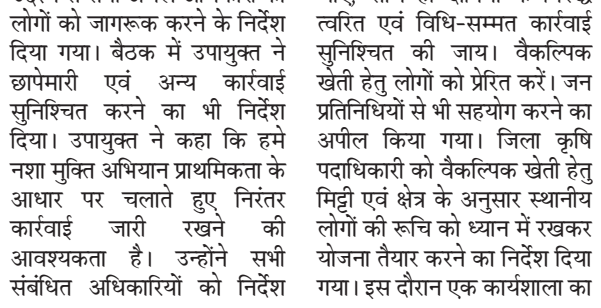

रामगढ़। रामगढ़ के आम जनों के लिए डायलिसिस बहुत बड़ी समस्या बनी हुई थी जिसका शुक्रवार को सदर अस्पताल रामगढ़ में डायलिसिस सेन्टर का शुभारंभ होने से काफी राहत मिलेगी। डायलिसिस सेन्टर का उद्घाटन सह शुभारंभ सांसद मनीष जयसवाल, विधायक ममता देवी, 20 शुत्री अध्यक्ष दिनेश मुण्डा, जिला परिषद अध्यक्ष सुधा चौधरी, उप विकास आयुक्त रोबिन टोप्पो, सिविल सर्जन डॉ० महालक्ष्मी प्रसाद एवं उपाधीक्षक डॉ० ठाकुर मृत्युंजय कुमार सिंह के द्वारा संयुक्त रूप से सदर अस्पताल रामगढ़ के परिसर में किया गया। सांसद मनीष जयसवाल ने कहा कि डायलिसिस एक ऐसा प्रक्रिया है कि इसे सप्ताह में 2-3 बार किया जाता है जिसमें काफी खर्च होता है और ये खर्च गरीबो के लिए वहन कर पाना संभव नहीं है। सदर अस्पताल रामगढ़ में डायलिसिस सेवा की शुरूआत एक अच्छी पहल है जो हर गरीब के लिए संभव हो पायेगा। विधायक ममता देवी ने कहा कि नव वर्ष के आगमन के साथ ही रामगढ़ जिला-वासियो को यह सौगात मिला। उन्होने कहा कि इसके बेहतर संचालन के लिए प्रशिक्षित चिकित्सक एवं तकनिशियन तथा अन्य सहयोगी मानवबल भी रखा जाना चाहिए साथ ही उन्होने सबसे सहयोग की भी अपील की। सिविल सर्जन रामगढ़ के द्वारा बताया गया कि हर वर्ग के लोगों को यह सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि डायलिसिस सेवा 24X7 चलाई जायेगी परन्तु अभी ये सिर्फ दिन में चलाया जायेगा। उप विकास आयुक्त ने कहा कि डायलिसिस सेवा के सूचारू रूप से संचालन के लिए जिला प्रशासन भी हर संभव सहयोग करेगा ताकि जिले कि आम जनता का यह सेवा आसानी से उपलब्ध हो सके। सदर अस्पताल रामगढ़ में संचालित होने वाले इस डायलिसिस सेन्टर में BPL एवं आयुष्मान में मरीजों को निःशुल्क उपचार किया जायेगा तथा अन्य मरीजों को सरकारी दर पर डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध रहेगी।

शहीद हवलदार वॉल्टर गुड़िया को सीआरपीएफ ने दी श्रद्धांजलि

खूँटी। लोगों के दिलों में देशभक्ति की भावना को बढावा देने और देश की रक्षा के खातिर अपने प्राणों की आहुती देने वाले शहीद नायकों की वीरता व बलिदान का सम्मान करने के कड़ी में 94 बटा. केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, खूंटी (झारखण्ड) द्वारा शुक्रवार को तोरपा जिला. खूंटी (झारखण्ड) में शहीद हवलदार/जीडी वाल्टर गुडिया के शहादत दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शहीद हवलदार/जीडी वाल्टर गुडिया हमारे देश के खातिर आज ही के दिन यानि 03 जनवरी 1988 को शहीद हो गये थे। पंजाब राज्य में तैनाती के दौरान उग्रवादीयों की गतिविधियों को रोकने के लिए दिनांक. 03 जनवरी 1988 को गांव-भिकिविन्ड, जिला. तरनतारन (पंजाब) में उग्रवादीयों के द्वारा किये गये अम्बुश के दौरान वीरतापूर्वक लडते हुए अपने कर्तव्यों का निर्वहन एवं देश की रक्षा के खातिर उन्होंने अपने प्राणों की आहुती दी है।

मरंग गोमके के जन्म दिवस पर टकरा में विधायकों समेत अनेक नेताओं किया नमन

बिभा संवाददाता

खूँटी। प्रखंड क्षेत्र के टकरा गांव में मरंग गोमके स्व. जयपाल सिंह मुंडा का 122 में जन्मदिवस पर क्षेत्र के सांसद कालीचरण मुण्डा, खूँटी विधायक रामसूर्या मुण्डा, तोरपा विधायक सुदीप गुड़िया सहित अनेक लोग पहुंचे। इस दौरान स्व जयपाल सिंह मुण्डा के कब्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस दौरान लोगों ने उनके कृत्यों को याद किया मौके पर , सुदीप गुड़िया ने कहा कि जयपाल सिंह मुंडा न केवल जनजातीय समुदाय के लिए जननायक थे बल्कि झारखंड अलग राज्य की स्थापना की मांग के लिए एक क्रांतिकारी महापुरुष थे। उन्होंने हॉकी खेल के माध्यम से देश की पहचान दिलाई। सुदीप गुड़िया ने कहा कि यहाँ विकास और भी बाकी है। जहाँ के लोगों को रोजगार और शिक्षा के लिए उच्च विद्यालय की व्यवस्था हो इसकी मांग की जाएगी। इस दौरान, मगन मंजीत तिड़ू, सनिका मुण्डा, आदि अनेक लोगे साथ थे।

लोहरदगा के लाल देवेन्द्र कुमार ने जिलेवासिओं को किया गौरवान्वित

बिभा संवाददाता

लोहरदगा। महाबीर चौक निवासी स्व. प्रतिभा अग्रवाल एवं स्व. विधान चन्द्र अग्रवाल के पुत्र एवं स्व. किशुन लाल के पौत्र देवेन्द्र कुमार (रवि) भारत सरकार, गृह मंत्रालय से संबंधित सशस्त्र सीमा बल में द्वितीय कमान अधिकारी एसपी के पद पर क्षेत्रक मुख्यालय, श्रीनगर (जम्मू और कश्मीर) में पदस्थापित थे। इनके कार्यों एवं अनुभवों के आधार पर दिनांक 01 जनवरी 2025 को इन्हें कमाण्डेंट एसएसपी के पद पर पदोन्नति किया गया है। और उनके द्वारा पूर्व में भी देशहित व समाज हित के कार्यों जैसे कि उत्तर प्रदेश व मध्य प्रदेश में आई भीषण बाढ़, 2016 के कानपुर रेल दुर्घटना तथा महाकुंभ में किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए इन्हें प्रधानमत्री जीवन रक्षा पदक हेतु नामित तथा एनडीआरएफ के महानिदेशक के पदक से सम्मानित किया गया है। वर्तमान में उनको 14वीं बटालियन श्रीनगर में पदस्थापित किया गया है। यह जिलेवासिओं के लिए गर्व का विषय है।

मांडर बियारखो नदी में मकर संक्रांति मेले की तैयारी शुरू

मांडर। प्रखंड अंतर्गत प्रसिद्ध धार्मिक स्थल बियारखो धाम मे 14 जनवरी को होने वाले मेले व कीर्तन के आयोजन को कमिटी ने बैठक का आयोजन किया । बैठक मे मेले के सफल आयोजन को लेकर विचार विमर्श किया गया। इस दौरान इस दौरान समिति के अध्यक्ष प्रदीप महली ने बतलाए कि इस बार 14 जनवरी 2025 को ही सूर्य मकर राशि में प्रवेश कर रही है। इसीलिए मकर संक्रांति मेला का आयोजन 14 जनवरी को ही किया जाएगा। मकर संक्रांति पूजा सह मेला में मांडर, रांची के विभिन्न गांव के कीर्तन मंडली एवं गण मान्य लोगों को आमंत्रित किऐ जाएंगे। मौके पर प्रदीप महली , सचिव त्रिपुरारी तिवारी ,संयोजक क्लेश सिंह, सह सचिव अरुण मिश्रा, उपाध्यक्ष सुरेश लोहार ,सदस्य अजीत सिंह, धर्मेंद्र सिंह, बजरंग लोहरा व अन्य उपस्थित थे।

मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने क्षेत्र के लोगों के साथ की बैठक, जरूरतमंदों के बीच कंबल भी बांटा

बिभा संवाददाता

चान्हो। कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने क्षेत्र भ्रमण के दौरान चान्हों में बैंक की कम शाखा को लेकर चिंता जाहिर की। पंजाब नेशनल बैंक में क्षेत्र के लोगों को बैंक से संबंधित परेशानियों को लेकर बैठक की। राज्य सरकार के द्वारा किसानों के लिए चलाई जा रही 2 लाख रुपए तक की ऋण माफी योजना में आ रही अड़चनों को लेकर बैंक अधिकारियों को दिशा निर्देश दिया गया। किसानों को सबसे ज्यादा परेशानी केवाईसी को लेकर हो रही है। केवाईसी नहीं होने से क्षेत्र के लोग सरकार की योजना का समय पर लाभ नहीं उठा पा रहे है। मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने इस दौरान बैंक के शाखा में कैसे इजाफा हो इस पर भी बैंक अधिकारियों के साथ चर्चा की। बैंक की शाखा चान्हों में कम होने से ग्रामीण क्षेत्र से आए लोगों को घंटों इंतजार करना पड़ता है।
इस दौरान मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने चान्हों प्रखंड के रघुनाथपुर पंचायत में जरूरतमंद लोगों के बीच कंबल का भी वितरण किया। उन्होंने इस मौके पर कहा कि ठंड के इस मौसम में सहायता प्रदान करने का उद्देश्य जनता के प्रति अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करना है। ये एक छोटा सा प्रयास है जिससे ठिठुरन भरी इस ठंड में उन्हें थोड़ी राहत दी जा सके। जरूरतमंदों को मदद करने की दिशा में सभी को मिलजुल कर पहल करने की जरूरत है।
मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने रघुनाथपुर पंचायत स्थित कोको आईयो शक्ति पूजा स्थल पर पुनः पहुंच कर मां के चरणों मत्था टेका। मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने उपस्थित लोगों से कहा कि इसी पवित्र स्थल पर मैंने विगत विधानसभा चुनाव में सफलता की कामना की थी, और माँ कोको आईयो की कृपा से यह मन्नत पूरी हुई। यह स्थान न केवल हमारी सांस्कृतिक धरोहर है, बल्कि यहाँ हर श्रद्धालु की मनोकामनाएँ पूरी होती हैं। साथ ही माँ के आशीर्वाद से हर कठिनाई से लड़ने की हिम्मत मिलती है।

स्व जयपाल सिंह मुण्डा को अर्जुन मुंडा समेत अनेक लोगों किया नमन

बिभा संवाददाता

देश के ऐसे जनजाति विभूतियों के बारे में अध्ययन कराने से आनेवाले पीढ़ी को सुमार्ग मिलेगा : मुण्डा

खूँटी। संविधान सभा के सदस्य प्रथम ओलम्पियन स्व जयपाल सिंह मुण्डा के 122वें जन्म दिवस पर शुक्रवार को खूँटी के टकरा गाँव स्थित उनके कब्र पर झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा, रविन्द्र राय, खूँटी व तोरपा के विधायक समेत अनेक लोगों ने पुष्प अर्पित कर नमन किया और उनके सुकृत्य को याद किया। वहीं अर्जुन मुंडा ने टकरा के वृद्ध जनों के बीच कम्बल वितरण किया। साथ ही हॉकी में भारत को स्वर्ण पदक दिलाने वाले जयपाल सिंह मुण्डा की यादगार में होनेवाले फुटबॉल टूर्नामेंट में बतौर अतिथि उपस्थित हुए। मौके पर , अर्जुन मुण्डा ने कहा कि स्वर्गीय जयपाल सिंह मुंडा खेल प्रेमी व्यक्ति थे जिसने आईसीएस के पद को ठुकरा कर उन्होंने खेल को अपना जीवन का आधार चुना। उन्होंने कहा कि स्वर्गीय जयपाल सिंह मुंडा संविधान सभा के सदस्य के रूप में जनजातीय समाज के बीच के एक व्यक्ति चुने गए थे। जिन्होंने जनजातीय समुदाय को स्थान दिलाने के लिए लड़ाई लड़ी। जिस प्रकार से बिरसा मुंडा ने समाज को आगे बढ़ने का काम किया इस प्रकार जयपाल सिंह मुंडा ने भी जनजाति समुदाय के लिए आवाज उठाई। मौके पर अर्जुन मुण्डा ने अपने द्वारा किये गये विकास कार्यों को गिनाया। उन्होंने बताया कि सभी लोगों को चाहिए कि ऐसे जननायक विभूतियों को और उनके द्वारा किये गये सुकृत्य को याद कर प्रेरणा लें और आकलन करें कि हम किस स्थान पर हैं। साथ ही, देश और समाज के प्रति अच्छे कार्य करने का विचार बनाएँ। उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा के कर्मभूमि, डोम्बारी बुरु, चलकद, सरदार गया मुण्डा का गाँव एटकेडीह, स्व जयपाल सिंह मुण्डा का गाँव टकरा सहित अनेक गाँवों का विकास के लिए कार्य करने का मौका मिला। वहीं आदी आदर्श ग्राम के तहत पंचायत तक में योजना के अनुरूप कार्य किया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि अविभाज्य विहार के समय से ही जयपाल सिंह मुण्डा ने झारखंड अलग राज्य की मांग की थी। जिसे भाजपा सरकार द्वारा स्व अटल बिहारी वाजपेयी जी के अगुवाई में पूरा किया गया। वहीं बिहार में सबसे बड़ी पार्टी के रुप में झारखंड पार्टी हुआ करती थी। जिसका स्थापना जयपाल सिंह मुण्डा ने ही की थी। उन्होंने कहा कि ऐसे विभूतियों के लिए शोध और शिक्षा जगत में अध्ययन करने के लिए पढ़ाई की आवश्यकता है।

भारत मुण्डा समाज ने मरंग गोमके की याद में किया कम्बल वितरण

बिभा संवाददाता

खूँटी। प्रखंड क्षेत्र के टकरा गाँव स्थित मरङ गोमके जयपाल सिंह मुण्डा के जयंती पर भारत मुण्डा समाज के द्वारा सुशील पाहन की अगुवाई में जयपाल सिंह मुण्डा के हड़गड़ी पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया गया। वहीं उनके याद में भारत मुण्डा समाज के द्वारा झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुण्डा के हाथों कम्बल वितरण किया गया। मौके पर , अर्जुन मुण्डा ने कहा कि टकरा का विकास के लिए सभी को आगे आना चाहिए जैसा कि यहाँ सड़क, लाईट , स्टेडियम व सिंचाई के लिए योजना दिया गया। इस मौके पर सुशील पाहन ने कहा कि मरंग गोमके हम जनजातीय समाज के लिए गौरव का प्रतिक हैं। जिन्होंने आदिवासी मूलवासी के विकास के लिए चिंता करते हुए कार्य किया। जिन्होंने अंग्रेजी हुकूमत की नौकरी ठुकरायी और हॉकी खेल को ही अपने जीवांश का आधार बनाया तथा पहला झारखंड आंदोलनकारी बने। इस मौके पर भारत मुण्डा समाज के पदाधिकारी क्रमशः एतवा मुण्डा, सुशील पाहन, महेंद्र मुण्डा, रूप लक्ष्मी मुण्डा, विश्वेश्वर मुण्डा, नूतन पहान, आशा कच्छप, तिवारी टोप्पो, बिलासी लांग, सत्यदेव मुण्डा, रोशन मुण्डा आदि अनेक लोग उपस्थित थे।

आखिर क्यों नहीं थम रहा रुपये में गिरावट का सिलसिला

डॉ. सत्यवान सौरभ

र्यात की तुलना में आयात में वृद्धि के कारण व्यापार घाटा बढ़ने से विदेशी मुद्रा का बहिर्वाह बढ़ता है, जिससे रुपया कमजोर होता है। कच्चे तेल और सोने के बढ़ते आयात के कारण 2022 में भारत का रिकॉर्ड व्यापार घाटा रुपये के मूल्यह्रास को बढ़ाता है। भारतीय रुपये में गिरावट बाहरी क्षेत्र की कमजोरियों के बीच मुद्रा स्थिरता बनाए रखने की चुनौतियों को रेखांकित करती है। मुद्रा मूल्य में उतार-चढ़ाव वैश्विक भू-राजनीतिक तनावों जैसे रूस-यूक्रेन युद्ध, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और पूंजी बहिर्वाह के साथ-साथ राजकोषीय घाटे जैसे घरेलू कारकों से उत्पन्न होते हैं। भारत के बाहरी लचीलेपन को बढ़ाने और इसकी अर्थव्यवस्था को स्थिर करने के लिए प्रभावी नीतिगत उपाय महत्त्वपूर्ण हैं...

सितंबर 2024 के शेयर शिखर के बाद निरंतर बहिर्वाह ने रुपये को कमजोर कर दिया क्योंकि निवेशक अमेरिकी ब्याज दरों में वृद्धि की अटकलों के बीच सुरक्षित परिसंपत्तियों की ओर चले गए। उच्च व्यापार घाटे जैसे व्यापार घाटे आयात पर बाहरी निर्भरता को उजागर करते हैं, विशेष रूप से ऊर्जा के लिए, रुपये की कमजोरी के दौरान चालू खाता घाटा बढ़ाते हैं। रुपये के अवमूल्यन के साथ भारत का कच्चे तेल का आयात बिल बढ़ गया, जिससे 2024 का व्यापार घाटा बढ़कर $75 बिलियन के करीब पहुँच गया।

टैरिफ की धमकियाँ और ब्रिक्स मुद्रा विवाद जैसी वैश्विक घटनाएँ भारत के बाहरी व्यापार और निवेश के लिए अनिश्चितताएँ पैदा करके अस्थिरता को बढ़ाती हैं। ब्रिक्स देशों की मुद्रा योजनाओं के खिलाफ अमेरिकी राष्ट्रपति की 2024 टैरिफ चेतावनी ने बाजार में बिकवाली को बढ़ावा दिया, जिससे भारत की बाहरी स्थिरता कमजोर हुई। रुपये को स्थिर करने के लिए विदेशी मुद्रा भंडार पर भारी निर्भरता निरंतर वैश्विक बाजार अशांति के दौरान दीर्घकालिक मौद्रिक लचीलेपन को प्रतिबंधित करती है।

रुपये को वापस 85.53 पर लाने के लिए दिसम्बर 2024 में एक ही तिमाही में $20 बिलियन से अधिक के भंडार को समाप्त कर दिया। कमजोर रुपया घरेलू मौद्रिक नीतियों को प्रतिबंधित करता है, महंगे आयातों के माध्यम से मुद्रास्फीति को बढ़ाता है जबकि विकास सम्बंधी चिंताओं को दूर करने के लिए राजकोषीय स्थान को कम करता है। दिसम्बर 2024 में कच्चे तेल के आयात की लागत 15% बढ़ गई, जिससे नीति निमार्ताओं पर मुद्रा प्रबंधन और राजकोषीय विस्तार रणनीतियों को प्रभावी ढंग से संतुलित करने का दबाव पड़ा।

टैरिफ या प्रतिबंध जैसे संरक्षणवादी व्यापार उपाय, व्यापार संतुलन को बाधित करके मुद्रा स्थिरता को कमजोर कर सकते हैं। प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के बीच राजनीतिक अस्थिरता या संघर्ष अस्थिरता पैदा करते हैं, जिससे सुरक्षित-पनाहगाह डॉलर की मांग बढ़ती है और उभरते बाजारों की मुद्राएँ कमजोर होती हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में उछाल आया, जिससे भारत के आयात बिल पर दबाव पड़ा और रुपये का मूल्य कम हुआ। उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में सख्त मौद्रिक

नीतियों के कारण भारत से पूंजी का बहिर्वाह होता है, जिससे रुपये पर दबाव पड़ता है। 2022-23 में अमेरिकी फेडरल रिजर्व की दरों में बढ़ोतरी के कारण विदेशी पोर्टफोलियो का बहिर्वाह हुआ, जिससे रुपया कमजोर हुआ।

निर्यात की तुलना में आयात में वृद्धि के कारण व्यापार घाटा बढ़ने से विदेशी मुद्रा का बहिर्वाह बढ़ता है, जिससे रुपया कमजोर होता है। कच्चे तेल और सोने के बढ़ते आयात के कारण 2022 में भारत का रिकॉर्ड व्यापार घाटा रुपये के मूल्यह्रास को बढ़ाता है। उच्च घरेलू मुद्रास्फीति मुद्रा मूल्य को कम करती है, जिससे निर्यात कम प्रतिस्पर्धी हो जाता है और आयात महंगा हो जाता है। कच्चे तेल जैसे अलोचदार आयातों की बढ़ती कीमतों ने भारत के आयात बिलों को बढ़ा दिया, जिससे 2023 में रुपया कमजोर हो गया। घरेलू और विदेशी निवेश में गिरावट कमजोर आर्थिक विकास का संकेत देती है, जिससे मुद्रा प्रवाह हतोत्साहित होता है। 2024 में, कॉर्पोरेट प्रदर्शन में कमी और स्टॉक वैल्यूएशन में वृद्धि के कारण विदेशी पोर्टफोलियो निवेश बहिर्वाह हुआ।

मुद्रा को स्थिर करने के लिए केंद्रीय बैंक के हस्तक्षेप विदेशी मुद्रा भंडार द्वारा सीमित हैं और केवल अस्थायी राहत प्रदान कर सकते हैं। दिसम्बर 2024 में आरबीआई के देर से हस्तक्षेप ने रुपये को अस्थायी रूप से 85.53 प्रति डॉलर पर स्थिर करने में कामयाबी हासिल की। राजकोषीय रूप से विवश सरकार बाहरी झटकों को प्रबंधित करने की अपनी क्षमता को कम करती है, जिससे मुद्रा स्थिरता में विश्वास कमजोर होता है। महामारी के दौरान भारत के रिकॉर्ड राजकोषीय घाटे ने बाहरी लचीलेपन को बढ़ावा देने के लिए सरकारी उपायों को सीमित कर दिया। मुद्रा नीतियों पर सरकार का स्पष्ट रुख निवेशकों का विश्वास बढ़ाता है और सट्टा दबाव कम करता है। आरबीआई गवर्नर द्वारा 2024 में डी-डॉलराइजेशन को खारिज करने से बाजार आश्वस्त हुआ, जिससे रुपये के मूल्यह्रास की चिंताएँ अस्थायी रूप से कम हो गईं। ।

बाह्य लचीलेपन को मजबूत करने के उपाय हैं, निर्यात को बढ़ावा देना और विदेशी मुद्रा आय बढ़ाने और व्यापार असंतुलन को कम करने के लिए मूल्यवर्धित विनिर्माण और सेवाओं पर ध्यान केंद्रित करना। फार्मास्यूटिकल्स और आईटी जैसे क्षेत्रों को मजबूत करने से व्यापार घाटे को कम करने और रुपये को स्थिर करने में मदद मिल सकती है। विविध आपूर्तिकताओं के साथ दीर्घकालिक समझौते कर-के अस्थिर कच्चे तेल और आवश्यक आयात पर निर्भरता कम करें। रूस और मध्य पूर्वी देशों से कच्चे तेल के आयात का विस्तार करने से 2023 में औसत तेल आयात लागत कम हो गई। प्रभावी मुद्रा स्थिरीकरण के लिए सॉवरेन वेल्थ फंड और सोने के संचय के माध्यम से मजबूत भंडार बनाएँ।

रिजर्व बैंक के अनुसार 2021 में $600 बिलियन के रिकॉर्ड विदेशी मुद्रा भंडार ने महामारी के दौरान अस्थिरता को प्रबंधित करने में मदद की। स्थानीय मुद्राओं में व्यापार को निपटाने, अमेरिकी डॉलर पर निर्भरता कम करने और विनिमय दर जोखिमों को कम करने के लिए समझौतों में शामिल हों। भारत-रूस रुपया-रूबल व्यापार तंत्र ने रूस-यूक्रेन संकट के दौरान विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव कम किया। मुद्रा जोखिमों से बचने के लिए अल्पकालिक बाहरी ऋण को कम करते हुए कम लागत और लंबी अवधि के उधार को प्राथमिकता दें।

भारत द्वारा सॉवरेन ग्रीन बॉन्ड जारी करने में वृद्धि ने 2023 में पुनर्भुगतान अस्थिरता को कम करने के साथ स्थिर विदेशी निवेश आकर्षित करने में मदद की। वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारत के आर्थिक लचीलेपन के लिए एक मजबूत बाहरी क्षेत्र महत्त्वपूर्ण है। निर्यात प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देकर, विवेकपूर्ण राजकोषीय नीति सुनिश्चित करके, विदेशी मुद्रा भंडार में विविधता लाकर और रुपये में द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाकर, भारत मुद्रा अस्थिरता को कम कर सकता है। संरचनात्मक सुधारों और वैश्विक आर्थिक एकीकरण पर जोर देने वाली एक दूरदर्शी रणनीति दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित करेगी और वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत की स्थिति को मजबूत करेगी।

संपादकीय

आर्थिक चुनौतियों का होगा नया साल

बुधवार को जिस 2025 का आगाज हुआ है उसमें अनेक तरह की आर्थिक चुनौतियां होंगी। जिस तरह से महंगाई बढ़ी है तथा केन्द्र सरकार के पास उसे कम करने व लोगों को रोजगार देने की कोई ठोस योजना नहीं है, उससे साफ है कि आमजन के लिये यह साल पहले से कहीं अधिक कष्टप्रद होगा। वर्ष 2024 के आखिरी दिन कांग्रेस ने रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के जो आंकड़े उद्धृत किये हैं, वे भारतीय अर्थव्यवस्था की भयावह तस्वीर पेश करने के लिये काफी हैं। कहने को तो ये आंकड़े गोल्ड लोन लेकर अथवा गहने गिरवी रख या बेचकर घर चलाने के सम्बन्ध में हैं, जिसे एक तरह से सीमित विषय पर केन्द्रित कहा जा सकता है, परन्तु देश की जो सामाजिक व्यवस्था है उसमें घर खर्च चलाने के लिये सोना गिरवी रखना अथवा बेचना आम आदमी का अंतिम उपाय माना जाता है। ऐसा करना लोगों की बदहाली व मजबूरी का द्योतक है। असली बात यह है कि ऐसी तमाम परिस्थितियों को सिरे से खारिज करने की आदी भारतीय जनता पार्टी की सरकार यह नहीं बतलाती कि वह जनता को इस हालत से बाहर निकालने के लिये क्या करने जा रही है। कांग्रेस ने मंगलवार को आरबीआई के आंकड़ों का हवाला देते हुए एक्स पर पोस्ट कर बताया है कि 'देश की अर्थव्यवस्था डांवाडोल है। लोगों के पास कमाई के साधन नहीं हैं और उन्हें घर चलाने के लिये गहने गिरवी रखकर कर्ज लेना पड़ रहा है। इसके बाद भी स्थिति सुधर नहीं रही। वे कर्ज नहीं चुका पा रहे हैं।' बकौल कांग्रेस, आरबीआई ने जो तथ्य दिये हैं उनमें प्रमुख हैं-गोल्ड लोन के डिफाल्टर के मामले मार्च 2024 से जून 2024 तक 30 फीसदी बढ़ गये, कमर्शियल बैंकों में डिफाल्टर मामलों में 62 प्रतिशत का इजाफा तथा बीते वर्ष के पहले 7 महीनों में कर्ज लेने के मामलों में 50 प्रश की वृद्धि। कांग्रेस की इस बात में दम है कि, 'प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को आम जनता की परेशानियों से कोई फर्क नहीं पड़ रहा। वे देश की अर्थव्यवस्था को सम्भालने में पूरी तरह से नाकाम हो चुके हैं।' इसमें कोई शक नहीं कि सोना गिरवी रखना या बेचना माली हालत का सबसे बड़ा सूचकांक माना जाता है- फिर वह चाहे व्यक्ति हो या देश। इस लिहाज से कहा जा सकता है कि देश की हालत बहुत खराब है। मुल्क की जो स्थिति हैं वह साफ बतला रही है कि यदि लोगों को सोना बेचना पड़ रहा है या वे उसे गिरवी रखकर घर का खर्च चला रहे हैं तो इसका अर्थ है कि उनकी आमदनी काफी घटी है। दूसरे, महंगाई का जो आलम है वह भी सर्वत्र दिख पड़ता है। साग-सब्जियों से लेकर खाने-पीने की वस्तुएं तथा तमाम उपभोक्ता सामग्रियां लगातार महंगी होती जा रही हैं। कोई भी ऐसा महीना नहीं आता जिसमें किसी भी वस्तु के दाम घटने की खबर मिलती हो। ऊपर से, तमाम तरह की सामग्रियां, सेवाएं या उत्पाद जीएसटी के दायरे में लाई जा चुकी हैं; और जो नहीं लाई गयी थीं, वे भी लाई जा रही हैं। यहां तक कि बहुत बुनियादी जरूरतों की सामग्रियों या सेवाएं तक लगातार महंगी होती जा रही हैं, जिनमें शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं, दवाएं, पेट्रोल-डीजल, रसोई गैस आदि शामिल हैं। यहां तक कि किसानों के लिये जरूरी कृषि उपयोगी वस्तुएं, उपकरण, खाद आदि सभी कुछ महंगा होता जा रहा है। वैसे भी मोदी सरकार का सारा ध्यान और अनुराग उच्च वर्गों के लिये हैं। सामान्य दर्जे की ट्रेनों की बजाये उसकी दिलचस्पी महंगी ट्रेनें (वंदे भारत, बुलेट ट्रेन आदि) चलाने में हैं। लोगों की जेब पर जिस तरह से बोझ बढ़ता जा रहा है उनके पास सोना गिरवी रखने या बेचने के अलावा और कोई उपाय नहीं रह जाता। हर किसी के पास इतनी जमा-पूंजी नहीं रहती कि वह वर्षों तक महंगाई को झेल सके। न ही हर किसी के पास जमीनें होती हैं। मकान सभी के लिये जरूरी होता है पर पाया गया है कि पिछले कुछ वर्षों के दौरान जनजीवन जैसा महंगा हुआ है, लोग मकान बेचकर छोटे शहरों या सस्ते आवासों वाली बस्तियों में जा रहे हैं।

चिंतन-मनन

मनुष्य को कर्मों का कर्ज चुकाना होगा

भगवान ने हमारे जीवन को पवित्र बनाने के लिए समय-समय पर जो उपदेश दिए हैं, वे शास्त्रों के रूप में हमारे सामने हैं। हमें यह जो मनुष्य भव मिला है, यदि कर्मों का कर्ज चुका दिया तो सीधे मोक्ष प्राप्त हो सकता है। मनुष्य को अपने कर्मों का भुगतान स्वयं करना पड़ता है। उपाध्याय प्रवर मूलमुनिजी ने धर्मसभा को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि कई भवों के बाद मनुष्य जन्म प्राप्त होता है। हम मनुष्य भव को सद्कार्यों में लगाकर जीवन का कल्याण कर सकते हैं। ऋषभमुनिजी ने कहा कि भगवान के शरीर में तीर्थंकर का शरीर सबसे श्रेष्ठ बना है। तीर्थंकरों के शरीर में सुगंध आती है जबकि भगवान के पास जाते ही समभाव आ जाता है। भगवान के 34 अतिशय का प्रभाव रहता है। भगवान का शरीर के प्रति राग नहीं रहता। केवलज्ञान ही पूर्ण ज्ञान रहता है। आत्मा ही गुरु है। आत्मा ही देव है।

संघर्ष जीवन का मूल मंत्र है

किशन सनमुखदास भावनानी

मानव जीवन में संघर्ष, मेंहनत, कौशलता यह तीन अस्त्र ऐसे हैं जो जीवन की सफलता के मूल मंत्र हैं इन तीन मंत्रों के बलपर हर मानव अपने जीवन रूपी गाड़ी को मंजिल तक पहुंचाने में कामयाब रहता है! क्योंकि आज के युग में सफलता प्राप्त करने के लिए संघर्ष की सीढ़ी पर चढ़ना होता है, हालांकि हो सकता है इस सीढ़ी से हम कई बार फिस्लें भी, परंतु यदि सफलता पाने का जज्बा और जांबाजी है तो हमें, फिसलकर फिर उठ खड़ा होकर सफलता की सीढ़ी पर चढ़ना होगा। इसे ही संघर्ष का नाम दिया गया है इससे हम जरूर सफलता की इस सीढ़ी के अंतिम पहिए तक पहुंचकर अपना,अपने कुल का और भारत का नाम रोशन करने में कामयाब होंगे। साथियों बात अगर हम चींटी से मेहनत, बगुले से तरकीब और मकड़ी से कारीगरी सीखने की करें तो, नन्हीं सी चींटी महीने भर मेहनत करती है और और साल भर आराम और निश्चिंतता से अपना जीवन जीती है। बिना मेहनत के जीवन खुशहाल और निश्चिंत नहीं बन सकता ये उस नन्हीं सी चींटी के जीवन की सीख है। वैसे तो बगुले को उसके ढोंग के लिए ही जाना जाता है मगर बगुले का वह ढोंग भी मनुष्य को एक बहुत बड़ी सीख दे जाता है। रास्ते बदलो पर लक्ष्य नहीं बदलो। कभी-कभी बहुत मेहनत के बाद भी कार्य सिद्ध नहीं हो पाता मगर वही कार्य कम मेहनत में भी सिद्ध हो सकता है, बस आपके पास उसकी तरकीब अथवा तरीका होना चाहिए। संसार में हर जीव अपने आवास और भोजन की व्यवस्था अपने ही तरीके से करता है लेकिन मकड़ियों द्वारा उनका जाल बनाना काफी रोचक और बेहद कठिन है उनसे इन इस कठिन परिस्थितियों में सफलता पाने का गुण सीखना है। साथियों बात अगर हम संघर्ष ने मेहनत की करें तो हमारे बड़े बुजुर्गों ने हमें बार-बार समझाया है कि देखो,यह चीटी कितनी बार दीवार पर चढ़ते हुए बार-बार गिरती है परंतु फिर उठ खड़ी होकर चढ़ती है, इससे सीखो !वाह! क्या बात है, इतनी बड़ी विशाल मानव काया के सामने चींटी का उदाहरण, संघर्ष और मेहनत के रूप में मानव के सामने सदियों से आता रहा है,जिससे हमें यह सीख मिलत है कि मानव से हजारों गुना छोटे जीव को भी निग्लेक्ट नहीं कर उससे सीखने, प्रेरणा लेने की सोच का भाव हृदय में रखना है, यही भाव आगे चलकर मानव को महामानव के रूप में परिवर्तित करता है। साथियों बात अगर हम अपने जीवन में संघर्ष की करें तो, नन्हीं चींटी जब दाना लेकर चलती है, चढ़ती दीवारों पर, सौ बार फिसलती है। मन का विश्वास रगों में साहस भरता है, चढ़कर गिरना, गिरकर चढ़ना नहीं अखरता है। आखिर उसकी मेहनत बेकार नहीं होती, कोशिश करने वालों की हार नहीं होती। जीवन संघर्ष का दूसरा नाम हैं।एक बात हमेशा याद रखिए, अपनी मंजिल का आधा रास्ता तय करने के बाद पीछे ना देखे बल्कि पूरे जुनून और विश्वास के साथ बाकी की आधी दूरी तय करे, बीच रास्ते से लौटने का कोई फायदा नहीं क्योंकि लौटने पर आपको उतनी ही दूरी तय करनी पड़ेगी जितनी दूरी तय करने पर आप लक्ष्य तक पहुँच सकते है। साथियों संघर्ष जीवन के उतार-चढ़ाव का अनुभव कराता है, अच्छे-बुरे का ज्ञान करवाता हैं, सतत सक्रिय रहना सिखाता है, समय की कीमत सिखाता है जिससे प्रेरित होकर हम सशक्तिकरण के साथ फिर से अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित होते है और जीवन जीने के सही तरीके को सीखते हैं। आगे बढ़कर भी अगर सफलता ना मिल पाई तो भी कोई बात नहीं कम से कम अनुभव तो नया होगा। बार-बार हार के भी हिम्मत के साथ अपने टारगेट की तरफ कदम बढ़ाना ही संघर्ष है। अपनी हर असफलता से कुछ सीखिए और निडरता के साथ संघर्ष का दामन थाम के मंजिल की ओर आगे बढ़िए।वसंघर्ष हमारे जीवन का सबसे बड़ा वरदान है और वो हमें सहनशील, संवेदनशील और देवतुल्य बनाता हैं।जब तक जीवन में संघर्ष नहीं होता तब तक जीवन जीने के अंदाज को, सच्ची खुशी को, आनंद को, सफलता को अनुभव भी नहीं कर सकते। जिस तरह बिना चोट के पत्थर भी भगवान नहीं होता। ठीक उसी तरह मनुष्य का जीवन भी संघर्ष की तपिश के बिना ना तो निखर सकता है, ना शिखर तक पहुँच सकता है और ना ही मनोवांछित सफलता पा सकता है। साथियों बात अगर हम मकड़ी से कारीगरी सीखने की करें तो यह उदाहरण भी हमें हमसे बड़े बुजुर्गों द्वारा पीढ़ियों से, दशकों से दिया जाता है कि देखो वह मकड़ी नें कैसा सुंदर आकार का जाल बनाया है, उसकी कलाकारी को देखो बस हमें आज उस मकड़ी की कला की कारीगरी को आज कौशलता का नाम देकर उसकी कारीगरी को अपने मानवीय मस्तिष्क में यह बात उतारनी है कि जब हम से हजारों गुणा छोटा जीव इतनीं सुंदर कारीगरी कर सकता है तो हम क्यों नहीं, बस! यह मानवीय सोच, मानवीय बौद्धिक क्षमता के कुछ स्तरपर बंद दरवाजों को खोलने का काम करती है और यह द्वार एक बार खुला तो फिर हुनर की लंबी उपलब्धियां हमारे पास होंगी और हम अपने कुल के साथ भारत माता का नाम वैश्विक स्तरपर ऊंचा करने में कामयाब कर सकेंगे। साथियों बात अगर हम कौशलता की करें तो, वर्तमान समय में कौशलता या कारीगरी या हुनर का नाम हम बहुत अधिक सुन रहे हैं।कौशलता विकास का नाम भारत सरकार के करीब-करीब हर मंत्रालय के कार्यक्रम की सूची में है और एक अलग से कौशलता विकास मंत्रालय भी बनाया गया है कुछ हफ्तों से देशभर में हुनर हाटों का आयोजन कर, हर मानव निर्मित कलाओं, वस्तुओं और सेवाओं का प्रदर्शन कर उनका वैश्विक विस्तार करने की रणनीतिक तैयारी की जा रही है जिसका परिणाम हम विजन 2047, विजन 5 ट्रिलियन डॉलर भारतीय अर्थव्यवस्था, नए भारत की गाथा, नया भारत सहित अनेक विजन हमने तैयार करके उसपर तीव्रता से आगे बढ़ रहे हैं जिसका दूरगामी परिणाम हम आने वाले वर्षों में जरूर देखेंगे। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि संघर्ष जीवन का मूलमंत्र है। संघर्ष ही जीवन है। आओ चींटी से मेहनत, बगुले से तरकीब और मकड़ी से कारीगरी की प्रेरणा से सीखकर अपना जीवन सवारें तथा संघर्ष सफल जीवन की कुंजी है, कल तभी अच्छा होगा जब हम उसके लिए आज से मेहनत करेंगे।

अपनों के निशाने पर कांग्रेस पार्टी

रमेश सर्राफ धमोरा

कांग्रेस पार्टी इन दिनों अपने ही साथी दलों के निशाने पर है। भाजपा के खिलाफ विपक्षी दलों के संयुक्त इंडिया गठबंधन में शामिल विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं द्धारा कांग्रेस पार्टी से इंडिया गठबंधन का नेतृत्व वापस लेने की मांग की जा रही है। इंडिया गठबंधन में शामिल बंगाल की मुख्यमंत्री व तृणमूल कांग्रेस की सुप्रीमो ममता बनर्जी खुले आम कांग्रेस पार्टी के नेतृत्व पर सवाल उठा रही है। उनकी पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने प्रेस कांफ्रेंस कर-के कांग्रेस पार्टी को इंडिया गठबंधन के नेता पद से हटाने की मांग की हैं। ममता बनर्जी की मांग के समर्थन में बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री व राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने भी अपनी सहमति जताई है। इससे इंडिया गठबंधन की स्थिति लगातार कमजोर हो रही है।

जून 2023 में 26 विपक्षी दलों के साथ बना इंडिया गठबंधन अब टूट के कगार पर खड़ा है। लोकसभा चुनाव में मिली हार और उसके बाद हरियाणा व महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में हुई पराजय ने इस गठबंधन को कमजोर कर दिया है। इसी के चलते कांग्रेस के सहयोगी दल ही उसकी नेतृत्व क्षमता पर सवाल उठाकर अलग राह पकड़ने के संकेत दे रहे हैं। हाल ही में दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर आम आदमी पार्टी ने तो कांग्रेस को इंडिया गठबंधन से बाहर निकलवाने तक की धमकी दे दी है। कांग्रेस द्वारा दिल्ली विधानसभा चुनाव अकेले लड़ने की घोषणा के बाद से ही आम आदमी पार्टी कांग्रेस से खासी नाराज नजर आ रही है। पार्टी नेताओं का कहना है कि कांग्रेस जिस तरह से चुनाव लड़ रही है उससे भाजपा को लाभ मिल रहा है। कांग्रेस नेता अजय माकन व संदीप दीक्षित के बयान विपक्ष को कमजोर करने के लिए भाजपा के कहने पर दिए जा रहे हैं। समाजवादी पार्टी, शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे), राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद चंद पवार), नेशनल कांफ्रेंस तो खुलकर कांग्रेस की मुखालफत करने लगी है।

हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस अपनी जीत तय मानकर आम आदमी पार्टी से गठबंधन करने से इनकार कर दिया था। जिसके चलते आम आदमी पार्टी ने कई सीटों पर अकेले ही चुनाव लड़कर 1.8 प्रतिशत वोट प्राप्त किए थे। जबकि हरियाणा में कांग्रेस को 39.34 प्रतिशत वोट व भाजपा को 39.94 प्रतिशत वोट मिले थे। यदि हरियाणा में कांग्रेस आम आदमी पार्टी से समझौता करके चुनाव लड़ती तो निश्चय ही सरकार बन सकती थी। मगर कांग्रेस ने अवसर गवां दिया और वहां भाजपा ने आसानी से तीसरी बार पहले से भी अधिक बहुमत से सरकार बना ली। उत्तर प्रदेश विधानसभा के उपचुनाव में तो समाजवादी पार्टी ने कांग्रेस के लिए एक भी सीट नहीं छोड़ी थी। जबकि लोकसभा चुनाव कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने मिलकर ही लड़ा था।

महाराष्ट्र में कांग्रेस नीत महा विकास अघाड़ी की करारी हार होने के बाद शिवसेना (यूबीटी) ने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधते हुए कहा था कि कांग्रेस ने हरियाणा में आप और समाजवादी पार्टी को सीट ना देकर गलती की थी। पार्टी के मुखपत्र सामना में भी लिखा गया कि कांग्रेस नेताओं के अति आत्मविश्वास और घमंड ने हरियाणा में हार के लिए भूमिका निभाई। पार्टी नेता संजय राउत ने तो यहां तक कह दिया कि कांग्रेस को लगने लगा था कि वह अकेले ही जीत सकती है। इसलिए किसी को भी सत्ता में भागीदार बनाना उचित नहीं समझा था।

पिछले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को 99 सीटों पर जीत हासिल हुई थी। कांग्रेस कुल 329 सीटों पर चुनाव लड़ी थी। जिसमें से 145 सीटों पर बिना किसी गठबंधन की अकेले चुनाव लड़ी थी। जिसमें कांग्रेस 37 सीटों पर चुनाव जीती थी। कांग्रेस का बिना किसी दल से गठबंधन में जीत का रेशियो 25.52 प्रतिशत रहा था। जबकि कांग्रेस 184 सीटों पर साथी दलों से गठबंधन करके चुनाव लड़ी थी। इसमें कांग्रेस ने 62 सीट जीती थी और जीत का रेशियो 33.75 प्रतिशत रहा था। इस तरह से देखे तो कांग्रेस पार्टी को अकेले चुनाव लड़ने की बजाय गठबंधन साथियों की बदौलत बड़ी जीत हासिल हुई थी। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को 13 करोड़ 67 लाख 59 हजार 64 यानी 21.29 प्रतिशत वोट मिले थे। गठबंधन करने के कारण 2019 की तुलना में 2024 में कांग्रेस को 1.91 प्रतिशत अधिक वोट मिले थे।

कांग्रेस पार्टी ने पंजाब, चंडीगढ़, छत्तीसगढ़, गोवा, कर्नाटक, लक्षद्वीप, मणिपुर, मेघालय, नागालैंड, उड़ीसा, तेलंगाना व पश्चिम बंगाल में अपने बूते चुनाव लड़ा था। जबकि बिहार, गुजरात हरियाणा झारखंड, केरल, महाराष्ट्र, पांडिचेरी, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश में गठबंधन करके चुनाव लड़ा था। अंडमान निकोबार दीप समूह, आंध्र प्रदेश, दादरा नगर हवेली व दमन दीव, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर, लद्दाख, मध्य प्रदेश, मिजोरम, सिक्किम, त्रिपुरा, उत्तराखंड ऐसे प्रदेश है जहां लोकसभा चुनाव में कांग्रेस का खाता भी नहीं खुल सका था।

हरियाणा विधानसभा चुनाव में हार के बाद कांग्रेस को सबसे बड़ा झटका महाराष्ट्र में लगा जहां उनकी सीटे 44 से घटकर 16 रह गई। महाराष्ट्र में कांग्रेस शिवसेना (यूबीटी) व राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के साथ महाविकास अघाड़ी बनाकर चुनाव मैदान में उतरी थी। वहां कांग्रेस सबसे अधिक 101 सीटों पर चुनाव लड़ी जिसमें महज 16 सीट ही जीत पाई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को 80 लाख 20 हजार 921 वोट मिले जो कुल मतदान का 12. 42 प्रतिशत थे। महाराष्ट्र में कांग्रेस की जीत का स्ट्राइक रेट 15.38 प्रतिशत ही रहा।

संसद का शीतकालीन सत्र का समापन हो चुका है। जिसमें अधिकांश समय कांग्रेस ने अदानी मुद्दे को लेकर संसद नहीं चलने दी। इससे संसद का कार्य पूरी तरह प्रभावित रहा। इसको लेकर भी कांग्रेस की सहयोगी तृणमूल कांग्रेस, सपा ने कांग्रेस को घेरते हुये आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी राष्ट्रीय हित के मुद्दों पर बहस नहीं होने देना चाहती है तथा सिर्फ अदानी मुद्दे को ही जिंदा रखे हुए हैं। यदि संसद चलती तो कई तरह के मुद्दों पर सरकार को घेरा जा सकता था। इंडिया अलायंस में जिस तरह की खटपट वर्तमान समय में चलने लगी है वह अलायंस के लिए शुभ नहीं मानी जा सकती है। अलायंस में शामिल दल ही विपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस के नेतृत्व को नकारने लगे है इससे बुरी बात कांग्रेस पार्टी के लिए और क्या हो सकती है। लोकसभा चुनाव में जिस तरह से विपक्षी पार्टियों ने एकजुट होकर इंडिया गठबंधन बनाकर केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा को कड़ी टक्कर दी थी। वही गठबंधन अब धीरे-धीरे कमजोर पड़ता जा रहा है।

आने वाले समय में दिल्ली विधानसभा के चुनाव होने हैं। वहां भाजपा चुनाव जीतने की पूरी रणनीति बनाने में जुटी हुई है। आम आदमी पार्टी चाहती है कि वह दिल्ली की सत्ता पर फिर से काबिज हो। मगर कांग्रेस का रवैया देखकर आम आदमी पार्टी भी सकते में है। पार्टी के नेता कांग्रेस को वोट कटवा के रूप में देख रहे हैं तथा खुले आम भाजपा की बी टीम के रूप में काम करने का आरोप लगा रहे हैं। कांग्रेस ने अपने उम्मीदवारों की दो सूची जारी कर दी है। शेष सीटों पर भी जल्दी ही प्रत्याशियों के नाम घोषित करने की तैयारी चल रही है। यदि दिल्ली चुनाव में आम आदमी पार्टी पराजित हो जाती है तो इंडिया गठबंधन के ताबूत में वह आखरी कील साबित होगी।

कांग्रेस को यदि इंडिया गठबंधन को बचाना है तो अपने सहयोगी क्षेत्रीय दलों की भावनाओं को समझ कर फैसला करना होगा। तभी कांग्रेस अपने राजनीतिक वजूद को बचा पाएगी। इंडिया गठबंधन टूटने की स्थिति में कांग्रेस का भी कमजोर होना तय माना जा रहा है। क्योंकि कांग्रेस अकेले भाजपा से मुकाबला नहीं कर सकती है। गठबंधन के साथी दलों की मदद से ही कांग्रेस मजबूत हो सकेगी इस बात से कांग्रेस नेता भी अच्छे से वाकिफ है।

अधिक सिंचाई से होने वाली हानियाँ- सिंचाई समय से करने पर लाभ होता है किंतु जरूरत से अधिक करने पर पौधों के आवश्यक पोषक तत्व भूमि में रिस कर निचली सतह पर चले जाते हैं जो पौधों को उपलब्ध नहीं होते। इसी कारण पौधे पीले पड़ने लगते हैं। ऐसा अधिकतर नहर वाले सिंचाई क्षेत्रों में देखने को मिला है. अधिक सिंचाई करने से मिट्टी में वायु संचार में कमी आ जाती है जिससे पौधे की वृद्धि रुक जाती है।

रबी फसलों को पिलाएं संतुलित जल

किसानों की यह आमधारणा है कि जितनी अधिक सिंचाई की जायेगी, उतनी ही ज्यादा उपज मिलेगी, किंतु वास्तविकता यह नहीं है. पानी उतना ही लाभदायक है, जितना पौधों की जरूरत है. बाकी जल तो अधिक गहराई तक पौधों की जड़ों की पहुंच से दूर नीचे रिस जाता है और कुछ भाप बनकर उड़ जाता है। रबी की फसलों में सिंचाई का दो तिहाई पानी कच्ची नालियों से रिसकर अन्यथा बहकर नष्ट हो जाता है केवल एक तिहाई भाग पानी ही पौधों को प्राप्त होता है। अतः अगर सिंचाई समयानुसार की जाय तो न केवल सी मिल जल का अच्छा उपयोग होगा, बल्कि ज्यादा क्षेत्रमें भी किसान सिंचाई करके अपने खेत की औसत उपज बढ़ा सकते हैं।

अधिक सिंचाई से होने वाली हानियाँ- सिंचाई समय से करने पर लाभ होता है किंतु जरूरत से अधिक करने पर पौधों के आवश्यक पोषक तत्व भूमि में रिस कर निचली सतह पर चले जाते हैं जो पौधों को उपलब्ध नहीं होते। इसी कारण पौधे पीले पड़ने लगते हैं। ऐसा अधिकतर नहर वाले सिंचाई क्षेत्रों में देखने को मिला है. अधिक सिंचाई करने से मिट्टी में वायु संचार में कमी आ जाती है जिससे पौधे की वृद्धि रुक जाती है।

- पौधे पीले पड़ने लगते हैं।
- पौधे की बढ़वार रुक जाती है
- भूमि में क्षार बढ़ने से ऊसर होने की संभावना है।
- अधिक नमी होने के कारण भूमि में पौधों की जड़ों का क्षेत्र घट जाता है जिससे पौधों को पर्याप्त मात्रा में पोषक तत्वन हीं मिल पाते हैं।

रबी फसलों में महत्वपूर्ण सिंचाई की अवस्थाएं

- **गेहूं** रबी फसलों में गेहूं को ही सबसे अधिक सिंचाई से फायदा होता है देशी उन्नत जातियाँ या गेहूं की ऊंची किस्मों की जल की आवश्यकता 25 से 30 से.मी. है। इन जातियों में जल उपयोग की दृष्टि से तीन अवस्थाएं होती हैं जो क्रमशः कल्ले निकलने की अवस्था (बुआई के 30 दिन बाद), पुष्पावस्था (बुआई के 50 से 55 दिन बाद) और दूधिया अवस्था बुआई के 95 दिन बाद)इन अवस्थाओं में सिंचाई करने से निश्चित उपज में वृद्धि होती है। प्रत्येक सिंचाई में 8 से.मी. जल देना आवश्यक है।

बौने गेहूं की किस्मों को प्रारंभिक अवस्था से ही पानी की अधिक आवश्यकता होती है- क्राउन रुट (शिखर या शीर्ष जड़ें) और शीर्ष जड़े और 'झखड़ा जड़ें' निकलते समय। बुआई के 15-16 दिन तक पौधा बीज में सुरक्षित भोजन पर जीवित रहता है और अपनी खुराक लेता रहता है। लेकिन इसके बाद बीज का संचित भोजन समाप्त होने लगता है और तब वह धीरे-धीरे भूमि से खुराक खींचना शुरू कर देता है। ये जड़ें लगभग एक से.मी. की गहराई पर निकलती हैं। जिस समय ये जड़ें निकलती हैं, उस समय भूमि की सतह नम होनी चाहिए. ऐसे में बुआई के 20-21 दिन बाद खेत में हल्की सिंचाई करना अत्यंत आवश्यक होता है। किसानों को यह बात भली-भांति समझना चाहिए कि शिखर जड़ों से पौधों में कल्लों का विकास होता है, जिससे पौधों में बालियां ज्यादा आती हैं और फलस्वरूप उपज अधिक मिलती है। झखड़ा जड़ें पौधों को प्रारंभिक आधार देती हैं।

अतः बुआई के समय हर हालत में खेत में काफी नमी होनी चाहिए. बौनी गेहूं की किस्मों के खेत में पलेवा देकर खेत की तैयारी करने से अच्छा अंकुरण होता है। इन जातियों को 40 से 50 से.मी. जल की कुल आवश्यकता होती है और प्रति सिंचाई 6 से 7 से.मी. जल देना जरूरी है।

अगर दो सिंचाई की सुविधा है तो पहली सिंचाई बुआई के 20-21 दिन बाद प्रारंभिक जड़ें निकलने के समय करें दूसरी सिंचाई फूल आने के समय। यदि तीन सिंचाई करना संभव हो तो पहली सिंचाई बुआई के 20-21 दिन बाद (शिखर जड़ें निकलते समय), दूसरी पौधों में गाँठ बनते समय (बुआई के 60-65 दिन बाद) और तीसरी सिंचाई पौधों में फूल आने के बाद करनी चाहिए। जहां चार सिंचाईयों की सुविधा हो वहाँ पहली सिंचाई बुआई के 21 दिन बाद (शिखर जड़ें निकलते समय), दूसरी बुआई के 40-45 दिन बाद (पौधों में कल्ले निकलने के बाद) तीसरी बुआई के 60-65 दिन बाद (पौधों में गाँठ बनते समय) और चौथी सिंचाई फूल आते समय करें. चौथी और पाँचवी सिंचाई विशेष लाभप्रद सिद्ध नहीं होती है। इनको उसी समय करना चाहिए जब मिट्टी में पानी की संचय शक्ति कम हो। बलुई या बलुई दोमट मिट्टी में इस सिंचाई की जरूरत होती है। पांचवी सिंचाई उस समय करें जब दानों में दूध पड़ जाये। यदि वायुमंडल का तापमान तेजी से बढ़ रहा हो तो छठी सिंचाई हल्की करें। जब दाने में थोड़ी कठोरता नजर आती हो या दूधिया अवस्था बीत गयी हो तो इस सिंचाई को करना बहुत जरूरी नहीं है।

परीक्षणों से यही निष्कर्ष निकला है कि यदि 6 सिंचाईयां की जायें तो बौने गेहूं से अधिकतम उपज मिलती है। लेकिन यदि 6 सिंचाईयाँ संभव न हो तो उपयुक्त समय पर उक्त तीन सिंचाईयां तो अवश्य ही करनी चाहिए। पिछेती गेहूं में पहली 5 सिंचाईयां 15 दिनों के अंतर से करें। फिर बालें निकलने के बाद यह अन्तर 9-10 दिन का रखें। पिछेती गेहूं की दैहिक अवस्था पिछड़ जाती है और बालें निकलना और दानों का विकास तो ऐसे समय पर होता है जब वाष्पीकरण तेजी से होता है और ऐसी दशा में खेत में नमी की कमी का दानों के विकास पर हानिकारक प्रभाव पड़ता है, फलस्वरूप दाना सिकुड़ जाता है। इसीलिए देर से बोये गए गेहूं में जल्दी सिंचाई कम दिनों के अंतर से जरूरी है।

रबी में लगाएं राई-सरसों

भूमि की तैयारी : (अ) बारानी क्षेत्र- वर्षा आधारित क्षेत्रों में वर्षा ऋतु से ही जुताई आरंभ करना चाहिए तथा मिट्टी को खरपतवार रहित कर भुरभुरी बनाकर पाटा लगाकर छोड़ देना चाहिए। उपयुक्त तापमान आने पर बुवाई करें।

(ब) **सिंचित क्षेत्र**- जब खरीफ फसल की कटाई हो जाये तब पलेवा देकर खेत की तैयारी करें तथा पाटा लगाकर खेत को समतल कर लें फिर बुवाई करें।

विकसित एवं अनुशंसित किस्में

पूसा बोल्ड- बड़े दाने वाली इस जाति का 1000 दानों का वजन 7 ग्राम है तथा यह 110-140 दिन में पककर तैयार होती है तेल की मात्रा 42 प्रतिशत तथा उपज 18 क्विंटल/हे. है।

रोहिणी- इसकी फलियां टहनियों से चिपकी रहती हैं तथा यह 125-130 दिन में पककर तैयार होती है तेल की मात्रा 43 प्रतिशत तथा 1000 दानों का वजन 5.2 ग्राम है उपज 22-28 क्विं./हे. है।

वरूणा- यह सम्पूर्ण भारत वर्ष के लिये अनुमोदित है यह 135-140 दिन में पककर तैयार होती है। दानों का वजन 6 ग्राम तथा उपज 20-22 क्विं./हे. है तथा तेल की मात्रा 43 प्रतिशत है।

जवाहर सरसों-1 :- यह जाति 125-127 दिन में पककर तैयार होती है इसके 1000 दानों का वजन 5 ग्राम है तथा तेल की मात्रा 42 प्रतिशत तथा उपज 20-21 क्विं./हे.है। यह सफेद किट्ट नामक रोग के प्रतिरोधिता वाली किस्म है।

वसुन्धरा- यह किस्म 130-140 दिनों में पककर तैयार हो जाती है तथा तेल की मात्रा 40 प्रतिशत तथा उपज 20-21 क्विं./हे.है।

जवाहर सरसों-2 :- यह किस्म 135-138 दिन में तैयार होती है, तेल की मात्रा 40 प्रतिशत तथा दानों का वजन 5 ग्राम तथा उपज 15 से 30 क्विं./हे.है।

जवाहर सरसों-3 :- यह 130-132 दिनों में पककर तैयार होती है तथा इसकी फली चटकती नहीं है तेल 40 प्रतिशत तथा उपज 15 से 25 क्विं./हे.है।

जगन्नाथ- यह किस्म 125-130 दिन में पककर तैयार होती है तथा उपज 18 क्विं.प्रति होगा तथा तेल की मात्रा 40 प्रतिशत तक होती है।

जवाहर सरसों-4- यह किस्म असिंचित अवस्था के लिये उपयुक्त है। यह 125-135 दिन में पककर तैयार होती है तेल की मात्रा 43 प्रतिशत तथा दानों का वजन 5-6 ग्राम तक है।

माया- यह किस्म 125-135 दिन में पककर तैयार होती है तथा तेल की मात्रा 40 प्रतिशत एवं उपज 25-29 क्विं./हे.है।

बीजोपचार :- भरपूर पैदावार हेतु फसल को बीमारियों से बचाने हेतु बीजोपचार आवश्यक है, बीजोपचार 6 ग्राम एप्रान एस.डी.35 नामक दवा से प्रति किलो बीज दर से करें या 3 ग्राम कार्बेन्डाजिम 3 ग्राम थीरम नामक दवा द्वारा प्रतिकिलो बीज के हिसाब से करके फसल बोएं।

बुवाई का समय : बुवाई असिंचित क्षेत्रों में 20 सितंबर से 15 अक्टूबर तक, 5-6 किलोग्राम बीज दर के हिसाब से बोएं तथा सिंचित क्षेत्रों में 15 अक्टूबर से 30 अक्टूबर तक 5 किलोग्राम बीज दर/हे. के हिसाब से करें। बुवाई देशी हल या सीड ड्रिल से कतारों में करें। पंक्ति से पंक्ति की दूरी 30 से.मी. एवं बीज से बीज की दूरी 10 से.मी. रखें। गहराई 2-3 से.मी. रखें अधिक गहरा बीज बोने पर अंकुरण पर विपरीत प्रभाव पड़ता है।

खाद एवं उर्वरक की मात्रा : भरपूर पैदावार के लिये हरी खाद, गोबर की खाद या कम्पोस्ट खाद का प्रयोग करना चाहिए. सिंचित क्षेत्र के लिये 100 क्विं. पकी हुई गोबर खाद बुवाई पूर्व खेत में डालकर जुताई कर खेत में मिला लें। बारानी क्षेत्र में देशी खाद या कम्पोस्ट खाद 40-50 क्विं./हे. बुवाई पूर्ण खेत में डालकर अच्छी तरह मिला लें इसके बाद रसायनिक उर्वरकों को खेत में मिलाएं। सिंचित क्षेत्र के लिये 217 किलोग्राम यूरिया, 313 कि.ग्राम, सिंगल सुपर फास्फेट, 40 किलोग्राम, म्यूरेट ऑफ पोटाश एवं 30 किलोग्राम गंधक देने से सरसों की भरपूर पैदावार होती है। जबकि असिंचित क्षेत्र के लिये 40 किलोग्राम यूरिया, 20 किलोग्राम, सिंगल सुपर फास्फेट, 10 किलोग्राम म्यूरेट ऑफ पोटाश एवं 15 किलोग्राम गंधक देने पर अच्छी पैदावार ली जा सकती है।

रोगमुक्त होगी चना फसल

चना रबी मौसम की प्रमुख दलहनी फसल है। चने में लगने वाली इल्ली व उकठा रोग का प्रकोप इसकी उत्पादकता में प्रमुख बाधा है साथ ही कुछ क्षेत्रों में परम्परागत पुरानी किस्मों का उपयोग भी कम उत्पादकता का कारण है।

उन्नतशील प्रजातियाँ- बीज, फसल उत्पादन का महत्वपूर्ण आदान हैं। अतः बुवाई पूर्व स्वस्थ, सुडौल, रोग रहित प्रजातियों का बीज एकत्र कर रख लेना चाहिए।

बीज दर एवं बीजोपचार :- देशी चने का 75 कि.ग्रा. जबकि बड़े आकार के काबुली चने की 125 कि.ग्रा. मात्रा प्रति हे. के मान से उपयोग करना चाहिए ताकि एक वर्गमीटर क्षेत्र में 25-30 पौधे हों। बुवाई के समय लाइन से लाइन की दूरी 30 से.मी. तथा पौधे से पौधे की दूरी 10 से.मी. होना चाहिए. बोनी से पूर्व बीज को कार्बेन्डाजिम अथवा कार्बोक्सिन की 2 ग्राम मात्रा द्वारा प्रति कि.ग्रा. की दर से उपचारित करें. तत्पश्चात् राइजोबियम व पी.एस.बी. कल्चर से बीज का निवेशन करें इस हेतु 250 ग्राम गुड़ के घोल में कल्चर मिलाकर फिर बीज को उपचारित करें।

खेत की तैयारी:- खरीफ मौसम के खाली पड़े खेतों में सितम्बर में या अक्टूबर के प्रारंभ में बार-बार जुताई करें ताकि बारिश की नमी का संरक्षण हो सके। खेत से कचड़ा आदि एकत्र कर नष्ट कर देना चाहिए व पाटा लगाकर बुवाई का कार्य करें। अथवा पलेवा लगाकर बोनी करें।

उर्वरकों का उपयोग- दलहनी फसल होने के कारण चने को 743 कि.ग्रा. यूरिया व 373 कि.ग्रा. सिंगल सुपर फास्फेट की आवश्यकता सिंचित अवस्था में होती है एवं असिंचित अवस्था में 20 कि.ग्रा. यूरिया व 187 कि.ग्रा.फास्फेट, अंतिम जुताई से पूर्व एक कि.ग्रा. पी.एस.बी. कल्चर को 50 कि.ग्रा. गोबर की खाद में मिलाकर खेत में भुरकाव करने से अच्छे परिणाम मिलते हैं।

अन्य शस्य क्रियाएं:- बुवाई के 25-30 दिन बाद निंदाई कर घास निकालें. ताकि नमी का ह्रास न हो। इसी समय चने की खुटाई करना चाहिए ताकि अधिक से अधिक शाखायें निकल सकें।

बुवाई से पूर्व खेत में भलीभांति तय कर लें कि पर्याप्त नमी है तभी बुवाई करें। चने की फसल में 45-60 दिन के भीतर सिंचाई करें। ध्यान रहे कि फूल आते समय सिंचाई न करें। हल्की भूमि में नमी की कमी होने पर फली लगते समय भी सिंचाई की जानी चाहिए।

कटाई, गहाई व उपज:- परिपक्व अवस्था में आने पर फलियाँ सूखकर पीली पड़ती हैं एवं पत्तियाँ झड़ने लगती हैं। इस समय कटाई करना चाहिए। फसल की कटाई कर 2-3 दिन तक खेत में पड़ा रहने दें तत्पश्चात् गहाई करें। इस प्रकार 15-20 क्विं. किस्मों के अनुसार उत्पादन मिलता है। दानों को भलीभांति सुखाकर 8-10 प्रतिशत नमी पर भंडारित करना चाहिए।

संक्षिप्त खबरें

बाल कल्याण समिति के रिक्त पदों पर चयन हेतु चयन समिति की बैठक

सिमडेगा/बिभा संवाददाता। बाल कल्याण समिति के कार्य-कलाप और मूल्यांकन की समीक्षा एवं अधिसूचित सुरक्षा का स्थान में रिक्त पदों पर चयन हेतु चयन समिति की बैठक का आयोजन किया गया। उपायुक्त महोदय बाल कल्याण समिति के कार्य-कलाप और मूल्यांकन की समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिये। उन्होंने बाल कल्याण समिति में बच्चों से संबंधित लंबित मामलों का ससमय निष्पादन सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया गया। अधिसूचित सुरक्षा का स्थान में रिक्त पदों पर चयन हेतु मेधा सूची में चयनित अभ्यर्थियों का पुनः टाइपिंग टेस्ट करते हुए आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। बैठक में उप विकास आयुक्त संदीप कुमार दोराईबुरु, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी सुरज मुन्नी कुमारी, जिला बाल कल्याण पदाधिकारी सुमित्रा बड़ाईक, सहित अन्य पदाधिकारी गण उपस्थित थे।

सहकारिता विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की समीक्षा बैठक का आयोजन

सिमडेगा/बिभा संवाददाता। उपायुक्त सिमडेगा अजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में सहकारिता विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की समीक्षा बैठक का आयोजन की गई। बैठक में धान अधिप्राप्ति, बिरसा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, सौर ऊर्जा / विद्युत ऊर्जा चालित कोल्ड रूम निर्माण, धान बीज उठाव, उर्वरक उठाव सहित अन्य बिंदुओं की समीक्षा कर आवश्यक व उचित दिशा निर्देश दिये। समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने जिला सहकारिता पदाधिकारी को लैम्प्स/पैक्स केंद्रों के माध्यम से ससमय किसानों को उर्वरक व बीज उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। उन्होंने सौर ऊर्जा / विद्युत ऊर्जा चालित कोल्ड रूम निर्माण हेतु स्थल चयन की जानकारी ली। उपायुक्त ने धान अधिप्राप्ति केंद्र के माध्यम से इस वित्तीय वर्ष 2024 -25 धान खरीदी की जानकारी ली। जिस पर जिला सहकारिता पदाधिकारी ने बताया कि सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप 204 किसानों से 11180.46 क्विंटल धान का क्रय किया गया है। उन्होंने बताया कि धान अधिप्राप्ति के लिये 375 नए किसानों का निबंध किया गया है। उपायुक्त ने धान अधिप्राप्ति हेतु अधिक नए किसानों को जोड़ने की बात कहीं। मौके पर जिला सहकारिता पदाधिकारी आत्म अभय टोप्पो एवं सहायक निबंधक कर्मवीर मेहता उपस्थित रहे।

ठंड से राहत के लिए जरूरतमंदों के बीच कंबल वितरण जारी

गुमला/बिभा संवाददाता। ठंड के प्रकोप को ध्यान में रखते हुए उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी के निर्देशानुसार गुमला जिले के सभी प्रखंड कार्यालयों में कंबलों का वितरण सुनिश्चित किया गया है। इसके तहत प्रखंड स्तर पर जरूरतमंद नागरिकों के बीच प्राथमिकता के आधार पर कंबल वितरण किया जा रहा है। यह पहल ठंड से प्रभावित नागरिकों को राहत प्रदान करने और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से की गई है। उपायुक्त ने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे अपने-अपने प्रखंडों के ग्रामीण क्षेत्रों, निर्धन बस्तियों और जरूरतमंद समुदायों की पहचान कर पारदर्शी और त्वरित तरीके से कंबल वितरण सुनिश्चित करें। अब तक सैकड़ों की संख्या में कंबल जरूरतमंदों के बीच वितरित किए जा चुके हैं। सीकरी पंचायत में आवराटोली के कोरवा और खूंटी टोली के बिरहोर समुदायों के बीच कंबल वितरण प्रखंड विकास पदाधिकारी जारी ने स्वयं किया। आदर पंचायत में सलगी ग्राम के आदिम जनजाति परिवारों के टोला पीराहपथल में कंबल वितरण किया गया। घाघरा प्रखंड में प्रखंड विकास पदाधिकारी ने अपने हाथों से जरूरतमंद नागरिकों के बीच कंबल बांटे। सिसई प्रखंड में मुर्गू, शिवनाथपुर और पंडरिया पंचायतों में प्रखंड विकास पदाधिकारी ने कंबल वितरित किए। इसके अलावा नगर परिषद द्वारा नगर परिषद् क्षेत्र के रिक्शा चालकों के बीच भी कम्बल का वितरण किया गया।जिले के अन्य प्रखंडों में भी स्थानीय प्रशासन की देखरेख में जरूरतमंद नागरिकों को कंबल वितरित किए जा रहे हैं। जिला प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि यदि उनके आसपास कोई व्यक्ति ठंड से प्रभावित हो, तो इसकी सूचना तुरंत स्थानीय प्रशासन या जिला नियंत्रण कक्ष को दें, ताकि उसे तुरंत सहायता उपलब्ध कराई जा सके।

01 जनवरी से 31 जनवरी तक प्रशासन बनायेगा राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह

गुमला/बिभा संवाददाता। सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता लाने के लिए यातायात नियमों की अनदेखी करने वाले वाहन चालकों गांधीवादी तरीका, पटेल चौक के सामने बिना हेलमेट वाहन चालकों एवं बिना सीट बेल्ट पहने लोगो को दिया गया गुलाब का फूल एवम माला देकर यातायात नियमों का पालन करने का आग्रह किया गया। उपायुक्त के निर्देशानुसार आज जिला परिवहन पदाधिकारी राकेश कुमार गोप, डीएसपी बीरेंद्र टोप्पो, मोटरयान निरीक्षक, एवं सड़क सुरक्षा के द्वारा 03 जनवरी को सड़क दुर्घटना में जान गंवाने से बेहतर है कि यातायात नियमों का पालन करें और सुरक्षित रहें। जब आप घर से बाहर निकलते हैं तो घरवाले आपके सुरक्षित लौटने का इंतजार कर रहे होते हैं।

उपायुक्त ने पीएम जनमन योजना के तहत किये जा रहे कार्यों की समीक्षा बैठक में कहा

जिले के सभी पीभीटीजी गांवों में योजनाओं को सेच्युरेटेड करने की दिशा में करें कार्य: उपायुक्त

बिभा संवाददाता

देवघर। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी विशाल सागर की अध्यक्षता में शुक्रवार को प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत जिले के मारगोमुण्डा, मोहनपुर, पालोजोरी, सारठ, सारवां व सोनारायठाड़ी प्रखण्ड अन्तर्गत (पीभीटीजी गांव) चल रहे बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में चल कार्यो की समीक्षा बैठक का आयोजन समाहरणालय सभागार में किया गया। इस दौरान उपायुक्त ने पीभीटीजी समुदाय के विकास पर केन्द्रित प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत किये जा रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को निदेश दिया कि डोर टू डोर सर्वे करते हुए पीभीटीजी गांव में कैम्प लगाकर आवश्यकतानुसार योजनाओं से जोड़ते हुए गांवों को सेच्युरेटेड करने की दिशा में कार्य करें। साथ ही राशन कार्ड, जॉब कार्ड, आवास, आधार कार्ड, बैंक एकाउंट, स्वास्थ्य बीमा योजन, झारखण्ड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना, स्वास्थ्य कैम्प, आयुष्मान कार्ड, पीएम किसान और केसीसी से शत प्रतिशत पीभीटीजी गांवों को आच्छादित करने की दिशा में कैम्प लगाने का निदेश संबंधित विभाग के अधिकारियों को दिया, ताकि पीभीटीजी गांवों में रहने वाले जनजातीय समूहों की सामाजिक और आर्थिक रूप से सशक्त व आत्मनिर्भर बनाया जा सके।

इसके अलावे बैठक के दौरान उपायुक्त विशाल सागर ने प्रखण्डवार तरीके से आदिम जनजाति बहुल गांव एवं टोलों में सर्वे कराते हुए मुख्यमंत्री झारखण्ड उज्जवल योजना के तहत शत प्रतिशत घरों में बिजली कनेक्शन देने का निदेश विद्युत विभाग के कार्यपालक अभियंता को दिया। आगे उपायुक्त ने जल जीवन मिशन के तहत शेष बचे पीभीटीजी गांवों के शत प्रतिशत घरों में नल कनेक्शन करने का निदेश कार्यपालक अभियंता पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल देवघर व मधुपुर को दिया। साथ ही पीभीटीजी गांव में शत प्रतिशत व्यस्क लोगों का बैंक खाता खुलवाने के साथ-साथ पीएम किसान योजना और केसीसी से आच्छादित करने हेतु कैम्प लगाने का निदेश एलडीएम व जिला कृषि पदाधिकारी को दिया। समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने अपूर्ण योजनाओं के साथ-साथ नई योजनाओं का मैपिंग करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्य योजना बनाकर सभी पीभीटीजी गांव में केंद्र और राज्य सरकार के योजनाओं से लाभान्वित करने की दिशा में कार्य करें। साथ ही ग्राम सभा के माध्यम से चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों को देखते हुए निर्धारित कार्य योजना तैयार करने, विकास कार्यों को गति देने, आवश्यक बजट तकनीकी तैयार करने, विभागीय समन्वय स्थापित करने का निदेश संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। साथ ही मोबाईल मेडिकल यूनिट के माध्यम से पीभीटीजी गांव में लगातार कैम्प का आयोजन कर स्वास्थ्य सुविधा से लाभान्वित करें।

बैठक में उपरोक्त के अलावा सिविल सर्जन डॉ0 युगल किशोर चौधरी, जिला कल्याण पदाधिकारी दयानन्द दूबे, जिला पंचायती राज पदाधिकारी रणवीर सिंह, जिला शिक्षा अधीक्षक मधुकर कुमार, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी कुमारी रंजना, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा कोषांग सरीता भारती, कार्यपालक अभियंता विद्युत आपूर्ति प्रमंडल नीरज कुमार, कार्यपालक अभियंत पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल देवघर संजय प्रसाद, कार्यपालक अभियंत पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल मधुपुर राहुल प्रियदर्शी, उप निदेशक आत्मा, सहायक जनसम्पर्क पदाधिकारी रोहित कुमार विद्यार्थी के साथ-साथ संबंधित विभाग के अधिकारी कर्मी आदि उपस्थित थे।

आत्मा सभागर में टीआरएफए योजनान्तर्गत कृषकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

बिभा संवाददाता

दुमका। आत्मा सभागर दुमका में टीआरएफए योजनान्तर्गत कृषकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में जिला उद्यान पदाधिकारी गौतम कुमार, अग्रणी बैंक प्रबंधक पटेल जी. परियोजना निदेशक आत्मा संजय कुमार मंडल, कनीय पौधा संरक्षण पदाधिकारी शुभांकर गुप्ता, प्रखंड तकनीकी प्रबंधक, दुमका दीपक चन्द्र साह तथा दुमका जिले के विभिन्न प्रखंडों के कृषकगण उपस्थित हुये।

आत्मा के परियोजना निदेशक द्वारा इस प्रशिक्षण कार्यक्रम से संबंधित विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होने बताया कि टारगेटिंग राइस फॉलो एरियाज आरकेवीवाई योजना की एक उप योजना है जो कि चावल उत्पादित क्षेत्रों में दालों एवं तिलहन की खेती को बढ़ावा देती है। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन में तिलहन फसलों के लिए टीआरएफए नामक एक घटक भी शामिल है। इस योजना के अन्तर्गत कृषकों को चना, मसुर, सरसों आदि बीज कृषकों को प्रत्यक्षण हेतु निशुल्क उपलब्ध कराया जाता है।

प्रत्यक्षण का मकसद यह है कि कृषक इन बीजों को उन्नत तकनीक द्वारा अपने खेत में लगाये। इसमें बीज का उपचार, बीजों की उचित दूरी पर बुवाई एवं बीजों को पंक्ति में लगाने की सलाह दी जाती है। इस योजना के तहत कृषकों को अनुदानित दरों पर कृषि यंत्र (पंपसेट, रोटाभेटर, पावर स्प्रेयर, पाईप, थ्रेसिंग फ्लोर का निर्माण) का वितरण 50% अनुदान पर की जाती है।

जिला उद्यान पदाधिकारी गौतम कुमार द्वारा उद्यान विभाग से संचालित योजनाओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने फूलों की खेती को बढ़ावा देने हेतू कृषकों द्वारा आवेदन भी भरवाया। सब्जी की खेती करने के लिये भी कृषकों को प्रेरित किया। अग्रणी बैंक प्रबंधक पटेल जी द्वारा किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड एवं बैंक द्वारा दी जाने वाली अन्य योजनाओं के बारे में भी विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होने बताया कि किसान क्रेडिट कार्ड द्वारा ली गई ऋण को अगर सही समय में चुकता कर दिया जाय तो इसमें मात्र 4% व्याज लगता है। उन्होंने कृषकों द्वारा पूछे गये बैंक से संबंधित प्रश्नों का भी उत्तर दिया। कनीय पौधा संरक्षण पदाधिकारी शुभांकर गुप्ता द्वारा पौधों में लगने वाले कीट एवं उनकी रोकथाम एवं रोग व्याधि के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उनके विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के बारे में विस्तृत चर्चा की। सर्वप्रथम दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

सरायकेला में बाघ का खौफ, बैल पर हमला कर चूस लिया खून

सरायकेला। जिले में आम नागरिकों के बीच दहशत का माहौल है। सरायकेला जिले के चांडिल अनुमंडल क्षेत्र में बाघ आने की खबर के बाद लोगों के दरवाजे और खिड़कियां बंद होने लगी है। मजदूर काम छोड़ छोड़ कर अपने घर की ओर जा रहे हैं। छोटे-छोटे बच्चों को लेकर लोग असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। जिले के चौका थाना अंतर्गत तुलग्राम और बालीडीह के बीच जंगल में मंगलवार को बाघ आने की खबर पूरे क्षेत्र में जोरों पर है। तुलग्राम और बालीडीह जंगल के कोचा में एक बैल भी मृत अवस्था में मिला है। बैल के गला, पैर और अन्य स्थानों में चोट के निशान है। ग्रामीणों का कहना है कि जंगल में एक बाघ पहुंचा है। बैलों को जंगल पहुंचाने वाले एक बच्चे ने उसे देखा भी है। बताया गया कि बाघ ने बैल के गले पर वार कर उसका खून चूस लिया। बताया जा रहा है की बाघ को जिस युवक ने देखा है उसको बुखार आ गया है। वैसे वन विभाग के कई पदाधिकारी जंगल पहुंच कर मामले की जांच कर रहे हैं। जंगल में जानवर के पंजा के बड़े बड़े निशान भी मिलने की बात कही जा रही है।

मत्स्य पालन में उद्यमिता का विकास करें : उपायुक्त

बिभा संवाददाता

सिमडेगा। कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (मत्स्य प्रभात) के दिशा-निर्देशन पर जिला मत्स्य कार्यालय, सिमडेगा के परिसर में जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें जिले के विभिन्न प्रखण्डों से करीब 200 से अधिक मत्स्य कृषक उपस्थित हुए। कार्यशाला उद्घाटन मुख्य अतिथि उपायुक्त सिमडेगा अजय कुमार सिंह द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इस दौरान उप मत्स्य निदेशक, झारखण्ड, राँची के अमरेन्द्र कुमार, जिला कृषि पदाधिकारी मुनेंद्र दास, जिला सहकारिता पदाधिकारी आत्म अभय टोप्पो सहित अन्य पदाधिकारी गण उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपायुक्त महोदय द्वारा बताया गया कि सिमडेगा जिला एक कृषि प्रधान जिला है, जहां सिर्फ एक धान की फसल होती है, बाकी समय किसानों के पास रोजगार का काई विकल्प नहीं रहता है। जिले में कुल 3000 निजी / सरकारी जलकर है जिनमें मत्स्य पालन किया जा सकता है। साथ जिले में 36 छोटे / बड़े जलाशय है जिनमें मत्स्य पालन की अपार संभावना है। श्री विजय केरकेट्टा, बायोफ्लॉक तालाब के लाभुक द्वारा एक साल में 200000 रू0 की आमदनी प्राप्त की जिसे उपायुक्त महोदय द्वारा काफी प्रसंशनीय कार्य बताया गया तथा इसी तरह से अन्य लोंगों को भी मत्स्य पालन से जुड़ कर उद्यमिता विकास करने का अहवान् किया गया। जिस तरह से मिट्टी की नज्ब पहचानने हेतु कृषि विभाग कार्य कर रहा है उसी तरह से प्रत्येक तालाबों की मिट्टी पानी की जाँच कर नब्ज पहचानने होंगे तभी इस जिले को मछली पालन में अग्रणी जिला बना सकते है।

अनियंत्रित होकर पलटी, महिला की मौत, पति और बच्चे घायल

तमाड़। रांची टाटा राजमार्ग तमाड़ थाना क्षेत्र रुगड़ी के समीप शुक्रवार को डस्टर कार अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गयी। कार में ज्योति गुप्ता (38), सुभाष भगत (48) और उनके बेटा रौनक गुप्ता (17) बेटी आस्था गुप्ता (14) सवार थे। दुर्घटना से ज्योति गुप्ता गंभीर रूप से घायल हो गये। वही सुभाष भगत, रौनक गुप्ता, आस्था गुप्ता को हल्की चोटें आयी। गंभीर अवस्था में घायल ज्योति गुप्ता को एंबुलेंस से तमाड़ सीएचसी लाया लेकिन रास्ते में ही उन्होने दम तोड़ दिया। कार में सवार लोग मांडर से जमशेदपुर जा रहे थे। डॉ. सिम्मी ने बताया की महिला के सिर में गंभीर चोट आयी और काफी ज्यादा खून बह गय। तमाड़ पुलिस ने शव को क़ब्जे में कर लिया। शव का पोस्टमार्टम कर परिजनो को सौंपा जायेगा।

जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट की प्रबंधकीय समिति की बैठक संपन्न

बिभा संवाददाता

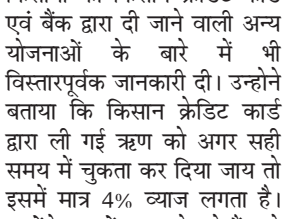

गुमला। उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी की अध्यक्षता में जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट (डीएमएफटी) की प्रबंधकीय समिति की बैठक उपायुक्त कार्यालय कक्ष में आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न योजनाओं के प्रस्तावों पर विस्तृत चर्चा की गई और उनके क्रियान्वयन के निर्देश दिए गए।

बैठक में बीशुनपुर के अंचल अधिकारी को जीएम लैंड से संबंधित प्रस्ताव और उपयोगिता प्रमाणपत्र (यूसी) प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। उपायुक्त ने पूर्ण की गई योजनाओं की जानकारी साझा करने के निर्देश देते हुए, ग्राम सभाओं का आयोजन कर ग्रामीणों की सर्वसम्मति से लिखित प्रस्ताव प्राप्त करने का आदेश दिया।

बैठक में प्रमुख निर्देश और प्रस्ताव दिये गये। विभिन्न स्थानों पर सड़क निर्माण के अधिक प्रस्ताव प्राप्त हुए, जिन पर प्राथमिकता से कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

चिरोडीह, सेरका, गुरदरी जैसे क्षेत्रों में योजनाएं: इन स्थानों में अधिक योजनाएं स्वीकृत करने की आवश्यकता पर बल दिया गया।

शौचालय निर्माण, चारदीवारी निर्माण, और अन्य आवश्यक सुविधाओं के लिए प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए गए।

जिले के विभिन्न खनन क्षेत्रों में कैमरों की स्थापना के लिए टेंडर प्रक्रिया शीघ्र पूरी करने के निर्देश।

बिमरला और हाड़ुप क्षेत्रों में एम्बुलेंस सेवा शुरू करने के निर्देश।

1 से 30 जनवरी 2025 तक राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह मनाया जाएगा

बिभा संवाददाता

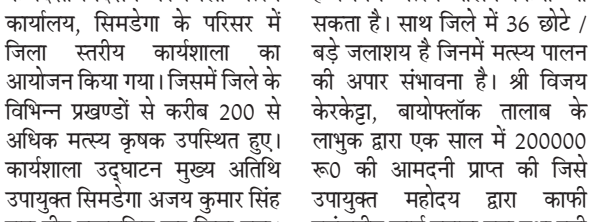

सिमडेगा। 1 जनवरी से 30 जनवरी 2025 तक राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह मनाया जाएगा। इसे लेकर विधायक कोलेबिरा नमन विक्सल कोंगाडी, विधायक सिमडेगा भूषण बाड़ा, उपायुक्त सिमडेगा अजय कुमार सिंह ने हरी झंडी दिखाकर जागरूकता वाहन को रवाना किया। जिला परिवहन कार्यालय सिमडेगा की ओर से यह कार्यक्रम चलाया जाएगा। बताया कि आए दिन सड़क दुर्घटनाएं होती रहती हैं। लोग सड़क सुरक्षा मानकों को नहीं अपना रहे हैं, नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं। इसे लेकर जागरूक किया जाएगा। सड़क सुरक्षा के बारे में बताया जाएगा। इसका उद्देश्य सड़क दुर्घटना में कमी लाना है। लोगों की जान बहुत ही कीमती है। विभाग की तरफ से लगातार जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। वाहन धीरे चलाने, नशा का सेवन कर गाड़ी न चलने सहित हेलमेट पहन कर वाहन चलाने की अपील करने का कार्य करेंगी। सिमडेगा एवं कोलेबिरा विधायक ने कहा कि सरकार द्वारा चलाई जा रही राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा का उद्देश्य है सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना। उन्होंने कहा कि विशेष कर युवाओं को सड़क सुरक्षा संबंधी नियमों की जानकारी नहीं है, बिना हेलमेट के गाड़ी चलाते हैं नशा करके बाइक चलाते हैं उन्हें इस जागरूकता रथ के माध्यम से सड़क नियम से संबंधित जागरूक करने का कार्य करेगी। उपायुक्त ने कहा कि सिमडेगा जिला सड़क दुर्घटना से काफी ग्रसित है जिसे देखते हुए सरकार द्वारा राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इस कार्यक्रम के माध्यम से आम जनों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया जाएगा। उन्होंने आम जनमानस को इस राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह कार्यक्रम में सहयोग करने की अपील की है। जिस की जिले में बढ़ती सड़क दुर्घटना पर अंकुश लगाया जा सके।

बिना हेलमेट और बिना सीट बेल्ट वाहन चालकों को गुलाब दे कर किया गया जागरूक

बिभा संवाददाता

दुमका। सड़क सुरक्षा माह के तहत जिला परिवहन पदाधिकारी दुमका जयप्रकाश करमाली के नेतृत्व व निर्देशन में सड़क सुरक्षा समिति के सदस्यों व सड़क सुरक्षा कोषांग के कर्मियों ने (डीसी चौक) पर बिना हेलमेट और बिना सीट बेल्ट दो पहिया एवं चार पहिया वाहन चालकों को गुलाब का फूल भेंट कर उन्हें उनकी गलतियों का आभाष दिलाते हुए भविष्य में बिना हेलमेट बाइक ड्राइविंग न करने की सलाह दी गई और उन्हें उन्मुख किया गया, वहीं दूसरी ओर मोटरसाइकिल में हेलमेट रहते हुए भी ड्राइविंग के दौरान हेलमेट के न प्रयोग करने पर उन्हें चेतावनी दी गई और मोटर व्हीकल एक्ट के तहत जुर्माना के प्रावधान से उन्हें वाकिफ कराया गया। चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट के प्रयोग पर ध्यान देते हुए चालकों को दुर्घटनाओं से अवगत कराया गया। बिना हेलमेट तकरीबन डेढ़- दो सौ बाइक सवारों को रोककर सड़क सुरक्षा के नियमों से उन्हें भली भांति अवगत कराया गया।

जिला परिवहन पदाधिकारी दुमका जयप्रकाश करमाली की अगुवाई में सड़क सुरक्षा समिति के सदस्यगण यथा- डॉ मनोज कुमार घोष, डॉ अमरेन्द्र सुमन, नीलकंठ झा, रमण कुमार वर्मा, अरुण कुमार सिंह, प्रदीप्तो बनर्जी, प्रधान सहायक जिला परिवहन विभाग दुमका त्रिलोकीनाथ मिश्रा, सड़क सुरक्षा कोषांग के जिला प्रबंधक दीपक कुमार, कर्मी मनोज उरांव अमित कुमार, ने सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान में भाग लिया।

इस अवसर पर जिला परिवहन पदाधिकारी ने कहा कि आज कल छोटे छोटे उम्र के बच्चे बिना ड्राइविंग लाइसेंस, हेलमेट के ही वाहनों की ड्राइविंग करते हैं जो नियमानुसार अपराध है। इतना ही नहीं एक हाथ से बाइक की हैंडल और दूसरे हाथ में मोबाइल से बातें करते हुए भी उन्हें वाहनों की ड्राइविंग करते हुए देखा जाता है, जो दुर्घटना का सबसे बड़ा कारण है। ड्राइविंग के दौरान हेडफोन पर गाने सुनना और बाइक चलाना दुर्घटनाओं को आमंत्रित करने जैसा है। उन्होंने अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि जब तक उनके बच्चे निर्धारित उम्र के नहीं हो जाते, किसी भी सूरत में उनके हाथों में बाइक न दें। उन्होंने कहा कि बिना लाइसेंस के बाइक या चार पहिया वाहन या फिर अन्य तरह के वाहन परिचालन के लिए उन्हें प्रोत्साहित न करें। इस दौरान पुलिसकर्मियों, अधिवक्ताओं को भी बिना हेलमेट वाहन की ड्राइविंग पर टोका गया और सचेत किया गया। कई कम उम्र के बच्चों ने अपना अपराध स्वीकार करते हुए आगे ऐसी गलती न दुहराने का संकल्प लिया।

राज्य स्तरीय दल ने क्षेत्र भ्रमण कर मनरेगा योजना का निरीक्षण किया

बिभा संवाददाता

सिमडेगा। राज्य स्तरीय दल द्वारा सिमडेगा जिला अंतर्गत केरसई प्रखंड के बाघड़ेगा पंचायत के पंचायत भवन एवं क्षेत्र भ्रमण कर मनरेगा योजना का निरीक्षण किया गया। पंचायत भवन में मनरेगा योजना अंतर्गत 7 रजिस्टर का सही-सही संधारण करने का निर्देश दिया गया। साथ हीं ग्रामसभा पंचायत भवन के जगह गांव में करने का निर्देश दिया गया। क्षेत्र भ्रमण के दौरान वित्तीय वर्ष 2021-22 से पूर्व के योजना को यथा शीघ्र नियमसंगत तरीके से पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। जिन लाभुकों का पशु शेड पूर्ण कर लिया गया है उसमें पशु रखने का निर्देश दिया गया। बागवानी योजना में समय समय पर दावा, खाद, पानी एवं अन्य कार्यकलाप करने का निर्देश दिया गया। योजनाओं में योजना बोर्ड, पीने का पानी, शेड मेडिकल किट इत्यादि का रखने का निर्देश दिया गया। प्रखंड विकास पदाधिकारी, मुखिया, प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी, सहायक अभियंता एवं कनीय अभियंता को पंचायत भवन में मनरेगा योजना अंतर्गत 7 रजिस्टर का संधारण प्रति सप्ताह कराने का निर्देश दिया गया। साथ ही क्षेत्र भ्रमण करते हुए मनरेगा योजना का सही तरीके से क्रियान्वयन कराने का निर्देश दिया गया। लोकपाल मनरेगा को अभिलेखों का सही तरीके से संधारण कराने का निर्देश दिया गया। पंचायत निरीक्षण के क्रम में प्रखंड विकास पदाधिकारी, लोकपाल मनरेगा, परियोजना पदाधिकारी, मुखिया, प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी, सहायक अभियंता, कनीय अभियंता, पंचायत सचिव, ग्राम रोजगार सेवक एवं अन्य उपस्थित थे।

रियलमी ने भारतीय ई-स्पोर्ट्स परिदृश्य में क्रांति लाने के लिए क्राफ्टन इंडिया के साथ की साझेदारी

नई दिल्ली।

भारत के गेमिंग उद्योग में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इसने देश को वैश्विक गेमिंग परिदृश्य में एक प्रमुख शक्ति में बदल दिया है। 2028 तक, एशिया प्रशांत क्षेत्र में गेमिंग राजस्व में 181.8 बिलियन डॉलर उत्पन्न होने का अनुमान है, जो वैश्विक बाजार का 54.4 प्रतिशत है। इस क्षेत्र के भीतर, भारत का ऑनलाइन गेमिंग बाजार 2028 तक 66,000 करोड़ रुपये तक पहुंचने की उम्मीद है, जो 14.5 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर से बढ़ रहा है। इस वृद्धि में कई कारक योगदान करते हैं, जिसमें भारत की युवा जनसांख्यिकी शामिल है। इसमें लगभग 600 मिलियन लोग 35 वर्ष से कम आयु के हैं। दुनिया के कुछ सबसे किफायती मोबाइल डेटा कीमतों और 650 मिलियन से अधिक स्मार्टफोन उपयोगकर्ताओं के साथ, भारत ने विशेष रूप से गेमिंग में डिजिटल मनोरंजन उपभोग की एक मजबूत संस्कृति विकसित की है। उद्योग की वृद्धि विशेष रूप से दो प्रमुख क्षेत्रों में स्पष्ट है। रियल-मनी गेमिंग (आरएमजी) बाजार ने कौशल-आधारित खेलों के माध्यम से महत्वपूर्ण गति प्राप्त की है, जबकि सामाजिक और आकस्मिक गेमिंग क्षेत्र युवा वयस्कों और कामकाजी पेशेवरों के बीच अपनी पहुंच का विस्तार करना जारी रखता है। ऐप-आधारित गेमिंग में यह उछाल मनोरंजन वरीयताओं में व्यापक बदलावों को दर्शाता है, जो स्मार्टफोन अपनाने और बेहतर इंटरनेट कनेक्टिविटी के बढ़ने से प्रेरित है। भारत के बढ़ते गेमिंग बाजार में और अधिक लाभ उठाने के लिए रियलमी ने बैटलग्राउंड्स मोबाइल इंडिया सीरिज (बीजीआईएस) 2025 और बैटलग्राउंड्स मोबाइल प्रो सीरिज (बीएमपीएस) 2025 के लिए आधिकारिक स्मार्टफोन भागीदार के रूप में केआरएएफटीओएन इंडिया के साथ हाथ मिलाया है। 2025 को अपने पहले समर्पित गेमिंग वर्ष के रूप में चिह्नित करते हुए, रियलमी ने ई-स्पोर्ट्स को मुख्य रणनीतिक फोकस के रूप में स्थान दिया है। यह रणनीतिक सहयोग एक महत्वपूर्ण समय पर आता है, क्योंकि भारत में 2028 तक 720 मिलियन मोबाइल गेमर्स तक पहुंचने का अनुमान है। यह साझेदारी कोलकाता में बीजीआईएस 2025 एलएएन फ़ाइनल के साथ शुरू होगी, जिसमें 2 करोड़ रुपये का पर्याप्त पुरस्कार पूल होगा, जो प्रतिस्पर्धी गेमिंग में निवेश के पैमाने को प्रदर्शित करता है।

भारत का स्मार्टफोन बाजार इस साल 50 बिलियन डॉलर के पार पहुंच जाएगा : रिपोर्ट

नई दिल्ली।

एक लेटेस्ट रिपोर्ट के अनुसार, प्रीमियमाइजेशन के चल रहे ट्रेंड और लोकल मैन्युफैक्चरिंग पर जोर के कारण भारत का स्मार्टफोन बाजार 2025 तक 50 बिलियन डॉलर के पार पहुंच जाएगा। काउंटरपॉइंट के इंडिया स्मार्टफोन आउटलुक की लेटेस्ट रिसर्च के अनुसार, भारत के स्मार्टफोन बाजार का रिटेल एवरेज सेलिंग प्राइस (एएसपी) इस साल पहली बार 300 डॉलर के पार पहुंचने की उम्मीद है। एप्पल और सैमसंग प्रीमियम और अल्ट्रा-प्रीमियम सेगमेंट में प्रतिस्पर्धी विकल्प पेश कर इस बदलाव को लीड कर रहे हैं। एप्पल को अपने प्रो मॉडल की मजबूत मांग देखने की उम्मीद है, जो लोकल मैन्युफैक्चरिंग और अपने आईफोन लाइनअप में हाल ही में की गई कीमतों में कटौती के इस बीच, सैमसंग की मूल्य-केंद्रित रणनीति खास तौर पर अपनी प्रमुख एस सीरीज के साथ लोकप्रिय हो रही है। रिपोर्ट में बताया गया है कि वनप्लस अपने फ्लैगशिप वनप्लस 13 के लॉन्च के साथ अल्ट्रा-प्रीमियम सेगमेंट (45,000 रुपये से ऊपर) में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने का लक्ष्य लेकर चल रहा है। प्रीमियमाइजेशन की ओर बदलाव की वजह यह भी है कि उपभोक्ता तेजी से ऑफलाइन स्टोर्स की ओर रुख कर रहे हैं, जहां वे खरीदारी करने से पहले प्रीमियम स्मार्टफोन का अनुभव कर सकते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि एआई-पावर्ड फीचर्स में बढ़ती दिलचस्पी ने उपभोक्ताओं को इन इनोवेशन को बेहतर ढंग से समझने में मदद की है। रिपोर्ट में कहा गया है, भारतीय स्मार्टफोन बाजार तेजी से विकसित हो रहा है, जिसमें ऑरिजनल इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरर्स (ओईएम) ब्रांड इक्विटी को मजबूत करने, तकनीकी क्षमताओं का प्रदर्शन करने और लाभप्रदता में सुधार करने के लिए प्रीमियम लॉन्च पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। किफायती प्रीमियम श्रेणी (30,000 रुपये-45,000 रुपये) में, वीवो, ओप्पो और वनप्लस जैसे ब्रांड एडवांस कैमरा सिस्टम और रिफाइंड सीएमएफ डिजाइन पेश करके ग्राहकों को आकर्षित कर रहे हैं। लोकल मार्केट के विस्तार में वनप्लस द्वारा चरणबद्ध तरीके से 6,000 करोड़ रुपये के नियोजित निवेश से इसकी रिकवरी और विकास में तेजी आने की उम्मीद है। रिपोर्ट के अनुसार, देश में प्रीमियम सेगमेंट (30,000 रुपये और उससे अधिक) का बाजार हिस्सा 2025 तक 20 प्रतिशत से अधिक होने का अनुमान है।

देश की अर्थव्यवस्था में हाउसिंग सेक्टर का बढ़ेगा योगदान, छोटे शहर बन रहे नए ग्रोथ हब: रिपोर्ट

नई दिल्ली।

भारत के हाउसिंग सेक्टर का जीडीपी में योगदान बढ़कर 2025 तक 13 प्रतिशत होने की उम्मीद है। यह जानकारी शुक्रवार को एक रिपोर्ट में दी गई। जेएलएल की रिपोर्ट में बताया गया कि 2030 तक रियल एस्टेट सेक्टर बढ़कर एक ट्रिलियन डॉलर की मार्केट बन सकता है। यह सेक्टर डेमोग्राफिक शिफ्ट, पॉलिसी रिफॉर्म और ग्लोबल ट्रेंड से प्रभावित होगा। टियर 2 और 3 शहर प्रमुख विकास केंद्रों के रूप में उभर रहे हैं।जयपुर, इंदौर और कोच्चि जैसे छोटे शहरी केंद्रों का 2025 तक नए आवासों में योगदान 40 प्रतिशत होगा। शहरी घर स्वामित्व दर 2025 तक बढ़कर 72 प्रतिशत हो सकती है, जो कि 2020 में 65 प्रतिशत थी। रिपोर्ट में आगे कहा गया कि मिलेनियल्स और जेन जेड खरीदारों की संख्या 2030 तक 60 प्रतिशत होने की उम्मीद है। रिपोर्ट के अनुसार, सस्टेनेबिलिटी को पहले एक लग्जरी माना जाता था। ग्रीन-सर्टिफाइड बिल्डिंग्स की संख्या 2025 तक बढ़कर 30 प्रतिशत होने की उम्मीद है। 2020 में यह संख्या 15 प्रतिशत थी। एलईईडी (लीडरशीप इन एनर्जी एंड एनवायरमेंट डिजाइन) जैसे ग्रीन बिल्डिंग सर्टिफिकेशन अधिक आम होते जा रहे हैं क्योंकि रियल एस्टेट उद्योग सस्टेनेबिलिटी को प्राथमिकता दे रहा है।2024 के दौरान बेची गई रेजिडेंशियल यूनिट्स की संख्या 2023 की कुल बिक्री की तुलना में 17 प्रतिशत अधिक थी। मिश्रित उपयोग वाले विकास तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं, जो लिव-वर्क-प्ले वातावरण बनाने की दिशा में जा रहे वैश्विक ट्रेंड को दिखाता है। रिपोर्ट में बताया गया है, इस तरह का विकास एक ही परियोजना के भीतर आवासीय, वाणिज्यिक और मनोरंजक स्थानों को जोड़ते हैं, जिससे निवासियों को पैदल दूरी के भीतर उनकी जरूरत की हर चीज मिलने की सुविधा मिलती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि स्मार्ट घरों और तकनीक-एकीकृत रहने की जगहों की मांग भी आसमान छू रही है।

अप्रैल-दिसंबर में निजी, वाणिज्यिक खदानों से कोयला उत्पादन 34 फीसदी बढ़ा

- एक साल पहले नौ करोड़ 76.65 लाख टन का हुआ था

नई दिल्ली ।

चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-दिसंबर में निजी उपयोग वाली (कैप्टिव) और वाणिज्यिक खदानों से कोयला उत्पादन 34.2 प्रतिशत बढ़कर 13 करोड़ 10.5 लाख टन हो गया। एक साल पहले की समान अवधि में निजी उपयोग वाली और वाणिज्यिक खदानों से कोयला उत्पादन नौ करोड़ 76.65 लाख टन का हुआ था। कोयला मंत्रालय ने कहा कि दिसंबर में निजी उपयोग वाली और वाणिज्यिक खदानों से कोयला उत्पादन एक करोड़ 84 लाख टन का हुआ था। सरकार द्वारा जारी आठ प्रमुख उद्योगों के सूचकांक (आधार वर्ष 2011-12) के अनुसार, कोयला क्षेत्र ने एक साल पहले 185.7 अंक की तुलना में नवंबर, 2024 में 7.5 प्रतिशत (अस्थायी) की वृद्धि के साथ 199.6 अंक दर्ज किए हैं। कोयला उद्योग का सूचकांक अप्रैल-नवंबर, 2024 के दौरान 172.9 अंक पर पहुंच गया, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि के दौरान यह 162.5 अंक था, जो सभी आठ प्रमुख उद्योगों में 6.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

मार्च 2024 को खत्म वित्त वर्ष में 4.67 करोड़ अतिरिक्त रोजगार सृजित हुए

मुंबई ।

मार्च 2024 को खत्म वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था में 4.67 करोड़ अतिरिक्त रोजगार सृजित हुए। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2024-25 में रोजगार सृजन की रफ्तार बरकार रही। सांख्यिकी मंत्रालय द्वारा जारी वार्षिक सर्वेक्षण के अनुसार, अक्टूबर 2023 से सितंबर 2024 के दौरान भारत के असंगठित क्षेत्र में कुल अनुमानित रोजगार में पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 10.01 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। असंगठित क्षेत्र उद्यमों के वार्षिक सर्वेक्षण से पता चलता है कि कवर किए गए व्यापक क्षेत्रों (ब्रॉड सेक्टर) में, अन्य सेवाओं (अन्य सर्विस) में प्रतिष्ठानों ने अक्टूबर 2023 और सितंबर 2024 के बीच 12 करोड़ से अधिक अतिरिक्त श्रमिकों को रोजगार दिया। यह 2022-23 से एक करोड़ से अधिक श्रमिकों की वृद्धि और मजबूत श्रम बाजार वृद्धि को दिखाता है। असंगठित गैर-कृषि क्षेत्र भारतीय अर्थव्यवस्था में रोजगार, सकल घरेलू उत्पाद और सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य में महत्वपूर्ण योगदान देता है। यह क्षेत्र न केवल लाखों लोगों की आजीविका को बनाए रखता है, बल्कि घरेलू मूल्य श्रृंखला (डोमेस्टिक वैल्यू चेन) में अपनी भूमिका को मजबूत कर वस्तुओं और सेवाओं की सप्लाई करता है। इसी तरह, औपचारिक क्षेत्र में वृद्धि जारी रही है। यह क्षेत्र में बेहतर गुणवत्ता वाली नौकरियां प्रदान करता है। नवंबर 2024 में जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही के दौरान तीन सामाजिक सुरक्षा योजनाओं में नए सदस्यों की संख्या में पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में वृद्धि की है। कर्मचारी भविष्य निधि योजना में नए आवेदन, जो बड़े संगठनों और बेहतर वेतन वाले कर्मचारियों पर लागू होते हैं, पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 2024-25 की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर) में 2.3 प्रतिशत बढ़कर 6.1 मिलियन हो गए।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को भारतीय रुपया शुरुआती कारोबार में चार पैसे की गिरावट के साथ 85.79 पर बंद हुआ। विदेशी बाजार में अमेरिकी डॉलर की मजबूती और घरेलू शेयर बाजार में नरम रुख का असर घरेलू मुद्रा पर पड़ा जिससे रुपया कमजोर हुआ है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि अमेरिकी डॉलर 2024 में अधिकतर मुद्राओं के मुकाबले मजबूत रहा और इस वर्ष भी वह मजबूत स्थिति में बना रहेगा। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.77 पर खुला। फिर फिसलकर 85.78 प्रति डॉलर पर आ गया, जो पिछले बंद भाव से तीन पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया गुरुवार को 11 पैसे कमजोर होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.75 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.19 प्रतिशत की गिरावट के साथ 109.19 पर रहा।

इस साल उत्तरी मुंबई लोकसभा क्षेत्र के विकास में कई महत्वपूर्ण पहलों पर देना होगा जोर:गोयल

झुग्गी-झोपड़ियों का पुनर्विकास, सड़क और रेलवे लाइनों का विस्तार जैसी मुख्य परियोजनाएं शामिल

नई दिल्ली । केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने बताया कि उनके लोकसभा क्षेत्र के विकास में इस साल कई महत्वपूर्ण पहलों पर काम होगा। उन्होंने झुग्गी-झोपड़ियों का पुनर्विकास, सड़क और रेलवे लाइनों का विस्तार जैसी मुख्य परियोजनाओं को लेकर मी डिया से चर्चा की। उन्होंने बयान किया कि इस साल उनके निर्वाचन क्षेत्र में कई बड़ी योजनाएं हैं, जिनमें झुग्गी-झोपड़ियों को पक्के मकान में बदलना भी शामिल है। गोयल ने बताया कि तेजी से लंबित परियोजनाओं का पुनरीक्षण करने के लिए वह मुंबई में सभी संबंधित विभागों के प्रमुखों से मिलेंगे। उन्होंने कहा कि चार जनवरी को उनके द्वारा लिए गए कदमों की समीक्षा की जाएगी और लंबित मुद्दों के लिए समयबद्ध कार्य योजना तैयार की जाएगी। मंत्री ने कहि कि हम चाहते हैं कि झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले लोगों को उसी स्थान पर पक्के मकान उपलब्ध करा सकें। हमारा लक्ष्य है जीवन को सुगम बनाने के लिए रेलवे स्टेशनों का विकास करना है। उन्होंने भी बताया कि उनके क्षेत्र में चार रेलवे स्टेशनों पर अमृत भारत स्टेशन योजना की शुरुआत होने वाली है। मंत्री ने व्यक्त किया कि उन्हें पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए विचार करने का भी मौका मिला है, क्योंकि उनके क्षेत्र में संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान और खूबसूरत समुद्र है। उन्होंने आगे बढ़ते हुए कहा कि उन्हें लोगों के लिए बेहतर जीवनस्तर प्रदान करने के लिए और भी कई पहल करनी हैं।

एनवीडिया बनी बीते साल सबसे ज्यादा मार्केट कैप हासिल करने वाली कंपनी

मुंबई ।

एआई चिप विनिर्माता अमेरिकी कंपनी एनवीडिया पिछले साल सबसे ज्यादा मार्केट कैप पाने वाली कंपनी बनी। इस दौरान कंपनी के शेयरों में 170 फीसदी तेजी रही और उसके मार्केट कैप में करीब 2 ट्रिलियन डॉलर का इजाफा हुआ। यह दुनिया के सबसे बड़े अमीर एलन मस्क की नेटवर्थ (415 अरब डॉलर) से करीब पांच गुना है। एप्पल के बाद एनवीडिया दुनिया की दूसरी बड़ी वैल्यूएबल कंपनी है। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस में दुनिया की बढ़ रही दिलचस्पी और विभिन्न इंडस्ट्रीज में एआई सेंट्रिक चिप्स की बढ़ती मांग से एनवीडिया के शेयरों में भारी तेजी दिखाई दे रही है। 2023 के अंत में कंपनी की मार्केट वैल्यू 1.2 ट्रिलियन डॉलर थी जो 2024 के अंत में 3.28 ट्रिलियन डॉलर पहुंच गई। 2023 में कंपनी का शेयर 240 प्रतिशत का उछला था। इस बीच एप्पल दुनिया का सबसे वैल्यूएबल कंपनी बनी रही। इसका मार्केट कैप 4 ट्रिलियन डॉलर के करीब पहुंच चुका है। कंपनी ने एआई पर फोकस किया है, इससे उसकी बिक्री में आगे तेजी आने की उम्मीद है। इसकारण कंपनी में निवेशकों की दिलचस्पी बनी हुई है। 2024 के अंत में माइक्रोसॉफ्ट 3.1 ट्रिलियन डॉलर के साथ दुनिया की तीसरी वैल्यूबल कंपनी रही जबकि गूगल की पेरेंट कंपनी अल्फाबेट इंक और अमेजॉन की वैल्यू करीब 2.3 ट्रिलियन डॉलर रही। सऊदी अरामको, फेसबुक, टेस्ला, ब्रॉडकॉम और टीएसएमसी टॉप 10 में शामिल रहीं। भारत की मोस्ट वैल्यूएबल कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के लिए पिछला साल अच्छा नहीं रहा। 10 साल में पहली बार कंपनी के शेयरों ने निगेटिव रिटर्न दिया और दुनिया की सबसे वैल्यूएबल कंपनियों की लिस्ट में 68वें नंबर पर पहुंच गई थी। गुरुवार को इसमें पांच स्थान का सुधार हुआ और यह 63वें नंबर पर आ गई।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 720 , निफ्टी 183 अंक नीचे आया

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार बाजार में ये गिरावट मुनाफावसूली हावी होने से आई है। निवेशकों ने कंपनियों के तीसरी तिमाही के परिणामों से पहले जमकर मुनाफावसूली की जिससे भी बाजार लाल निशान पर बंद हुए। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 720.60 अंक करीब 0.90 फीसदी की गिरावट के साथ ही 79,223.11 पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी निफ्टी में 183.90 अंक तकरीबन 0.76 फीसदी नीचे आकर 24,004.75 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की कंपनियों में जोमैटो का शेयर सबसे ज्यादा टूटा। इसके साथ ही एचडीएफसी बैंक, टेक महिंद्रा, अदाणी पोर्ट्स, टीसीएस, आईसीआईसीआई बैंक, सनफार्मा, आईटीसी, एलएडंटी, एचसीएल टेक, भारती एयरटेल के शेयर भी गिरावट पर बंद हुए। दूसरी ओर टाइटन और टाटा मोटर्स के शेयर लाभ में रहे। इसके अलावा हिंदुस्तान यूनिलीवर, मारुति, रिलायंस, एनटीपीसी, नेस्ले, अल्ट्रा सीमेंट, टाटा स्टील और बजाज फाइनेंस के शेयर भी बढ़त पर बंद हुए। माना जा रहा है कि वित्तीय और आईटी स्टॉक्स में बिकवाली की वजह से भी बाजार में ये गिरावट दर्ज की गयी है। निवेशल सोमवार को शरू हो रहे कंपनियों के दिसंबर तिमाही के नतीजों से पहले सतर्क रुख अपना रहे हैं। इसके अलावा एशियाई और अमेरिकी स्टॉक मार्केट में गिरावट से भी घरेलू बाजारों पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। जानकारों के अनुसार अगले सप्ताह से शुरू हो रहे भारतीय कंपनियों के दिसंबर तिमाही के परिणामों से तय होगा कि बाजार किस दिशा में बढ़ेगा।

इससे पहले आज सुबह बाजार बढ़त पर खुलने के कुछ समय बाद ही फिसल गया। बाजार के प्रमुख बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी कुछ समय बाद ही लाल निशान में आ गये। निवेशकों की नजर अब अगले हफ्ते से शुरू हो रहे कंपनियों के तीसरी तिमाही के नतीजे और अमेरिका में ब्याज दरों में कटौती की संभावनाओं पर टिकी हुई है। सुबह की शुरुआत में सेंसेक्स 364.96 अंक की गिरावट लेकर 79,578.75 पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टीभी मामूली बढ़त लेकर खुला पर खुलते ही गिरावट में चला गया। एशिआई बाजारों में शुक्रवार को मिलाजुला असर देखने को मिल रहा है। जापान का निक्की इंडेक्स और चीन का शंघाई कंपोजिट गिरावट में कारोबार कर रहे थे जबकि हांगकांग का हैंगसेंग इंडेक्स हरे निशान में कारोबार कर रहा था। अमेरिकी शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट में बंद हुए जबकि यूरोपीय बाजार बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे।

चीन में रियल एस्टेट संकट से लड़खड़ाई दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था

मुंबई । चीन तेज़ आर्थिक विकास के मामले में हमेशा आगे रहा है ले किन अब उसे गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है। दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था अपने इतिहास के सबसे बड़े रियल एस्टेट के संकट से जूझ रही है। चीन के संपत्ति बाजार में पिछले तीन वर्षों में भारी गिरावट देखी गई है। 2021 से अब तक 18 ट्रिलियन डॉलर का अनुमानित घरेलू संपत्ति का नुकसान हुआ है, जो 2008-09 के वैश्विक वित्तीय संकट में अमेरिका द्वारा झेले गए नुकसानों से भी अधिक है। चीन की अर्थव्यवस्था पर वर्षों की अधिक कर्ज़दारी, अधिक निर्माण और अधिक उत्पादन क्षमता का बोझ है। ये समस्याएं घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर गंभीर परिणाम पैदा कर रही हैं। कई रियल एस्टेट कंपनियों पर भारी कर्ज़ है और संपत्तियों की मांग में कमी ने इस संकट को और बढ़ा दिया। चीन के कई हिस्सों में घोस्ट टाउन यानी खाली पड़े शहर निर्माण का उदाहरण हैं। वहीं औद्योगिक क्षेत्रों में उत्पादन क्षमता वास्तविक मांग से कहीं अधिक है, जिससे कीमतों और आर्थिक स्थिरता पर असर पड़ा है।

सोने और चांदी के भाव में तेजी

सोने का भाव 77,900 रुपए, चांदी 89,290 रुपए प्रति किलोग्राम

नई दिल्ली। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को सोने-चांदी के वायदा भाव में तेजी देखी जा रही है। यह लगातार तीसरा दिन है जब सोने-चांदी की कीमत में तेजी जारी है। 1 जनवरी से दोनों के वायदा भाव में तेजी जारी है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का भाव 0.24 फीसदी की तेजी के साथ 77,900 रुपए प्रति 10 ग्राम जबकि चांदी 0.13 फीसदी बढ़त के साथ 89,290 रुपए प्रति किलोग्राम पर है। आभूषण और खुदरा विक्रेताओं की सतत लिवाली के कारि गुरुवार को राष्ट्रीय राजधानी में सोने की कीमत 330 रुपए बढ़कर 79,720 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई। बुधवार को सोना 79,390 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। गुरुवार को चांदी भी 130 रुपए बढ़कर 90,630 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई। पिछले कारोबारी सत्र में चांदी 90,500 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत बुधवार को 78,840 रुपए प्रति 10 ग्राम के पिछले बंद से 330 रुपए बढ़कर 79,170 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई। कारोबारियों ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कीमती धातुओं की कीमतों में तेजी से सर्राफा कीमतों को समर्थन मिला।

वेंचुरा ने ब्लैक बॉक्स लिमिटेड को दी खरीद रेटिंग, जताई 27.3 प्रतिशत वृद्धि की संभावना

मुंबई।

ब्रोकरेज हाउस वेंचुरा की गुरुवार को आई रिपोर्ट के अनुसार, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी ब्लैक बॉक्स के शेयर में अगले 24 से 30 महीनों में मौजूदा कीमत 649 रुपये से 826 रुपये तक 27.3 प्रतिशत की वृद्धि की संभावना है। रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 24 में बिक्री वृद्धि में मंदी व परियोजना निष्पादन और निर्णय लेने में देरी के बावजूद ब्लैक बॉक्स अपने अगले विकास चरण के लिए तैयार है। कंपनी को उम्मीद है कि इसकी पाइपलाइन बढ़कर तीन बिलियन डॉलर हो जाएगी और इसका लक्ष्य मौजूदा 20 प्रतिशत से बढ़कर लगभग 25 प्रतिशत की रूपांतरण दर हासिल करना है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ब्लैक बॉक्स ने शीर्ष 300 ग्राहकों पर ध्यान केंद्रित करके और कम लाभदायक लॉन्ग-टेल ग्राहकों से बाहर निकलकर अपनी रणनीति में बदलाव किया है, क्योंकि वे मार्जिन वृद्धि में योगदान नहीं देते हैं। इसके अतिरिक्त, कंपनी ने उद्योग वर्टिकल और उत्पाद पोर्टफोलियो क्षैतिज को शामिल करते हुए मैट्रिक्स-आधारित दृष्टिकोण को अपनाकर अपनी गो-टू-मार्केट रणनीति को नवीनीकृत करने की योजना बनाई है। यह रणनीति उद्योग-विशिष्ट समाधान प्रदान करने और ग्राहक जुड़ाव को बढ़ाने के लिए डिजाइन की गई है। वेंचुरा ने कहा, ÷हमें उम्मीद है कि हमारा राजस्व वित्त वर्ष 24 में 6,281.6 करोड़ रुपये से बढ़कर वित्त वर्ष 27 ई तक 7,996 करोड़ रुपये हो जाएगा। कंपनी मुख्य रूप से उत्तरी अमेरिका और भारत में डेटा केंद्रों पर ध्यान केंद्रित करने की योजना बना रही है। मेटा, अमेजॉन और माइक्रोसॉफ्ट जैसे प्रमुख हाइपरस्केलर्स वाले ग्राहक आधार के साथ, जिनसे डेटा सेंटर बिल्डआउट में महत्वपूर्ण रूप से निवेश करने की उम्मीद है, डेटा सेंटर से राजस्व में योगदान अनुपातहीन रूप से उच्च होने का अनुमान है, जो वित्त वर्ष 27 ई तक 1,256 करोड़ रुपये से बढ़कर 15 प्रतिशत की सीएजीआर पर 1,994 करोड़ रुपये हो जाएगा। इस बीच, प्रौद्योगिकी उत्पाद समाधान (टीपीएस) वर्टिकल वर्तमान में कुल राजस्व में 12 से 13 प्रतिशत के बीच योगदान देता है और उम्मीद है कि इसमें तेजी आएगी। राजस्व के 9 प्रतिशत सीएजीआर से बढ़कर वित्त वर्ष 27ई तक 758 करोड़ रुपये से 982 करोड़ रुपये होने का अनुमान है। इसके अतिरिक्त, परामर्श व्यवसाय से भी समग्र विकास प्रक्षेपवक्र को पूरक बनाने की उम्मीद है, जो वित्त वर्ष 27ई तक 2 प्रतिशत सीएजीआर से 106 करोड़ रुपये से बढ़कर 112 करोड़ रुपये हो जाएगा।

भारत का कार्यालय बाजार 2024 में रिकॉर्ड ऊंचाइयों पर: रिपोर्ट

शीर्ष आठ शहरों में सकल कार्यालय स्थल की मांग 19 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली । भारत का कार्यालय बाजार 2024 में रिकॉर्ड ऊंचाइयों को छू गया है। पिछले वर्ष की तुलना में कार्यालय स्थल की पट्टा मांग में 19 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है, जिससे कार्यालय स्पेस की मांग ने विस्तार किया। रियल एस्टेट परामर्शदाताओं के अनुसार कुशमैन एंड वेकफील्ड की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में कार्यालय स्थल की सकल मांग 2023 में 745.6 लाख वर्ग फुट थी जो 2024 में 885.2 लाख वर्ग फुट पर पहुंच गई है। भारत, दक्षिण पूर्व एशिया और एपीएसी (एशियाई एकीकरण) के टेनेंट रिप्रेसेंटेशन के एक मुख्य कार्यकारी ने इसे निर्णायक वर्ष बताया है। बाजार में भारी वृद्धि दर्ज की गई है, जैसे बेंगलुरु में मांग 64 प्रतिशत बढ़कर 259.3 लाख वर्ग फुट, मुंबई में 27 प्रतिशत बढ़कर 178.4 लाख वर्ग फुट, हैदराबाद में 37 प्रतिशत बढ़कर 123.1 लाख वर्गफुट और अहमदाबाद में 11 प्रतिशत बढ़कर 18.1 लाख वर्ग फुट मांग दर्ज की गई है। हालांकि, दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर), चेन्नई और पुणे में कार्यालय की मांग में कुछ गिरावट दर्ज की गई है, जबकि कोलकाता का बाजार स्थिर रहा है। इस जानकारी से स्पष्ट है कि भारतीय कार्यालय बाजार 2024 में काफी सक्रिय रहा है और स्थिर हमलों की प्रेरक राजनीति का पाठ्य है।

बुमराह की कप्तानी में उतरी भारतीय टीम पहली पारी में 185 रनों पर सिमटी

ऑस्ट्रेलिया ने एक विकेट पर 9 रन बनाये

सिडनी (एजेंसी)। जसप्रीत बुमराह की कप्तानी में यहां ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांचवें और अंतिम क्रिकेट टेस्ट में उतरी भारतीय टीम एक बार फिर मेजबान गेंदबाजों का सामना नहीं कर पायी और अपनी पहली पारी में 185 रनों पर ही सिमट गयी। ऋषभ पंत ने सबसे ज्यादा 40 रन बनाये, वहीं अन्य बल्लेबाज सस्ते में ही पेवेलियन लौट गये। इसके बाद बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने दिन का खेल समाप्त तक अपनी पहली पारी में तीन ओवरों में एक विकेट के नुकसान पर 9 रन बना लिए थे। उस्मान ख्वाजा केवल 2 रन पर ही पेवेलियन लौट गये जबकि सैम कोनस्टास 7 रन बनाकर खेल रहे थे।

वहीं आज सुबह भारतीय टीम की कप्तानी करते हुए बुमराह ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया पर वह सही साबित नहीं हुआ। भारतीय टीम की शुरूआत अच्छी नहीं रही और उसने शुरुआती दो विकेट केवल 17 रनों पर ही खो दिये। भारतीय टीम की ओर से विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने सबसे ज्यादा 40 रन बनाये। सलामी बल्लेबाजों के साथ-साथ कोहली और जडेजा जैसे अनुभवी खिलाड़ी भी रन नहीं बना पाये। भारत की पारी की शुरुआत अच्छी नहीं रही। सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल 10 रनों पर ही आउट हो गये । इसके बाद केएल राहुल के उम्मीद थी पर वह केवल 4 रन ही बना पाये। शुभमन गिल ने इस मैच में वापसी करते हुए केवल 20 रन बनाये। अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली भी 17 रन ही बना पाये। ऋषभ ने सबसे ज्यादा 40 रन बनाये। वहीं रविंद्र जडेजा 26 रनों पर आउट हुए। पिछले मैच में शतक लगाने वाले नितीश रेड्डी शून्य पर ही आउट हो गये। वाशिंगटन सुंदर ने 14 जबकि प्रसिद्ध कृष्णा ने 2 रन बनाये। बुमराह 17 गेंद पर 22 रन बनाकर आउट। बुमराह ने 3 चौके और 1 छक्का लगाया। मोहम्मद सिराज 17 रन बनाकर नाबाद रहे। मेजबान कंगारुओं की ओर से स्कॉट बोलैंड ने 4, मिचेल स्टार्क ने 3, पैट कमिंस ने 2 और नाथन लियोन ने 1 विकेट लिया। भारतीय टीम की अंतिम 11 में रोहित शर्मा की जगह शुभमन गिल और चोटिल आकाशदीप की जगह प्रसिद्ध कृष्णा को मौका मिला। इस मैच में भारतीय टीम के नियमित कप्तान रोहित शर्मा ने आराम लिया। जिस कारण बुमराह को कप्तानी दी गयी थी। इस मैच में शुभमन गिल की अंतिम एकादश में जगह मिली है जबकि तेज गेंदबाज कृष्णा को पहली बारी सीरीज में खेलने का अवसर मिला है। दूसरी ओर ऑस्ट्रेलिया ने एक बदलाव के तहत ही मिचेल मार्श की जगह ब्यू वेबस्टर को शामिल किया है। ऑस्ट्रेलिया ने ऑलराउंडर वेबस्टर को खराब फॉर्म में चल रहे मिचेल मार्श की जगह शामिल किया गया है। वेबस्टर ने इस मैच से पदार्पण किया। उन्हें पूर्व क्रिकेटर मार्क वॉ ने टेस्ट कैप सौंपी।

रोहित भारतीय क्रिकेट के इतिहास में टीम से बाहर होने वाले पहले कप्तान बने

सिडनी (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम शुक्रवार को बॉर्डर-गावस्कर सीरीज के अंतिम मैच में जसप्रीत बुमराह की कप्तानी में उतरी। इस मैच में नियमित कप्तान रोहित शर्मा ने आराम का फैसला किया। रोहित अब ऐसे पहले कप्तान हो गये हैं जिन्हें अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिली है। भारतीय क्रिकेट में कई बार सीरीज में कप्तान बदले हैं पर टीम में रहते हुए अंतिम ग्यारह से बाहर रहने का ये पहला मामला है। वहीं विश्व क्रिकेट की बात करें तो चौथी बार ऐसा हुआ है।

इससे पहले किसी कप्तान को अंतिम ग्यारह से बाहर करने का पहला मामला 1974 की एशेज सीरीज में आया था। उस समय इंग्लैंड के माइक डेनेस चौथे टेस्ट से बाहर रहे थे और उनकी जगह जॉन एडरिच को कप्तानी दी गयी थी पर अगले टेस्ट में उनकी वापसी हो गयी थी जबकि रोहित के मामले में ऐसा नहीं हो सकता। साल 2014 के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में ऐसा पहली बार हुआ है। अंतिम बार पाकिस्तान के मिस्बाह उल हक ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के बीच बाहर होने का फैसला किया था, उनकी जगह शाहिद अफरीदी को टीम का कप्तान बनाया गया था।

उसी साल दिनेश चंडीमल भी सेमीफाइनल और फाइनल सहित टी20 वर्ल्ड कप के अंतिम तीन मैचों के लिए श्रीलंकाई लाइन-अप से बाहर रहे थ और तब लसिथ मलिंगा ने तब कप्तानी की जिम्मेदारी संभाली थी और टीम को पहला टी20 वर्ल्ड कप खिताब जिताया था।

कोहली के कैच पर उठा विवाद , नॉट आउट दिये गये

सिडनी (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के खिलाफ सिडनी टेस्ट मैच में पहली ही गेंद पर आउट की अपील की गयी हालांकि कोहली को आउट नहीं दिया गया। इसपर काफी विवाद भी हुआ। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर और इरफान पठान ने जहां अंपायर के इस फैसले को सही बताया। वहीं इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने इसे गलत बताया। कोहली के आउट होने का रिव्यू भी लिया गया।

इस कैच पर की गयी अपील को टीवी अंपायर ने समीक्षा के बाद खारिज कर दिया। उनका कहना था कि गेंद जमीन से लग गयी थी। इसके बाद इस फैसले पर विवाद हो गया। जहां गावस्कर और पठान ने विराट को नॉटआउट बताया। वहीं इंग्लैंड के माइकल वॉन और ऑस्ट्रेलिया के जस्टिन लैंगर का कहना है कि विराट आउट हैं क्योंकि गेंद सीधे स्मिथ के हाथ में पहुंची थी।

इरफान पठान ने सोशल मीडिया लिखा, 'कोहली नाट आउट थे। अंपायर ने उन्हें आउट न देकर सही किया।' वहीं वॉन ने कहा कि स्मिथ की उंगली गेंद के नीचे थ। इसलिए विराट कोहली आउट थे।' लैंगर का मानना है कि विराट निश्चित रूप से आउट थे। स्मिथ की उंगली गेंद के नीचे थी। इस में रोहित शर्मा का आराम देकर जसप्रीत बुमराह को कप्तानी दी गयी। इस मैच में शुभमन गिल को अंतिम एकादश में जगह मिली है जबकि तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा को सीरीज में पहली बार अवसर मिला है।

मैं मानसिक रूप से ठीक नहीं था... सिडनी टेस्ट में आया ऋषभ पंत का बड़ा बयान

सिडनी (ऑस्ट्रेलिया) (एजेंसी)। सिडनी में अंतिम टेस्ट के पहले दिन भारतीय बल्लेबाजों के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत ने पारी के दौरान बरते अधिक रक्षात्मक दृष्टिकोण पर बात की। उन्होंने कहा कि कभी-कभी किसी को 'समझदारी से क्रिकेट' खेलने की जरूरत होती है। आज विकेट बल्लेबाजों के लिए मददगार नहीं था इसलिए उन्हें अपने स्वाभाविक खेल पर लगाम लगानी पड़ी। सिडनी टेस्ट के पहले दिन भारत के लिए बल्लेबाजी इकाई के रूप में एक और निराशाजनक दिन रहा क्योंकि शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों ने एक बार फिर अपने विकेट खराब शॉट के कारण गंवा दिए। स्कॉट बोलैंड (4/31) ने भारत को परेशान किया, जबकि ऋषभ ने 98 गेंदों में 3 चौकों और 1 छक्के की मदद से 40 रन बनाए। अपनी पारी के दौरान पंत को कई शारीरिक चोटें भी लगीं।

पंत ने पोस्ट-डे प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अपनी पारी के बारे में बात करते हुए कहा कि मुझे लगता है कि इस पारी में मैं उस मानसिक स्थिति में नहीं था, जहां मैं खेल की कमान संभालना चाहता था, क्योंकि विकेट बहुत ज्यादा हिल रहा था। और जिस तरह की स्थिति में हम थे और अंदर खेलते हुए मुझे लगा कि मैं थोड़ा रक्षात्मक क्रिकेट खेल सकता हूं। हां, आक्रमण करने का एक समय होता है, लेकिन जब आपको अंदर से ऐसा महसूस करना होता है। मैं पहले से यह नहीं सोच सकता कि मैं इस तरह से खेलूंगा, खेल ने मुझे उस दिन जो भी करने के लिए कहा, मैं वही करने की कोशिश करता हूं और यही मेरी मानसिकता थी।

पंत ने कहा कि बल्लेबाजी करते समय अपने साहसी स्ट्रोकप्ले पर जीवित रहने को प्राथमिकता देना थोड़ा मुश्किल है। पंत ने कहा कि इस पारी में 50-50 प्रतिशत संभावना थी जिसे मैं शुरू में भुना सकता था, लेकिन कभी-कभी आपको अधिक सुरक्षित क्रिकेट खेलना होता है, विशेषकर जिस तरह से (एससीजी) विकेट व्यवहार कर रहा था, हम जानते थे कि अगर हमें यहां एक और विकेट मिल गया तो हम जल्दी-जल्दी दो-तीन विकेट खो सकते हैं, इसलिए जिस तरह से मैं खेल रहा था उसके पीछे यही विचार था और पिछले मैच में हमारे सामने जिस तरह का लक्ष्य था, उसमें कुछ खास करने को नहीं था, मुझे लगता है कि मुझे उसी तरह (रक्षात्मक) खेलना था, इसलिए मुझे लगता है कि मैं जिस तरह से खेल रहा हूं, वह ठीक है। इस बीजीटी के दौरान अब तक 5 मैचों और 8 पारियों में पंत ने 48.62 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 24.25 की औसत से 194 रन बनाए हैं, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 40 रहा है।

सिडनी के परिणाम पर टिकीं डब्लयूटीसी फाइनल के लिए भारत की संभावनएं

सिडनी । भारतीय टीम के विश्व विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्यूटीसी) फाइनल की संभावनाएं अब सिडनी टेस्ट पर ही अधारित हैं । अगर भारतीय टीम ये मैच हारती है तो उसके फाइनल में पहुंचने की सभी संभावनएं समाप्त हो जाएंगी । वहीं अगर वह जीतती है तो दौड़ में बनी रहेगी पर उसे अन्य टीमों के परिणामों पर भी आधारित होनो होगा । इस मैदान पर भारतीय टी को अब तक 13 मैचों में से केवल एक बार ही जीत मिली है । वहीं उसे पांच मैचों में हार का सामना करना पड़ा है जबकि सात मैच ड्रॉ रहे । भारतीय टीम को एकमात्र जीत जनवरी 1978 में मिली तब बिशन सिंह बेदी कप्तान थे । उस मैच में ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी में 131 रन पर आउट करने के बाद गुंडप्पा विश्वनाथ और करसन घावरी के अर्धशतकों की सहायता से भारत ने 265 रन की बढ़त बना ली । इसके बाद, इरापल्ली प्रसन्ना के चार विकेट लिए और ऑस्ट्रेलिया टीम अपनी दूसरी पारी में 263 रन पर आउट हो गई । पहली पारी में भागवत चन्द्रशेखर और बेदी ने क्रमशः चार और तीन विकेट लिए थे । वहीं इस सीरीज की बात करें तो पर्थ में 295 रनों की बड़ी जीत के बाद भारतीय टी को 1-0 की बढ़त के साथ मिल गयी थी पर टीम उसे बरकरार नहीं रख पायी । एडिलेड में ऑस्ट्रेलिया ने 10 विकेट से जीतकर सीरीज बराबर कि फिर ब्रिस्बेन टेस्ट बराबरी पर रहा जबकि मेलबर्न में भारतीय टीम को हार झेलनी पड़ी । बॉर्डर गावस्कर सीरीज अभी 2-1 से फिलहाल ऑस्ट्रेलिया के पक्ष में है पर अगर भारतीय टीम मैच जीतती है और सीरीज ड्रॉ रहती है भारतीय टीम डब्ल्यूटीसी की दौड़ में बनी रहेगी

एक पारी के बल पर ही पहचान नहीं बना सकते कोंस्टास : कैरी

सिडनी । ऑस्ट्रेलियाई विकेटकीपर बल्लेबाज एलेक्स कैरी ने कहा है कि युवा सलामी बल्लेबाज सैम कोंस्टास को ये नहीं समझना चाहिये कि केवल एक पारी के बल पर ही वह भविष्य के मैचों के लिए अपनी पहचान नहीं बना सकते । कैरी ने कहा कि कोंस्टास को लगातार रन बनाने होंगे । कोंस्टास ने अपने पदार्पण मैच में ही तेजी से खेलते हुए अर्धशतक लगाया था जिसके बाद से ही वह बेहद खुश हैं । उससे वह मंत्रमुग्ध थे, लेकिन उन्हें लगता है कि यह पारी भविष्य के मैचों के लिए उनकी पहचान नहीं बनेगी । कोंस्टास ने एमसीजी में 65 गेंद पर 60 रन की आकर्षक पारी खेली और इस दौरान भारतीय टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के गेंदों को भी अच्छे से खेला । कोंस्टास को पहले तीन मैच में असफल रहने वाले नाथन मैकस्वीनी की जगह टीम में लिया गया और उन्होंने आते ही आक्रामक रुख अपनाया पर कैरी ने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि यह 19 वर्षीय सलामी बल्लेबाज हर मैच में इतना आक्रामक प्रदर्शन करेगा । उन्होंने कहा, 'वह जो ऊर्जा लेकर आए, वह कुछ अलग थी । शायद इतने अंतर की उम्मीद नहीं थी, लेकिन उन्होंने क्रिकेट की एक ऐसी शैली को अपनाया जो शायद भारत के लिए भी नई थी । कैरी ने कहा, 'हम इंतजार करेंगे और देखेंगे कि वह आगे कैसे खेलते हैं । मुझे नहीं लगता कि यह हर टेस्ट मैच के लिए उनकी पहचान बन जाएगी । लेकिन शुरू में कुछ आक्रामकता अपनाना अच्छा है जिसकी हमें कमी खल रही थी । उन्होंने कहा कि पहले तीन टेस्ट मैचों में मैकस्वीनी और उस्मान ख्वाजा की सलामी जोड़ी ने मुश्किल हालातों में अच्छा काम किया था हालांकि मैकस्वीनी बड़े स्कोर नहीं बना पाये ।

खेल रत्न पुरस्कार सबसे बड़ी उपलब्धि लेकिन काफी कुछ हासिल करना बाकी: हरमनप्रीत

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओलंपिक पदक के बाद खेल रत्न पुरस्कार के लिए चुने जाने से उत्साहित भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा कि यह सम्मान उनकी 'शानदार' यात्रा की मान्यता है जिसमें उन्हें भविष्य में बहुत कुछ हासिल करना है। पेरिस ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली निशानेबाज मनु भाकर, शतरंज के विश्व चैंपियन डी गुकेश, हरमनप्रीत और पैरालंपिक ऊंची कूद के स्वर्ण विजेता प्रवीण कुमार को खेल मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को 2024 मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार के लिए चुना है। हरमनप्रीत ने कहा कि यह मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान है। यह मेरे लिए एक बड़ी उपलब्धि है। मैं वास्तव में बहुत खुश हूं। ऐसा लगता है कि यह मेरे जीवन का सबसे अच्छा हिस्सा है। मुझे इतना बड़ा पुरस्कार और मान्यता मिल रही है।

पेरिस ओलंपिक में सबसे ज्यादा 10 गोल करने वाले इस 28 साल के खिलाड़ी का करियर उपलब्धियों से भरा रहा है। वह पेरिस से पहले तोक्यो में कांस्य पदक जीतने वाली टीम के भी सदस्य थे। उन्होंने 2016 में जूनियर विश्व कप में स्वर्ण, राष्ट्रमंडल खेलों में रजत, एशियाई खेलों में स्वर्ण और कांस्य के अलावा चैंपियंस ट्रॉफी में दो रजत पदक जीते है। हरमनप्रीत ने पिछले वर्ष सहित तीन बार एफआईएच साल का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार जीता है। वह हालांकि इन उपलब्धियों से

संतुष्ट नहीं है और अभी करियर में काफी कुछ हासिल करना चाहते हैं।

हरमनप्रीत ने कहा कि अपनी पूरी यात्रा में मैंने बहुत कुछ सीखा है, मैंने जीत और हार सहित कई उतार-चढ़ाव देखे हैं। मुझे हालांकि लगता है कि आप केवल उन अनुभवों से सीखते हैं। पहले दिन से मेरी मानसिकता खुद को बेहतर करने की रही है। पंजाब के अमृतसर के टिम्मोवाल गांव में किसान परिवार में जन्मे हरमनप्रीत का अंतरराष्ट्रीय करियर 2014 में शुरू हुआ था। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय टीम के साथी खिलाड़ियों को दिया। भारतीय कप्तान ने कहा कि हम जो भी हासिल कर रहे हैं वह एक टीम के रूप में कर रहे हैं। मेरी यात्रा बहुत दिलचस्प रही है, मुझे व्यक्तिगत मान्यताएं और पुरस्कार मिल रहे हैं लेकिन यह केवल मेरे साथी खिलाड़ियों के कारण संभव हो पाया है। उन्होंने कहा कि मैंने अब तक की अपनी यात्रा का भरपूर आनंद लिया है। मैंने बहुत मेहनत की है और मैंने अब तक जो भी हासिल किया है, उससे मैं खुश हूं।

भारतीय हॉकी टीम की रक्षापंक्ति के इस खिलाड़ी की नजर अब विश्व कप में पदक जीतने पर है। विश्व कप का आयोजन अगले साल बेल्जियम में होगा। हरमनप्रीत ने कहा कि निश्चित रूप से मेरा मुख्य लक्ष्य विश्व कप होगा क्योंकि लंबे समय से हमने विश्व कप में कोई पदक नहीं जीता है। लेकिन ऐसा नहीं है कि अपने जीवन में सब कुछ हासिल कर लिया है। उन्होंने कहा कि हमने ओलंपिक में लगातार पदक जीते हैं लेकिन हमारा अगला लक्ष्य स्वर्ण पदक जीतना और सभी प्रमुख टूर्नामेंट जीतना होगा। यह चरण दर चरण प्रक्रिया है और हम एक टीम के रूप में अपने लक्ष्य हासिल करना चाहेंगे।

हरमनप्रीत वर्तमान में राउरकेला में चल रही हॉकी इंडिया लीग में पंजाब के सूरमा हॉकी क्लब का नेतृत्व कर रहे हैं। सूरमा हॉकी क्लब ने अब तक दो मैच खेले हैं, जिसमें एक में जीत और एक में हार मिली है। उन्होंने कहा कि हर टीम के लिए शुरुआत में एकजुट होना और समझ के साथ सामंजस्य बनाना कठिन होगा। हम कल का मैच हार गए लेकिन इसमें भी हमारे लिए कई सकारात्मक चीजें रही।

ब्रिस्बेन इंटरनेशनल : नोवाक जोकोविच को राइली ओपेल्का ने हराया

ब्रिस्बेन (ऑस्ट्रेलिया)। नोवाक जोकोविच को ब्रिस्बेन इंटरनेशनल टेनिस के क्वार्टर फाइनल में शुक्रवार को यहां राइली ओपेल्का के खिलाफ सीधे सेटों में 6-7, 3-6 से हार का सामना करना पड़ा । अमेरिका के ओपेल्का ने 16 ऐस लगाकर अपने करियर की सबसे बड़ी जीत दर्ज की। सैतीस साल के जोकोविच ऑस्ट्रेलियन ओपन की तैयारी के लिए इस टूर्नामेंट में खेल रहे हैं । ऑस्ट्रेलियाई ओपन की शुरुआत 12 जनवरी से होगी और जोकोविच इसके 10 बार के चैम्पियन रहे हैं । ओपेल्का ने फरवरी 2022 में सर्वश्रेष्ठ करियर रैंकिंग 17 हासिल की है । कूल्हे की सर्जरी के कारण खेल से दूर रहने के कारण उनकी मौजूदा रैंकिंग 293 है । ओपेल्का के सामने सेमीफाइनल में जी. एमपेत्शी पेरीकार्ड की चुनौती होगी । पेरीकार्ड ने याकूब मेनसिक को 7-5, 7-6 से हराया । दूसरे सेमीफाइनल में जिरी लेहेका का मुकाबला ग्रिगोर दिमित्रोव से होगा । लेहेका ने निकोलस जैरी को 6-4, 6-4 से हराया और जॉर्डन थॉम्पसन के रिटायर होने पर दिमित्रोव ने अंतिम चार में जगह पक्की की । खेल रोके जाते समय दिमित्रोव 6-1, 2-1 से आगे थे ।

भारत-पाक मैचों का इंतजार सभी को रहता है : वाटसन

सिडनी । पूर्व ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर शेन वाटसन ने कहा है भारतीय टीम का चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान नहीं जाना निराशाजनक है पर इस टूर्नामेंट से विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे अनुभवी खिलाड़ियों को फार्म हासिल करने का अवसर मिल जाएगा । भारतीय टीम चैम्पियंस ट्रॉफी के अपने मुकाबले दुबई में खेलेगी । वाटसन ने यहां चैम्पियंस ट्रॉफी टूर के दौरान कहा, 'यह बदकिस्मती की बात है कि ऐसे हालात बने हालांकि इसमें कोई संदेह नहीं कि भारत-पाकिस्तान मैचों का सभी को इंतजार रहता है । जब भी वे एक दूसरे के खिलाफ खेलते हैं तो उन मुकाबलों में जबरदस्त रोमांच रहता है । भारतीय टीम चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान नहीं जा रही है पर इसमें कोई कुछ नहीं कर सकता है । वाटसन ने कहा कि चैम्पियंस ट्रॉफी दो एकदिवसीय विश्व कप के बीच चार साल के अंतर को को कम करने का अच्छा रास्ता है । उन्होंने कहा, 'चैम्पियंस ट्रॉफी विश्व क्रिकेट में सबसे अहम टूर्नामेंट है क्योंकि एकदिवसीय विश्व कप चार साल में एक बार होता है । यह उस इंतजार को कम करता है और इससे इससे टेस्ट क्रिकेट और टी20 के बीच संतुलन बनता है । । एकदिवसीय क्रिकेट को इस तरह के टूर्नामेंट से ऊर्जा मिलती रहती है क्योंकि यह काफी अच्छा प्रारूप है । वाटसन ने कहा, 'हम टी20 के बाद भी एकदिवसीय क्रिकेट को बनाये रखना चाहते हैं , इसलिए चैम्पियंस ट्रॉफी अहम है । इसमें सिर्फ 8 टीमें खेलती है और हर गेंद महत्वपूर्ण होती है । इसमें आपको लगातार अच्छा खेलना होता है वरना बाहर होने का खतरा बना रहता है । भारतीय टीम ने साल 2013 चैम्पियंस ट्रॉफी जीती थी पर उस समय विराट कोहली और रोहित शर्मा अच्छे फार्मू में थे । अभी होनो ही खराब दौर से गुजर रहे हैं । वाटसन ने कहा कि यह चिंता की बात नहीं है । उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि खराब दौर विराट और रोहित के प्रभाव पर कोई असर डालेगा । दुबई में हालात अलग होंगे और एकदिवसीय में वे खुलकर खेल सकेंगे । कोहली वैसे भी एकदिवसीय में अन्य प्रारुपों से बेहतर खेलते हैं । । वाटसन ने कहा, 'चैम्पियंस ट्रॉफी में रोहित के सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में होने की संभावना है । ।

हॉकी कैलेंडर व्यस्त होने से नहीं शुरु कर पा रहे चैंपियंस ट्रॉफी - इकराम

राउरकेला । अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) अध्यक्ष दातो तैय्यब इकराम ने कहा है कि वह चैंपियंस ट्रॉफी को फिर से शुरु करने के पक्ष में हैं पर पहले से ही व्यस्त अंतरराष्ट्रीय हॉकी कैलेंडर में इस टूर्नामेंट के लिए समय देखना सबसे कठिन हो रहा है । चैंपियंस ट्रॉफी साल 1978 में शुरु होने के बाद से ही हर वर्ष होती थी पर साल 2014 में यह दो साल में एक बार हो गयी । यह टूर्नामेंट एक समय हॉकी की सबसे प्रतिष्ठित प्रतियोगिताओं में से एक था पर बाद में इसे बंद करना पड़ा । इसका अंतिम चरण 2018 में आयोजित कराया गया था । एफआईएच प्रमुख ने कहा' हम इस बात से मना नहीं कर रहे हैं कि चैंपियंस ट्रॉफी या इसी तरह के किसी टूर्नामेंट को फिर से शुरू किया जा सकता है पर हमें कैलेंडर में जगह देखने की जरूरत है जब इससे कराया जा सके । उन्होंने खिलाड़ियों के व्यस्त कार्यक्रम और उनके कार्यभार को ध्यान में रखते हुए ज्यादा टूर्नामेंटों की जगह पर बेहतर और अधिक रोमांचक टूर्नामेंट शुरू करने की जरुरत बतायी । इकराम ने हॉकी की वैश्विक पहुंच का विस्तार करने और शीर्ष नौ टीमों के अलावा अन्य देशों के लिए मौका प्रदान करने की जरूरत पर भी जोर दिया । उन्होंने कहा, 'पहले हमारे पास दूसरे दर्जे के देशों के लिए कुछ नहीं था । वहीं अब शीर्ष नौ-10 देशों के बाद हमने अगले आठ देशों के लिए नेशन्स कप शुरू किया है । एफआईएच के लिए मेरा लक्ष्य है कि शीर्ष 35 देश एफआईएच टूर्नामेंट में शामिल हों । उन्होंने एलीट और उभरते हॉकी देशों के बीच के अंतर को दूर करने पर भी बल दिया । इकराम ने कहा, 'अंतर पाटने का एकमात्र तरीका है कि हमें अन्य देशों को भी शामिल करना होगा । इसलिए समस्या यह होगी कि आपका कैलेंडर अधिक भरा होगा । एफआईएच का एक प्रमुख टूर्नामेंट प्रो लीग 2019 से चल रहा है । इसी को लेकर इकराम ने 'प्रो लीग कनेक्ट नाम की एक नयी परियोजना के शुरू होने की घोषणा की जिसका उद्देश्य शीर्ष हॉकी देशों के बाहर के देशों को शामिल करना है ।

ज्यादा पैरा खिलाड़ियों को खेल रत्न मिलते देखना अच्छा होता: प्रवीण कुमार

नई दिल्ली (एजेंसी) । ऊंची कूद के पैरा एथलीट प्रवीण कुमार पेरिस पैरालंपिक में स्वर्ण पदक की बदौलत चार ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार विजेताओं में शामिल होने से खुश हैं और उनका कहना है कि और ज्यादा पैरा खिलाड़ियों का देश के इस सर्वोच्च खेल सम्मान के लिए चयन किया जाता तो उन्हें और अधिक खुशी होती।

प्रवीण के अलावा दो ओलंपिक पदक जीतने वाली निशानेबाज मनु भाकर, शतरंज विश्व चैंपियन डी गुकेश और पेरिस खेलों के कांस्य विजेता पुरुष हॉकी कप्तान हरमनप्रीत सिंह के साथ खेल रत्न से सम्मानित किया जाएगा। तोक्यो ओलंपिक के अपने कांस्य को पेरिस में स्वर्ण में बदलने वाले तीरंदाज हरविंदर सिंह जैसे कुछ पैरा खिलाड़ियों ने खेल रत्न के लिए विचार नहीं किए जाने पर निराशा व्यक्त की है। पेरिस पैरालिंपिक में भारत ने रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन कर 29 पदक हासिल किये जिसमें सात स्वर्ण शामिल हैं।

प्रवीण ने साक्षात्कार में कहा कि अगर पेरिस ओलंपिक के कुछ पदक विजेताओं को भी खेल रत्न मिलता तो उन्हें खुशी होती लेकिन उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया। उन्होंने कहा, 'मैं उनसे सिर्फ इतना कहूंगा कि हिम्मत नहीं हारें और अच्छा प्रदर्शन करते रहें। पैरा खेलों को सिर्फ एक खेल रत्न दिया गया है और यह संख्या और होनी चाहिए थी। मुझे अच्छा लगता अगर दो-तीन और पैरा खिलाड़ियों को खेल रत्न दिया जाता।'

21 वर्षीय प्रवीण के पैरों में जन्म से विकृति थी जिसके कारण उनके दोनों पैर कमजोर थे। उनका एक पैर छोटा है जिससे उन्हें नियमित फिजियोथेरेपी की जरूरत थी। उनके पिता उनका सबसे बड़े सहारा बने। प्रवीण ने कहा कि वह हमेशा सक्षम खिलाड़ियों के साथ प्रतिस्पर्धा करना चाहते थे जबकि उन्हें अच्छी तरह से पता था कि यह 'बहुत कठिन काम' होगा। उन्होंने पेरिस में पुरुषों की ऊंची कूद टी64 स्पर्धा में रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन करते हुए तोक्यो ओलंपिक के रजत पदक को स्वर्ण पदक में तब्दील किया।

नई दिल्ली के साउथ में रहने वाले प्रवीण जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में सात से आठ घंटे ट्रेनिंग करते हैं और अब उन्हें साल के अंत में राजधानी में होने वाली विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक हासिल करने की उम्मीद है। प्रवीण ने कहा, 'ओलंपिक में सफलता हासिल करना और अपनी सफलता के लिए खेल

रत्न पुरस्कार मिलने पर मुझे बहुत गर्व महसूस हो रहा है। यह मेरे लिए सपने का सच होना है। यह पुरस्कार मुझे विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में मेरे घरेलू मैदान में स्वर्ण पदक जीतने के लिए प्रेरित करेगा।'

बढ़ती ठंड और कुहासे की चादर में लिपटा हजारीबाग

प्रमोद खंडेलवाल

हजारीबाग। हजारीबाग जिले में कड़ाके की ठंड ने लोगों की दिनचर्या को बुरी तरह प्रभावित किया है। शुक्रवार सुबह घने कोहरे की चादर ने पूरे शहर को ढक लिया, जो सुबह 8:30 बजे तक बना रहा। ठंड और कोहरे की वजह से सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहा। मॉर्निंग वॉक करने वालों की संख्या में भारी गिरावट दर्ज की गई। हजारीबाग की प्रसिद्ध झील, जो सैलानियों और स्थानीय लोगों के बीच आकर्षण का केंद्र है, इस ठंड के कारण वीरान दिखी। जहां एक ओर झील और पार्कों में सन्नाटा देखा गया, वहीं दूसरी ओर शहर के विभिन्न इलाकों में चाय की टपरियों पर भारी भीड़ जुटी। ठंड से बचने के लिए लोग चाय और अन्य गर्म पेय का सहारा ले रहे हैं। सुबह-सुबह अलाव के पास लोगों का जुटान भी देखा गया।

ठंड से स्वास्थ्य पर पड़ रहा असर: ठंड के अचानक बढ़ने से कई लोग सर्दी, खांसी और बुखार जैसी बीमारियों से पीड़ित हो रहे हैं। स्थानीय चिकित्सकों ने बताया कि अस्पतालों में इन बीमारियों से ग्रस्त मरीजों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि वे पर्याप्त गर्म कपड़े पहनें, ठंडी हवा में बाहर जाने से बचें और गर्म पानी का सेवन करें। विशेष रूप से बुजुर्गों और बच्चों का विशेष ध्यान रखने की सलाह दी गई है।

प्रशासन ने उठाए ठंड से बचाव के कदम

जिला प्रशासन ने ठंड से निपटने के लिए राहत कार्य तेज कर दिए हैं। प्रमुख स्थलों पर कंबल का वितरण किया जा रहा है, उपायुक्त ने सभी प्रखंड विकास अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में ठंड से बचाव के लिए आवश्यक कदम उठाएं।

संक्षिप्त खबरें

जिला कांग्रेस का प्रतिनिधि मंडल प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश से मिला

हजारीबाग/बिभा संवाददाता। हजारीबाग सदर अनुमंडल पदाधिकारी की पत्नी अनीता देवी के घर में संदिग्ध मौत का जांच कर आरोपी तत्कालीन अनुमंडल पदाधिकारी अशोक कुमार के गिरफ्तारी की मांग को लेकर हजारीबाग जिला कांग्रेस अध्यक्ष शैलेंद्र कुमार यादव के नेतृत्व और महानगर कांग्रेस अध्यक्ष मनोज नारायण भगत, प्रदेश महासचिव बिनोद कुशवाहा, वरिष्ठ कांग्रेस नेता संजय तिवारी, अल्पसंख्यक जिला अध्यक्ष साजिद अली खान के उपस्थित में स्वर्गीय अनीता देवी के भाई राजू कुमार गुप्ता और जिला कांग्रेस का एक प्रतिनिधि मंडल प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश से प्रदेश कार्यालय में मुलाकात कर विस्तृत घटना की जानकारी और ज्ञापन दिया। प्रदेश अध्यक्ष ने तत्काल हजारीबाग एसपी से दूरभाष पर बात की, जिस पर हजारीबाग एसपी ने तीन दिनों के अंदर तुरंत कार्रवाई का आश्वासन दिया।

सूर्यकुंड में मकर संक्रांति पर मकर स्नान के लिए कराई गई कुंड की सफाई

बरकट्ठा/बिभा संवाददाता। जिले व प्रखंड क्षेत्र के ऐतिहासिक धार्मिक पर्यटन स्थल सूर्यकुंडधाम में मकर संक्रांति के अवसर पर मकर स्नान के लिए आने वाले श्रद्धालुओं के लिए मुखिया ललिता देवी और झारखंड आंदोलनकारी धीरेंद्र पांडेय ने स्नानकुंडो की सफाई कराई। सूर्यकुंडधाम में धरती के गर्भ से निरंतर गर्म जलधारा प्रवाहित होता है। बड़ी संख्या में श्रद्धालु सूर्यकुंड के गर्मजल से मकर स्नान के लिए पहुंचते हैं। मकर संक्रांति पर सूर्यकुंडधाम में 15 दिवसीय विशाल मेले का भी आयोजन होता है। धीरेंद्र पांडेय ने कहा कि महिलाओं के लिए बने स्नानागार कुंड कई दिनों से बंद पड़ा था। इसे पूर्ण रूप से साफ सफाई करवाकर चालू किया गया। महादेव कुंड जो पिछले पांच वर्षों से बंद पड़ा है, उसकी साफ सफाई कर चालू किया जाएगा। बताया कि दो शौचालय जब से बना है तब से पानी के अभाव के कारण बंद था। इस वजह अंदर से टूट गया है और गंदगी फैल गया है। इसे साफ सफाई कर व पानी की व्यवस्था बहाल कर चालू किया जाएगा। वहीं बिजली व्यवस्था भी दुरुस्त किया जा रहा है। ताकि बाहर से आने वाले पर्यटकों को किसी भी प्रकार की कोई असुविधा न हो।

झारखंड आंदोलनकारियों ने मनाया झारखंड आंदोलनकारी दिवस

विष्णुगढ़/बिभा संवाददाता। झारखंड आंदोलनकारी के अग्रणी योद्धा जयपाल सिंह मुंडा के जन्म दिवस के अवसर पर विष्णुगढ़ इंटर महाविद्यालय के प्रांगण में शुक्रवार को झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा के बैनर तले आंदोलनकारी दिवस मनाया गया एवं अहम बैठक की गई। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि आंदोलनकारी के हित में किए गए वादों को सरकार भूल चुकी है। अब आंदोलन के जरिए ही अपना अधिकार लेना आवश्यक है। चुनाव के पहले झारखंड की मिट्टी से आंदोलनकारी को हमदर्द बनाकर झारखंड सरकार के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के द्वारा कहा गया था कि हम सभी को समान रूप से पेंशन देने के साथ-साथ आंदोलनजारी के हित में काम करेंगे, लेकिन चुनाव के पूर्व भी कुछ नहीं किया गया और चुनाव बीत जाने के बाद भी अब तक कोई ठोस पहल नहीं की गई है। बैठक में सरकार से पांच मुख्य मांगें रखी गई जिनमें सरकार झारखंड आंदोलनकारी के जेल जाने की बाध्यता समाप्त करते हुए सभी को समान रूप से राजकीय मान-सम्मान, अलग पहचान, रोजी-रोजगार नियोजन 100% गारंटी एवं सम्मान पेंशन राशि 50-50 हजार रुपए दे, विष्णुगढ़ को अनुमंडल का दर्जा दिया जाए, विष्णुगढ़ पुलिस अनुमंडल मुख्यालय विष्णुगढ़ में स्थापित किया जाए, चिन्हित आंदोलनकारी को अबुआ आवास दिया जाए एवं चिन्हित आंदोलन कार्यों को मुफ्त बिजली दिया जाए शामिल हैं। इस दौरान झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा के केंद्रीय सचिव महमूद आलम ने कहा कि जैसे हम लोग झारखंड अलग राज्य की लड़ाई में शामिल हुए थे, अपने हक अधिकार की लड़ाई में हम सभी आंदोलनकारी एक हैं और अपने अधिकार के लिए आगे भी आंदोलन जारी रखेंगे। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष दुलारचंद प्रसाद एवं संचालन घनश्याम पाठक के द्वारा किया गया। बैठक में मुख्य रूप से हेमलाल साव, सुनील कुमार सिंह, करीमुद्दीन अंसारी, भुनेश्वर यादव, करीम खान, अजय साव, मेघवाल शाह, मजबूर अंसारी, द्वारीका महतो, इसराफ अंसारी, कुर्बान अंसारी, साबिर अंसारी, अकबर अली, अलीमुद्दीन, बाबूलाल कुमार, जगन्नाथ महतो, नोनू गोपाल, कुलदीप रविदास, देवनाथ महतो, सब बेनीवाल महतो, धनपत महतो, धर्मवीर यादव, नागेंद्र प्रसाद, समेत सैकड़ो की संख्या में आंदोलनकारी शामिल हुए।

कौशल्या देवी की पुण्यतिथि पर परिवार वालों ने फूड पैकेट का किया वितरण

हजारीबाग/बिभा संवाददाता। कौशल्या देवी की 24वीं पुण्यतिथि पर हुरहुरू स्थित विकलांग बच्चों के बिच फूड पैकेट का वितरण किया गया! परिवार वालों ने बताया की हम सब प्रत्येक वर्ष पुण्यतिथि पर गरीब, बिरहोर परिवारों के बिच जाकर भोजन या वस्त्र देते है! मन में काफी शांति मिलती है। कार्यक्रम में परिवार के सभी लोग शामिल रहे। स्वेता सिंहा, रमेश रंजन सिंहा, ज्ञान सिंहा समेत कई लोग शामिल हुए!

हजारीबाग यूथ विंग ने ठंड से बचाव के लिए अलाव की व्यवस्था की

जरूरतमंदों तक मदद पहुंचाना हमारी प्राथमिकता : संरक्षक

बिभा संवाददाता

हजारीबाग। इन दिनों हजारीबाग में ठंड अपने चरम पर है। आम जनता, विशेषकर आर्थिक रूप से कमजोर तबके के लोग, इस सर्द मौसम से काफी परेशान हैं। इस चुनौतीपूर्ण समय में हजारीबाग यूथ विंग ने आगे बढ़कर सामाजिक जिम्मेदारी निभाई और ठंड से राहत देने के लिए शहर के विभिन्न चौक-चौराहों पर अलाव जलाने की व्यवस्था की। इस कार्यक्रम का मुख्य आयोजन पुराना बस स्टैंड के समीप किया गया, जहां जिले के उप विकास आयुक्त इश्तियाक अहमद और जिला कल्याण पदाधिकारी सुभाष कुमार मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने अलाव की व्यवस्था का निरीक्षण किया और हजारीबाग यूथ विंग के इस प्रयास की सराहना की। अधिकारियों ने इसे समाज सेवा की एक अद्भुत पहल बताया और भविष्य में भी इस तरह के कार्यों को बढ़ावा देने की बात कही। अलाव की व्यवस्था से सबसे अधिक लाभान्वित होने वाले लोग में रिक्शा चालक,राहगीर,जरूरतमंद सहित अन्य लोगों को अलावों ने न केवल ठंड से राहत दी, बल्कि समाज में आपसी सहयोग और मानवता का संदेश भी दिया।

हजारीबाग यूथ विंग के अलावा कार्यक्रम में पहुंचे उप विकास आयुक्त इश्तियाक अहमद एवं जिला कल्याण पदाधिकारी

- ठंड से राहत के लिए हजारीबाग यूथ विंग की सराहनीय पहल : उप विकास आयुक्त
- हजारीबाग यूथ विंग की पहल समाज सेवा का अनुकरणीय उदाहरण : जिला कल्याण पदाधिकारी

स्थानीय लोगों की प्रतिक्रियाएं

स्थानीय नागरिकों ने हजारीबाग यूथ विंग के इस कदम की जमकर प्रशंसा की। एक राहगीर ने कहा इस पहल से हमें बड़ी राहत मिली है। ठंड के कारण बाहर रहना मुश्किल हो रहा था, लेकिन अब अलाव की वजह से हम आराम महसूस कर रहे हैं। हजारीबाग यूथ विंग ने यह सुनिश्चित किया है कि शहर के अन्य प्रमुख स्थानों पर भी अलाव की सुविधा प्रदान किया जाएगा, यह प्रयास हर दिन देर रात तक जारी रहेगा ताकि अधिक से अधिक लोगों को इसका लाभ मिल सके।उप विकास आयुक्त डीडीसी इश्तियाक अहमद ने कहा की हजारीबाग यूथ विंग का यह प्रयास सराहनीय है। इस ठंड में अलाव की व्यवस्था से कई जरूरतमंदों को राहत मिलेगी। यह समाज सेवा का एक उत्कृष्ट उदाहरण है।जिला कल्याण पदाधिकारी ने कहा की ठंड के मौसम में इस तरह की पहल बेहद आवश्यक है। हजारीबाग यूथ विंग ने जो कार्य किया है,वह अन्य संगठनों के लिए प्रेरणादायक है।हजारीबाग यूथ विंग के संरक्षक चंद्र प्रकाश जैन ने कहा की हमारा उद्देश्य ठंड से पीड़ित हर व्यक्ति तक मदद पहुंचाना है। यह पहल समाज में आपसी सहयोग और मानवता का संदेश देती है। हम भविष्य में भी ऐसे कार्य करते रहेंगे। मौके पर संरक्षक चंद्र प्रकाश जैन, सचिव संजय कुमार, सहसचिव डॉक्टर बी वेंकटेश, कोषाध्यक्ष रितेश खण्डेलवाल, कार्यकारिणी सदस्य प्रमोद खण्डेलवाल, अभिषेक कुमार पांडे, गुंजन मद्धेशिया, मोहम्मद ताजुद्दीन, विकाश तिवारी, प्रणीत जैन, संतोष चौधरी, अख्तर हुसैन सहित कई लोग मौजूद रहें।

सड़क सुरक्षा माह : रोज डे पर विशेष जागरूकता अभियान

बिभा संवाददाता

हजारीबाग। सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत शुक्रवार को रोज डे का आयोजन किया गया। इस अवसर पर यातायात पुलिस ने डिस्ट्रिक मोड़ सहित अन्य प्रमुख इलाकों में दोपहिया वाहनों की जांच की। खास बात यह रही कि बिना हेलमेट वाहन चलाने वालों को चालान के बजाय गुलाब का फूल देकर उन्हें यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया गया। जांच अभियान हेतु यातायात पुलिस द्वारा सघन जांच अभियान चलाया गया, जिसमें बिना हेलमेट वाले दोपहिया चालकों को रोका गया। गुलाब फूल का वितरण कर नियम तोड़ने वालों को दंडित करने के बजाय उन्हें गुलाब का फूल देकर सम्मानपूर्वक समझाया गया कि हेलमेट पहनना उनके और उनके परिवार की सुरक्षा के लिए अनिवार्य है। जागरूकता संदेश देते हुए यातायात पुलिस ने लोगों को बताया कि हेलमेट पहनना सड़क दुर्घटनाओं में जान बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वाहन चालकों को हेलमेट पहनने की आदत विकसित करने के लिए प्रेरित किया गया। सड़क पर सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए अन्य यातायात नियमों का पालन करने की भी अपील की गई। इस मौके पर अधिकारी ने कहा हमारा उद्देश्य केवल चालान काटना नहीं, बल्कि लोगों को उनकी सुरक्षा के प्रति जागरूक करना है। हेलमेट न केवल कानून के तहत अनिवार्य है, बल्कि यह सड़क दुर्घटनाओं के दौरान जान बचाने में सबसे प्रभावी सुरक्षा उपकरण भी है। गुलाब फूल देकर किए गए इस अनोखे जागरूकता अभियान को स्थानीय लोगों ने सराहा। कई लोगों ने इसे सकारात्मक पहल बताते हुए कहा कि यह उन्हें यातायात नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित करेगा। सड़क सुरक्षा माह के तहत आने वाले दिनों में विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जनता में सड़क सुरक्षा के महत्व को बढ़ावा देना और यातायात नियमों के पालन को सुनिश्चित करना है।

मंगल प्रवेश आज

हजारीबाग। परम पूज्य गणाचार्य 108 विराग सागर जी महाराज की शिष्या आर्यिका 105 विभाश्री माताजी ससंघ 12 पिच्छी का मंगल प्रवेश आज प्रात: 8:00 बजे हजारीबाग की पावन धरती पर होगा। दिगंबर जैन पंचायत के महामंत्री पवन जैन अजमेरा ने बताया कि जिनकी आगवानी डिस्ट्रिक मोड़ चौक (आरोग्यम) के पास से किया जाएगा। हजारीबाग जैन समाज के लोग काफी संख्या में इस आगवानी में शामिल होंगे।

मेदिनीनगर में पिंक सिटी बस का परिचालन प्रारंभ

मेदिनीनगर। शहरवासियों को शुक्रवार को बड़ी सौगात प्रदान की गयी है। शहरवासियों के आवागमन हेतु 4 पिंक सिटी बसों का परिचालन शुक्रवार से शुरू हो गया।नगर निगम कार्यालय में नगर आयुक्त जावेद हुसैन ने सभी बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।नगर निगम क्षेत्र की सीमा में चलाये जाने वाले पिंक सिटी बस में महिला एवं पुरुष दोनों सफर कर सकेंगे। इस संबंध में नगर आयुक्त श्री हुसैन ने बताया कि शहरवासियों को को ध्यान में रखते हुए पिंक सिटी बस का परिचालन शुरू किया गया है। इसमें जीपीएस एवं मोबाइल चार्ज करने के लिए स्लॉट भी लगाया गया है।उन्होंने बताया कि पिंक सिटी बस छः मुहान से चियांकि, छः मुहान से निमिया भाया चैनपुर, छः मुहान से पोखरहा -रजवाडीह,छः मुहान से बिस्फुटा होते हुए पाटन मोड़ तक प्रतिदिन चलाया जायेगा।पिंक सिटी बस का परिचालन सुबह 7:00 बजे से शाम 05 बजे तक होगा।इस अवसर पर निगम के सिटी मैनेजर समेत विभिन्न कर्मी मौजूद रहे।

डीडीसी ने की झारखंड समेकित आदर्श ग्राम योजना अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की समीक्षा

बिभा संवाददाता

मेदिनीनगर। उप विकास आयुक्त शब्बीर अहमद ने शुक्रवार को डीआरडीए सभागार में झारखंड समेकित आदर्श ग्राम योजना अंतर्गत किए जा रहे हैं कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना फ़ेज़ 1 व फ़ेज़ 2,सांसद आदर्श ग्राम योजना व आदर्श ग्राम योजना के तहत कार्यों की समीक्षा की गयी। इस दौरान बताया गया कि प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना फ़ेज़ 1 के तहत 20 ग्राम चयनित हैं,इन सभी ग्रामों के लिये संबंधित बीडीओ को संशोधित वीडीपी बनाने का निर्देश दिया गया।वहीं फ़ेज़ टू के तहत 21 प्रखंडो में 227 ग्राम चयनित है,सभी चयनित ग्रामों में वीडीपी और प्रत्येक परिवार का हाउसहोल्ड सर्वे करते हुए पोर्टल पर अपलोड करने की बात कही गयी। इसी तरह सांसद आदर्श ग्राम योजना में 151 योजनाओं को लंबित पाया गया,इस पर उप विकास आयुक्त श्री अहमद ने कहा कि जिस योजनाओं को प्रखंड या पंचायत स्तर पर क्रियान्वयन करने में समस्या आ रही है वैसी योजनाओं को संबंधित विभाग को प्रस्ताव उपलब्ध करना सुनिश्चित करें। इसी क्रम में आदर्श ग्राम योजना में 5 ग्राम जो चयनित है उन सभी ग्रामों के लिये ग्राम विकास योजना बनाने का निर्देश दिया गया।बैठक में डीआरडीए निदेशक, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी समेत विभिन्न बीडीओ व अभियंता उपस्थित रहे।

सांसद मनीष जायसवाल ने रामगढ़ के विभिन्न गांवों की समस्याएं सुनी

बिभा संवाददाता

हजारीबाग। हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने अंग्रेजी नववर्ष की शुरुआत शुक्रवार रामगढ़ जिले के रजरप्पा स्थित मां छिन्नमस्तिका के मंदिर में रामगढ़ जिले के सभी मंडलों के बीजेपी मंडल अध्यक्षों और अपने शुभचिंतकों संग पूजा- अर्चना कर किया। यहां उन्होंने मां छिन्नमस्तिके से समस्त हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र की सुख, शांति और समृद्धि की कामना की।तत्पश्चात बीते दिनों सीसीएल रजरप्पा प्रोजेक्ट के सेक्शन एक खदान के समीप परमेश्वर महतो का घर और खेत प्रशासन द्वारा डोजरिंग कर गिरा दिया गया था। जहां पहुंचकर उक्त आवासीय परिसर में भुक्तभोगी परिवार से मिले और इस मामले का उचित समाधान निकालने का उन्हें। आश्वासन दिया। मौके पर पहुंचे प्रोजेक्ट के प्रोजेक्ट ऑफिसर से प्रशासन के इस कुकृत्य का उचित समाधान निकालने का सख़्त दिशा-निर्देश भी दिया। रामगढ जिले के भ्रमण के दौरान हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र में भारतमाला परियोजना के अंतर्गत निर्माणाधीन रांची- धनबाद एक्सप्रेसवे के विभिन्न स्थानों का निरीक्षण राष्ट्रीय राजमार्ग के संबंधित पदाधिकारियों के साथ की एवं निर्माणाधीन परियोजना से स्थानीय ग्रामीणों को हो रहे समस्याओं को जाना और देखा इसमें विशेषरूप से सोसो में ग्राम सोसो, महलीडीह, जांगी और हिसिमदाग के स्थानीय लोगों से मिलकर उनकी समस्याएं जानी जिसके बाद स्थानीय ग्रामीणों के लिए सर्विस रोड और पानी की व्यवस्था को तत्काल बहाल करने के दिशा-निर्देश मौके पर उपस्थित राष्ट्रीय राजमार्ग के अधिकारियों को दिया। वहीं बरियातू पंचायत के अलगडीहा पहुंचकर यहां अलगडीहा और बारघुटु सहित कई गांव को जोड़ने के लिए बनाए जा रहे अंडरपास का निरीक्षण किया एवं स्थानीय ग्रामीणों की मांग पर अंडरपास की चौड़ाई 2 फीट तक बढ़ाने का दिशा- निर्देश मौके पर उपस्थित राष्ट्रीय राजमार्ग के अधिकारियों को दिया।

दीवारों से बाहर वस्त्रों और सजावटी आइटम्स में भी सोहराई कला की नई पहचान

प्रमोद खण्डेलवाल

सोहराई कला अब वैश्विक पहचान की ओर अग्रेषित

हजारीबाग। झारखंड की सोहराई कला अपनी पारंपरिकता और विशिष्टता के कारण देश और विदेशों में एक अलग पहचान बना रही है। यह कला मूलतः त्योहारों और सांस्कृतिक उत्सवों के दौरान घरों की दीवारों को सजाने के लिए की जाती थी। लेकिन समय के साथ इस कला ने एक नया रूप ले लिया है और अब इसे दीवारों के साथ-साथ कपड़ों, विशेष रूप से साड़ियों, बैग, पेंटिंग्स, और अन्य वस्त्रों पर उकेरा जा रहा है। सोहराई कला की उत्पत्ति झारखंड के ग्रामीण इलाकों में हुई और यह मुख्य रूप से आदिवासी समुदायों से जुड़ी है। यह कला प्राचीन परंपराओं, प्रकृति, और सामाजिक जीवन का प्रतीक है। दीवारों पर मिट्टी, कोयला, और प्राकृतिक रंगों का उपयोग कर पशु, पक्षी, पेड़-पौधे, और आदिवासी जीवन के दृश्य बनाए जाते हैं। यह न केवल सौंदर्य का प्रतीक है, बल्कि समुदाय की सांस्कृतिक धरोहर और पर्यावरण के साथ सामंजस्य का भी प्रतीक है।

सोहराई कला का आधुनिक केंद्र: हजारीबाग के युवा और प्रतिभाशाली कलाकारों ने सोहराई कला को नए आयाम दिए हैं। वे पारंपरिक डिजाइनों को साड़ी, बैग, और अन्य वस्त्रों पर उकेरकर इसे वैश्विक स्तर पर प्रस्तुत कर रहे हैं। यह कला अब दीवारों से निकलकर फैशन और आधुनिक डिजाइनों में शामिल हो गई है। कलाकारों का कहना है कि एक पूरी साड़ी पर सोहराई कला बनाने में 1-2 दिन का समय लगता है। हर साड़ी पर किए गए कार्य में अद्वितीयता और रचनात्मकता होती है, जो इसे अनमोल बनाती है। इस कला के कार्य में महिलाओं की भी प्रमुख भूमिका है, और वे अपनी परंपराओं को जीवित रखने के साथ-साथ अपने परिवार के लिए रोजगार का साधन भी बना रही हैं। झारखंड सरकार और विभिन्न गैर-सरकारी संगठनों ने इस कला के संरक्षण और प्रचार-प्रसार के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं। प्रशिक्षण कार्यशालाओं और प्रदर्शनियों का आयोजन किया जा रहा है। कलाकारों को कच्चे माल, प्रशिक्षण उपकरणों, और विपणन सुविधाओं में सहायता दी जा रही है। झारक्राफ्ट जैसे संगठनों ने सोहराई कला से जुड़े उत्पादों को बड़े बाजारों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

महिला सशक्तिकरण और रोजगार के अवसर: सोहराई कला ने ग्रामीण महिलाओं के लिए आर्थिक सशक्तिकरण का एक बड़ा माध्यम तैयार किया है। परंपरागत रूप से इस कला में महिलाएं प्रमुख भूमिका निभाती आई हैं। अब, कपड़ों और सजावटी वस्त्रों पर इस कला का उपयोग उनके लिए रोजगार के नए अवसर खोल रहा है। सोहराई कला अब केवल ग्रामीण दीवारों तक सीमित नहीं रही। यह आधुनिक जीवनशैली का हिस्सा बन चुकी है। फैशन इंडस्ट्री में साड़ियों, दुपट्टों, और कपड़ों पर सोहराई डिज़ाइन की मांग तेजी से बढ़ रही है। गृह सज्जा हेतु दीवार पेंटिंग, तकिए के कवर, और बैग जैसे उत्पादों में यह कला एक विशेष आकर्षण जोड़ रही है। स्मारिका पर्यटकों के लिए सोहराई कला से जुड़ी चीजें यादगार के तौर पर पेश की जा रही हैं। सोहराई कला की बढ़ती लोकप्रियता इसे वैश्विक बाजार में पहचान दिलाया है। इसके संरक्षण और विकास के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है।

संक्षिप्त खबरें

दुमका-रांची एक्सप्रेस कल रद्द रहेगी

रांची(बिभा): पूर्व रेलवे के आसनसोल मंडल के अंतर्गत विकास कार्य हेतु ब्लॉक लिया जाएगा। जिससे कई ट्रेनें प्रभावित रहेंगी। ट्रेन संख्या 13319 दुमका -रांची एक्सप्रेस, यात्रा प्रारंभ दिनांक 05.01.2025 को रद्द रहेगी

ट्रेन का आंशिक समापन : ट्रेन संख्या 17321 वास्को द गामा - जसीडीह एक्सप्रेस, यात्रा प्रारम्भ दिनांक 03.01.2025 का चितरंजन स्टेशन पर आंशिक समापन होगा।

ट्रेन के प्रस्थान समय में परिवर्तन : ट्रेन संख्या 17006 रक्सौल -हैदराबाद एक्सप्रेस, यात्रा प्रारंभ दिनाँक 05.01.2025 को अपने निर्धारित प्रस्थान समय के स्थान पर 80 मिनट विलम्ब से रक्सौल से प्रस्थान करेगी ।

आद्रा मंडल में विकास कार्य होने के कारण कई ट्रेनों के मार्ग में परिवर्तन

रांची(बिभा) : दक्षिण पूर्व रेलवे के आद्रा मंडल के अंतर्गत विकास कार्य हेतु ब्लॉक लिया जाएगा अतः निम्नांकित ट्रेनें प्रभावित रहेंगी। ट्रेन परिवर्तित मार्ग से चलेगी : ट्रेन संख्या 18601 टाटानगर -हटिया एक्सप्रेस, यात्रा प्रारंभ दिनांक 06.01.2025 को अपने निर्धारित मार्ग चांडिल -पुरुलिया -कोटशिला -मूरी के स्थान पर परिवर्तित मार्ग चांडिल -गुंडा बिहार -मूरी होकर चलेगी।

ट्रेनों का आंशिक समापन / प्रारम्भ : ट्रेन संख्या 18035/18036 खड़गपुर -हटिया -खड़गपुर मेमू एक्सप्रेस, यात्रा प्रारम्भ दिनांक 06.01.2025 का आद्रा स्टेशन पर आंशिक समापन तथा आंशिक प्रारम्भ होगा। इन ट्रेनों का आद्रा -हटिया -आद्रा के बीच परिचालन रद्द रहेगा।

बरकाकाना- टोरी- लातेहार- बरवाडीह- डाल्टनगंज- गढ़वा रोड के रास्ते कुंभ मेला स्पेशल ट्रेनें चलायी जाएगी

धनबाद(बिभा): महाकुंभ 2025 में श्रद्धालुओं के सुविधाजनक आवागमन हेतु बरकाकाना- टोरी- लातेहार- बरवाडीह- डाल्टनगंज- गढ़वा रोड के रास्ते निम्नलिखित कुंभ मेला स्पेशल ट्रेनें चलायी जाएगी 1. 07107 तिरुपति- बनारस कुंभ मेला स्पेशल 18 जनवरी 08, 15, 22 फरवरी। 07108 बनारस- विजयवाड़ा कुंभ मेला स्पेशल 20जनवरी 10, 17, 24फरवरी । 07109 नरसापुर- बनारस कुंभ मेला स्पेशल 26 जनवरी 02फरवरी। 07110 बनारस- नरसापुर कुंभ मेला स्पेशल 27 जनवरी 03फरवरी।

बनारस- विशाखापत्तनम- बनारस एक्सप्रेस के गाड़ी संख्या को किया जाएगा पुनः क्रमांकित

धनबाद(बिभा): पूर्वी तटीय रेलवे द्वारा बनारस- विशाखापत्तनम- बनारस एक्सप्रेस के गाड़ी संख्या को पुनः क्रमांकित किया जाएगा । दिनांक 02.03.25 से विशाखापत्तनम से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 18311 बनारस- विशाखापत्तनम एक्सप्रेस के गाड़ी संख्या को पुनः क्रमांकित कर गाड़ी संख्या 18523 के रूप में चलाया जाएगा । दिनांक 03.03.25 से बनारस से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 18312 विशाखापत्तनम- बनारस एक्सप्रेस के गाड़ी संख्या को पुनः क्रमांकित कर गाड़ी संख्या 18524 के रूप में चलाया जाएगा ।

मुरादाबाद मंडल में यार्ड रिमाडलिंग के कारण बघौली स्टेशन पर दिया गया वैकल्पिक ठहराव

धनबाद(बिभा): उत्तर रेलवे में मुरादाबाद मंडल के बालामऊ स्टेशन पर यार्ड रिमाडलिंग कार्य के मद्देनजर निम्नलिखित गाड़ियों के बालामऊ स्टेशन पर ठहराव के स्थान पर बघौली स्टेशन पर वैकल्पिक ठहराव दिया गया है।

13151कोलकाता- जम्मू तवी एक्सप्रेस आगमन 13.50 प्रस्थान 13.52 तत्काल प्रभाव से 19.02.25 तक। 13307 धनबाद- फिरोजपुर कैंट गंगासतलज एक्सप्रेस आगमन 17.10 प्रस्थान 17.12। 13009 हावड़ा- योग नगरी ऋषिकेश दून एक्सप्रेस आगमन 22.00 प्रस्थान 22.02। 13152 जम्मू तवी- कोलकाता एक्सप्रेस आगमन 14.45 प्रस्थान 14.47। 08.01.25 से 19.02.25 तक 13308 फिरोजपुर कैंट- धनबाद गंगासतलज एक्सप्रेस आगमन 08.10 प्रस्थान 08.12। 13010 योग नगरी ऋषिकेश- हावड़ा दून एक्सप्रेस आगमन 06.34 प्रस्थान 06.36.

आसनसोल मंडल में मेगा ब्लॉक के मद्देनजर गाड़ियों के परिचालन में बदलाव

धनबाद (बिभा): पूर्व रेलवे में आसनसोल मंडल के झाझा- समस्तीपुर खंड के मध्य मेगा ब्लॉक के मद्देनजर गाड़ियों के परिचालन में बदलाव किया गया है ।

दिनांक 05.01.25 को दुमका से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 13319 दुमका- रांची एक्सप्रेस के परिचालन को निरस्त किया गया है। दिनांक 03.01.25 को वास्को डिगामा से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 17321 वास्को डिगामा- जसीडीह एक्सप्रेस का आंशिक समापन चित्तरंजन स्टेशन पर किया गया है । दिनांक 05.01.25 को खुलने वाली गाड़ी संख्या 13331/ 13332 धनबाद- पटना- धनबाद एक्सप्रेस के मार्ग में परिवर्तन किया जाएगा` यह गाड़ी उपरोक्त तिथि को गोमो- बंधुआ- पैमार- तिलैया- इस्लामपुर- फतुहा के रास्ते चलायी जाएगी। दिनांक 05.01.25 को रक्सौल से खुलने वाली गाड़ी संख्या 17006 रक्सौल- हैदराबाद एक्सप्रेस को रक्सौल से 80 मिनट पुनर्निधारित कर चलायी जाएगी।

मरांग गोमके जयपाल सिंह की जयंती पर सिमडेगा में हुआ हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन

सिमडेगा(बिभा) : खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए हॉकी सिमडेगा के मनोज कोनबेगी ने कहा ,आप सभी ने जयपाल सिंह मुंडा जैसी प्रतिभा है,पर कड़ी मेहनत और अनुशासन में रहने की जरूरत है। ओलंपिक में (1928) पहली बार स्वर्ण पदक विजेता रही भारतीय हॉकी टीम के कप्तान मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा जी की जयंती के अवसर पर हॉकी सिमडेगा और जिला खेलकूद विभाग सिमडेगा के संयुक्त तत्वावधान में सिमडेगा जिला मुख्यालय से 15 किलोमीटर अवस्थित कोचेडेगा के महुवा टोली विद्यालय के खेल मैदान में पुरुष वर्ग का एक दिवसीय हॉकी मैच का आयोजन किया गया। जिसमे आर सी विद्यालय कोचेडेगा की टीम ने कोचेडेगा डोंगा टोली को 4-3 गोल से पराजित विजेता बनी। विजेता ,उपविजेता टीम को आयोजन समिति की ओर ट्रॉफी और जर्सी सेट देकर सम्मानित किया गया। इससे पूर्व हॉकी सिमडेगा के अध्यक्ष मनोज कोणबेगी,कोषाध्यक्ष कमलेश्वर मांझी, कई अंतर्राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ियों के द्रोणाचार्य फादर बेनेदिक कुजूर,फादर फेड्रिक किड़ो, फादर सुनील केरकेट्टा एवम खिलाड़ियों महान हॉकी खिलाड़ी जयपाल सिंह जी तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

समुद्र पर बने देश के पहले कांच के पुल पर आवाजाही शुरू

कन्याकुमारी (बिभा): तमिलनाडु के कन्याकुमारी के तट पर बने देश के पहले समुद्री ग्लास ब्रिज (कांच का पुल) पर आवाजाही शुरू हो गई है। सोमवार शाम को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने 77 मीटर लंबे और 10 मीटर चौड़े इस पुल का उद्घाटन किया था। पुल के बनने से पर्यटक कन्याकुमारी के तट पर विवेकानंद रॉक मेमोरियल से सीधे तिरुवल्लुवर प्रतिमा तक आसानी से पहुंच सकते हैं।

कांच के पुल पर चलने से कैसा एहसास

इस पुल के बनने से पहले विवेकानंद स्मारक और तिरुवल्लुवर प्रतिमा तक पहुंचने के लिए लोगों को नाव का सहारा लेना पड़ता था। इस परियोजना पर राज्य सरकार ने करीब 37 करोड़ रुपए खर्च किए हैं। उद्घाटन के दौरान सीएम स्टालिन व अन्य मंत्रियों ने पुल पर चलकर देखा। कन्याकुमारी के पर्यटन अधिकारी ने बताया कि कांच के पुल पर चलने से ऐसा लगता है जैसे हम समुद्र पर चल रहे हों।

37 करोड़ की लागत, 77 मीटर लंबाई

उन्नत तकनीक का इस्तेमाल समुद्र के ऊपर बनाए गए धनुषाकार कांच के पुल को उन्नत तरीके से डिजाइन किया गया है। यह पुल तेज समुद्री हवाओं व अन्य खतरनाक समुद्री परिस्थितियों का सामना करने में सक्षम है। इन सब चीजों के साथ ही इस पुल पर लोगों की सुरक्षा का खास ख्याल रखा गया है।

खादी मेला में उमड़ी लोगों की जबरदस्त भीड़

मेला परिसर में स्केचिंग का जीवंत प्रदर्शन

खादी फैशन शो का किया गया आयोजन

बिभा संवाददाता

रांची : झारखंड राज्य खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड, उद्योग विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय खादी एवं सरस महोत्सव 2024-25 का जैसे-जैसे समापन की तिथि निकट आ रही है, वैसे-वैसे महोत्सव में लोगों की भीड़ बढ़ती जा रही है। आज मेले में लगभग 10 हजार लोगों ने मेले का आनंद लिया।

महोत्सव में झारखंड राज्य खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड के स्टॉल में पुरुषों के लिए सूती, रेशमी, ऊनी बंडी, कुर्ता, पजामा, ड्रेस मैटरियल, टोपी, मफलर, शॉल के साथ साथ महिलाओं के लिए भी ऊनी और रेशमी बंडी के अलावा सूती, रेशमी साड़ी, डिजिटल प्रिंटेड साड़ी, सोहराई प्रिंटेड साड़ी, म्यूरल साड़ी और मधुबनी प्रिंटेड साड़ियां खूब डिमांड में हैं ।

मेला परिसर में स्केचिंग का जीवंत प्रदर्शन किया जा रहा है ' रांची के कलाकार रोशन कुमार लोगों की जीवंत पेंटिंग बना रहे है। ब्लैक एंड वाइट पेंटिंग 500 रुपये से शुरू है वहीं रंगीन पेंटिंग की कीमत थोड़ी ज्यादा है।

साबरमती आश्रम के जीवंत प्रदर्शनी में बच्चों का उत्साह देखा जा रहा है यहां गांधी जी जुड़ी रोचक जानकारियां प्रदर्शनी में लगी चित्रों से प्राप्त की जा सकती है '

आज कला एवं संस्कृति विभाग के द्वारा श्री मलय कुमार साहू, एवं टीम सरायकेला-खरसांवा द्वारा सरायकेला छऊ नृत्य एवं श्री रमण कुमार मिश्रा एवं दल रांची द्वारा भजन एवं गजल गायन की प्रस्तुती की गई।

बच्चों के लिए आयोजित फेस पेंटिंग और रंगोली प्रतियोगिता दो आयु वर्ग में आयोजित की गई। प्रतियोगिता में सफल प्रतिभागियों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

झारखंड राज्य खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड के तत्वावधान में टाइम्स ऑफ इंडिया के द्वारा Trible Threads थीम पर खादी फैशन शो का आयोजन किया गया। खादी फैशन शो में खादी वस्त्रों से बने आधुनिक परिधानों का प्रदर्शन किया गया। Heritage Revival Collection में खादी वस्त्रों से बने परिधानों को आदिवासी परंपराओं से जोड़ा गया। खादी फैशन शो में खादी के धोती, कुर्ता, पजामा, रेशमी, उनी, सूती बंडी, शॉल, गर्म खादी कपड़े रेशमी, तसर, मधुबनी प्रिंटेड साड़ियां पहनकर मॉडलों द्वारा कैटवॉक किया गया। Tribal Fusion Collection राउंड में आदिवासी शैली को खादी से जोड़कर परिधानों का संग्रह प्रस्तुत किया गया। आदिवासी नगाड़े और बांसुरी की धुनों को लोगों को खूब आनंद उठाया ।

कल दिनांक 04.01.2025 को कला एवं संस्कृति विभाग के द्वारा श्री मुकेश तिवारी एवं दल,राँची द्वारा हिन्दी गायन एवं श्रीमती सिम्मी गोस्वामी एवं दल, राँची द्वारा नृत्य नाटिका की प्रस्तुती दी जायेगी। साथ ही, खादी बोर्ड द्वारा खादी फैशन शो किया जाएगा एवं श्रीमती वर्षा रितु ग्रुप डांस, रांची के द्वारा नृत्य की प्रस्तुती की जायेगी।

बच्चों के लिए पांच से नौ आयु वर्ग तथा दस से चौदह आयु वर्ग के लिए गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया जायेगा। जिन बच्चों को प्रतियोगिता में भाग लेना है. महोत्सव परिसर में आकर वे प्रातः 11.00 बजे तक अपना रजिस्ट्रेशन करा लेंगे।

वंदे भारत जल्द ही लंबी दूरी के रेल यात्रियों को विश्व स्तरीय यात्रा का अनुभव प्रदान करेंगी: अश्विन वैष्णव

बिभा संवाददाता

रांची : रेलवे नये साल में देश में यात्रियों के लिए तेज और सुरक्षित रेल यात्रा लाने के लिए तैयार है। छोटी और मध्यम दूरी की चेयर कार ट्रेनों में यात्रा करने वाले लोगों को तेज, सुरक्षित और विश्व-स्तरीय यात्रा का अनुभव देने के बाद, भारतीय रेलवे लंबी दूरी की ट्रेनों के लिए भी इसे साकार कर रहा है।

आरामदायक यात्रा के साथ अधिकतम गति 180 किमी प्रति घंटा

वंदे भारत स्लीपर ट्रेन ने पिछले तीन दिनों में अपने कई परीक्षणों में 180 किलोमीटर प्रति घंटे की अधिकतम गति प्राप्त की है। जनवरी के अंत तक यह परीक्षण जारी रहेंगे। उसके बाद देश भर के रेल यात्रियों को लंबी दूरी की यात्रा के लिए यह विश्व-स्तरीय यात्रा उपलब्ध कराई जाएगी।

कोटा डिवीजन में सफल परीक्षण का एक वीडियो साझा करते हुए, केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एक्स पर अपनी पोस्ट में इसकी गति का उल्लेख किया। वीडियो में वंदे भारत स्लीपर ट्रेन के अंदर एक मोबाइल के बगल में पानी से भरा गिलास दिखाया गया है। वीडियो में पानी का स्तर स्थिर देखा जा सकता है। चलती ट्रेन 180 किलोमीटर प्रति घंटे की अधिकतम और स्थिर गति प्राप्त करती है। हाई-स्पीड रेल यात्रा में वंदे भारत यात्रियों को आराम का अनुभव कराती है। यह पोस्ट 3 दिनों के सफल परीक्षणों के बाद आया है, जो 2 जनवरी को समाप्त हुआ, जिसमें वंदे भारत स्लीपर ट्रेन ने अपनी भरी हुई स्थिति में अधिकतम गति प्राप्त की।

गुरुवार को राजस्थान के बूंदी जिले में कोटा और लबान के बीच 30 किलोमीटर लंबे ट्रायल रन के दौरान ट्रेन ने 180 किलोमीटर प्रति घंटे की अधिकतम गति प्राप्त की। वर्ष 2025 के पहले दिन रोहल खुर्द से कोटा के बीच 40 किलोमीटर लंबे ट्रायल रन में वंदे भारत स्लीपर ट्रेन ने 180 किलोमीटर प्रति घंटे की अधिकतम गति प्राप्त की। इसी दिन कोटा-नागदा और रोहल खुर्द-चौमहला सेक्शन पर 170 किलोमीटर प्रति घंटे और 160 किलोमीटर प्रति घंटे की अधिकतम गति प्राप्त की। अनुसंधान डिजाइन और मानक संगठन (आरडीएसओ) लखनऊ की निगरानी में ये ट्रायल जनवरी महीने तक जारी रहेंगे।

एक बार ये परीक्षण पूरे हो जाने के बाद, रेलवे सुरक्षा आयुक्त द्वारा अधिकतम गति पर ट्रेन का मूल्यांकन किया जाएगा। अंतिम चरण में सफल होने के बाद ही, वंदे भारत ट्रेनों को आधिकारिक रूप से प्रमाणित किया जाएगा और उन्हें भारतीय रेलवे को शामिल करने और नियमित सेवा के लिए सौंप दिया जाएगा।

वंदे भारत: गति और सुखद यात्रा के साथ लंबी दूरी की रेल यात्रा में बदलाव

इन वंदे भारत स्लीपर ट्रेनों को स्वचालित दरवाजे, बेहद आरामदायक बर्थ, ऑन बोर्ड वाई-फाई और विमान जैसी डिजाइन जैसी सुविधाओं के साथ डिजाइन किया गया है। देश में यात्री पहले से ही मध्यम और छोटी दूरी पर चलने वाली 136 वंदे भारत ट्रेनों के माध्यम से शयन सीटों और विश्व-स्तरीय यात्रा अनुभव का आनंद ले रहे हैं।

रेलवे के लिए असली चुनौती बर्थ जोड़ना और ट्रेनों को पूर्ण यात्री और सामान लोड की स्थिति के लिए परीक्षण करना था ताकि उन्हें 180 किमी/घंटा की अधिकतम गति प्राप्त करते हुए वंदे भारत स्लीपर कोच में परिवर्तित किया जा सके। इन सफल परीक्षणों के साथ, रेल यात्री कश्मीर से कन्याकुमारी, दिल्ली से मुंबई, हावड़ा से चेन्नई और कई अन्य मार्गों जैसे लंबी दूरी की यात्राओं में विश्व-स्तरीय यात्रा अनुभव की उम्मीद कर सकते हैं। उन्हें यात्रा का समय काफी कम होने से लाभ होगा। मुंबई-दिल्ली लंबी दूरी की यात्रा की वर्तमान औसत गति 90 किमी/घंटा है, जिसमें तेजस राजधानी एक्सप्रेस के लिए अधिकतम स्वीकार्य गति 140 किमी/घंटा है, जो देश में सभी राजधानी ट्रेन सेवाओं में सबसे तेज है।

एनआईईएलईटी डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी का शुभारंभ

नाइलेट और टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

मालीगांव (बिभा): रेल संपर्क में सुधार करने के लिए प्रधान मंत्री के दृष्टिकोण के अनुरूप, तीन नई ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई गई और पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे द्वारा तेतेलिया स्टेशन यार्ड पर निर्मित एक नया रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) आज गुवाहाटी से राष्ट्र को समर्पित किया गया। असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य, असम के मुख्यमंत्री डॉ हिमंत बिस्वा सरमा, रेल मंत्री, सूचना और प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी अश्विनी वैष्णव और विदेश मामले और कपड़ा राज्य मंत्री, भारत सरकार पबित्रा मार्गेरिटा गुवाहाटी रेलवे स्टेशन पर अन्य सांसद / विधायक के अलावा विभिन्न स्थानों पर उपस्थित थे। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के महाप्रबंधक श्री चेतन कुमार श्रीवास्तव, पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (निर्माण) के महाप्रबंधक श्री अरुण कुमार चौधरी मुख्यालय और मंडलों के वरिष्ठ अधिकारियों, स्थानीय सांसद / विधायक और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी कार्यक्रम के दौरान उपस्थित थे।

इस अवसर पर उपस्थित मंत्रियों की उपस्थिति में NIELET और टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड के बीच एक समझौता ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर किए गए और उसका आदान-प्रदान किया गया। राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान NIELIT, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत एक प्रमुख संस्थान है, जिसे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा एक विशिष्ट श्रेणी के तहत एक डीम्ड विश्वविद्यालय के रूप में मान्यता दी गई है। रोपड़ में मुख्य परिसर के साथ-साथ अगरतला, आइजोल, अजमेर, औरंगाबाद, कालीकट, इम्फाल, ईटानगर, कोहिमा, गोरखपुर, पटना और श्रीनगर में इसकी 11 घटक इकाइयां हैं, NIELIT डीम्ड विश्वविद्यालय सीखने को फिर से परिभाषित करने के लिए तैयार है। यह उभरती डिजिटल तकनीकों जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सेमीकंडक्टर डिजाइन और निर्माण, साइबर सुरक्षा और फोरेंसिक, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, ऑटोमोटिव इलेक्ट्रॉनिक्स, मशीन लर्निंग, ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी आदि में स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी कार्यक्रम प्रदान करेगा।

नई शुरू की गई ट्रेनों में ट्रेन नंबर 55818/55817 (गुवाहाटी न्यू बोंगाईगांव गुवाहाटी) डेली पैसेंजर, ट्रेन नंबर 15911/15912 (तिनसुकिया नाहरलागुन तिनसुकिया) त्रि-साप्ताहिक एक्सप्रेस और ट्रेन नंबर 12047/12048 (गुवाहाटी नॉर्थ लखीमपुर गुवाहाटी) द्वि-साप्ताहिक जन शताब्दी एक्सप्रेस शामिल हैं। हरी झंडी दिखाने के समारोह के दौरान रेल मंत्री ने कहा कि इन सेवाओं से क्षेत्रीय संपर्क को बढ़ावा मिलने और असम और पड़ोसी क्षेत्रों में यात्रियों के लिए यात्रा विकल्पों में सुधार होने की उम्मीद है।

आकाशवाणी कोकराझार में एक नए एफएम ट्रांसमीटर का भी उद्घाटन किया गया। इससे धुबरी, बोंगाईगांव और चिरांग जिलों सहित क्षेत्र के 30 लाख से अधिक निवासियों को लाभ होगा, जिससे उन्हें स्पष्ट और उच्च गुणवत्ता वाले एफएम प्रसारण तक पहुंच प्राप्त होगी।

रेल मंत्री ने अपने संबोधन में बताया कि 2009-14 की अवधि की तुलना में चालू वर्ष के लिए पूर्वोत्तर क्षेत्र में रेलवे अवसंरचना विकास कार्य के लिए बजटीय आवंटन में पांच गुना से अधिक वार्षिक वृद्धि की गई है।

राज्यपाल के परिवार ने किया पहाड़ी मंदिर में पूजा अर्चना

बिभा संवाददाता

रांची : राज्यपाल झारखंड संतोष गंगवार जी का परिवार रांची के प्रसिद्ध पहाड़ी मंदिर में पूजा अर्चना किया, जहां उनका मुख्य द्वार पर भव्य स्वागत किया गया । स्वागत करने में मुख्य रूप से राजेश साहू ,दया शंकर शर्मा, बादल सिंह सुनील माथुर एवं मंदिर के पुजारी मनोज मिश्रा बाबा पिंटू पाठक एवं मंदिर के स्टाफ सुनील गुप्ता बेबी सिंह कर्मचारी मौजूद थे उनका परिवार महाकाल मंदिर में जलाभिषेक किया एवं काली मंदिर में पूजा अर्चना किया एवं यहां की व्यवस्था से बहुत ही खुश थे और फिर दोबारा आने को कहा ।

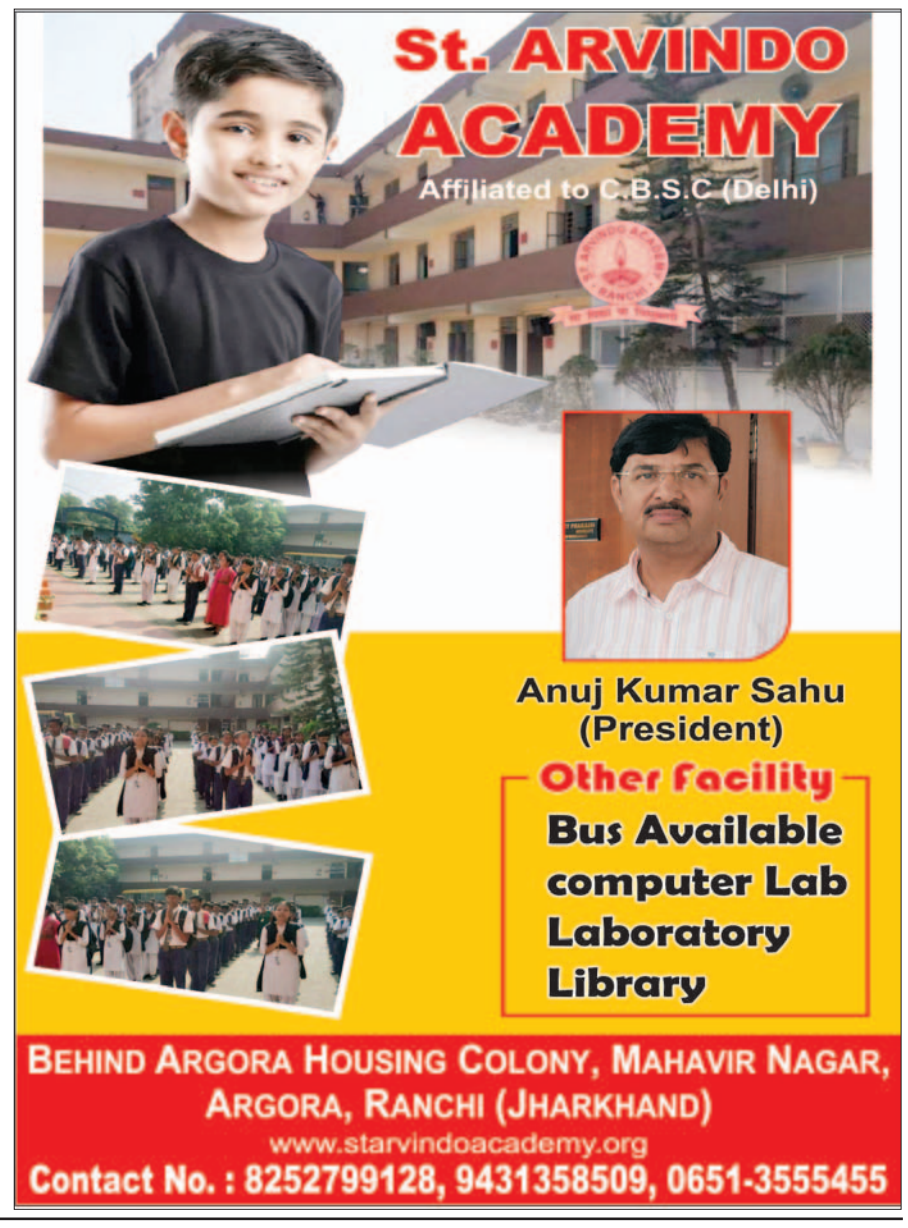

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक संजय कुमार के लिए वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातू,रांची-834009(झारखंड) दूरभाषः 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि., काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। संपादक कविता साहू *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार । Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com